निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 11 जून 2025 बुधवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 25 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1921: ब्राजील में महिलाओं को चुनाव में मतदान का अधिकार मिला।
1935: एडविन आर्मस्ट्रांग ने पहली बार एफएम का प्रसारण किया।
1940: यूरोपीय देश इटली ने मित्र देशों के खिलाफ लड़ाई की घोषणा की।
1955: पहले मैग्निशियम जेट हवाई जहाज ने उड़ान भरी।
2010: अफ्रीका ने 19वें फुटबाल विश्व कप टूर्नामेंट की मेजबानी की।

मोदी सरकार के 11 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये

ऑपरेशन सिंदूर से नारी सशक्तिकरण तक, स्मृति ईरानी ने रांची में गिनाईं केन्द्र सरकार की उपलब्धियां

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को झारखंड की राजधानी रांची में कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 साल के शासन में देश में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये हैं। स्मृति ने कहा कि देश में 4 करोड़ मकान गरीबों को मिले हैं। 15 करोड़ परिवारों को नल से पेयपानी की आपूर्ति शुरू करायी गयी है। स्मृति ईरानी मोदी सरकार के शासन के 11 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में संवाददाताओं को संबोधित कर रहीं थीं।

मोदी सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन

प्रदेश भाजपा कार्यालय में मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों से सजी प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए स्मृति ईरानी ने केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि 11 साल के कार्यकाल में मोदी सरकार ने हर वर्ग के समावेशी विकास के लिए काम किया है।

नारी शक्ति को सशक्त करने पर जोर

नारी शक्ति के लिए मोदी सरकार के प्रयासों की तारीफ करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि भारत की विकास यात्रा में पिछले 11 वर्षों में नरेंद्र मोदी की सरकार ने नारी शक्ति को सबसे आगे रखा है। उन्होंने बताया कि 10 करोड़ महिलाओं को 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया गया है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू किया गया। आईआईटी में महिलाओं के नामांकन में 2016 में 8% से बढ़कर 2024 में 20% तक की वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में महिलाओं के प्रवेश की शुरुआत और सैनिक स्कूलों में लड़कियों के लिए द्वार खोलने जैसे कदम भी इस सरकार में उठाए गए। इसके अलावा, 14.72 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 35.38 करोड़ मुद्रा लोन महिलाओं को दिए गए। मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर : भारत की सैन्य ताकत का प्रदर्शन

मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए स्मृति ईरानी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने कई स्वदेशी रक्षा प्रणालियों का उपयोग किया, जिसने सैन्य प्रौद्योगिकी में देश की आत्मनिर्भरता को प्रदर्शित किया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत नियंत्रण रेखा के पार और पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में 9 आतंकी शिविरों को नष्ट किया गया। उन्होंने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की एयर स्ट्राइक और 2025 के ऑपरेशन सिंदूर को नए भारत के उदय का प्रतीक बताया। स्मृति ईरानी ने कहा कि 2014 से रक्षा निर्यात में 34 गुना वृद्धि हुई है, जो भारत को एक प्रमुख वैश्विक रक्षा निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करता है।

बिहार के हर प्रमंडल में खुलेगा मेगा स्किल सेंटर : श्रम मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार ने प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष और रोजगारोन्मुखी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि प्रत्येक प्रमंडलीय मुख्यालय में एक-एक मेगा स्किल सेंटर की स्थापना की जाएगी, जिसकी प्रशासनिक स्वीकृति आज मंत्रिपरिषद की बैठक में दी गई। योजना के प्रथम चरण में 9 प्रमंडलीय जिलों में 280.87 करोड़ रुपये की लागत से यह केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिनका संचालन सरकारी, निजी व औद्योगिक संस्थानों के सहयोग से किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि ये केंद्र युवाओं को आधुनिक और उद्योगोन्मुखी कौशल में प्रशिक्षण देकर उन्हें बेहतर भविष्य के लिए तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि 'सात निश्चय पार्ट-2' के तहत चलाई जा रही इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य युवाओं को न केवल प्रशिक्षित करना है बल्कि उन्हें रोजगार से जोड़ना भी है। इससे न सिर्फ राज्य में कुशल मानव संसाधन का विकास होगा बल्कि युवाओं का पलायन भी रुकेगा। विभागीय सचिव दीपक आनन्द ने बताया कि इन केंद्रों के माध्यम से युवाओं को बाजार की मांग के अनुरूप तकनीकी प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और नौकरी से जोड़ने की समग्र व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने इसे बिहार के कौशल विकास क्षेत्र में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य युवा पीढ़ी की आर्थिक स्थिति सुधारने के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन लाना है।

बिहार में सरकारी महिलाकर्मियों को कार्यस्थल के पास मिलेगा आवास

पंचायती राज विभाग में 8093 पदों पर होगी नियुक्ति | सात डाक्टर बर्खास्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार अपने महिला सेवकों को पदस्थापन स्थल के निकट आवासन की सुविधा मुहैया कराने जा रही है। सरकारी महिलाकर्मियों को उनके कार्यस्थल के आसपास लीज पर निजी आवासों को लेकर सरकार उन्हें मुहैया कराएगी। राज्य सरकार इस तरह की व्यवस्था पहली बार करने जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग के स्तर से तैयार इसके मसौदे पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को राज्य मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें 22 एजेंडों पर मुहर लगी। इसमें लिए सभी मुद्दों के बारे में विस्तृत जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने सूचना भवन के संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि महिला सरकारी सेवकों को इसका लाभ मिलेगा, उन्हें आवास भत्ता की सुविधा का लाभ नहीं दिया जाएगा। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि इसका लाभ महिला शिक्षिकाओं, सिपाही के साथ अन्य महकमों में कार्यरत सभी सरकारी महिला कर्मियों को मिलेगा। शुरुआती स्तर पर यह सुविधा प्रमंडलीय और जिला मुख्यालय स्तर पर बहाल की जाएगी। भवन का चयन करने के लिए जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय एक कमिटी बनाई जाएगी। अनुमंडल पदाधिकारी इस कमिटी के सदस्य सचिव के अलावा जिला के एसपी, स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि एवं भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को सदस्य बनाया गया है। यह कमिटी किराए के लिए प्राप्त सभी आवेदनों या रूचि की अभिव्यक्ति का विश्लेषण करके समुचित जांच करेगी।

बिहार जन्म-मृत्यु नियमावली में संशोधन

बिहार जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 1999 के नियम-5 समेत अन्य धाराओं में संशोधन किया गया है। इसके बाद अब यह नियमावली बिहार जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) नियमावली, 2025 कही जाएगी। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विभिन्न डाटाबेस तैयार कर इसे अपडेट करने के साथ ही किसी व्यक्ति के जन्म की तारीख और स्थान को साबित करने, किसी शैक्षणिक संस्थान में दाखिला लेने, चालान लाइसेंस जारी करने, मतदाता सूची तैयार करने, पासपोर्ट जारी करने या किसी अन्य कार्य के लिए जन्म एवं मृत्यु के रजिस्ट्रीकरण कार्य का सरलीकरण, डिजिटाइजेशन कर कंप्यूटर के माध्यम से निर्धारित समयसीमा में जारी किया जाएगा।

हर पंचायत में तैनात होंगे एक निम्नवर्गीय लिपिक

राज्य की सभी पंचायतों में 8 हजार 93 निम्नवर्गीय लिपिकों की बहाली की जाएगी। पंचायत सरकार भवन या अन्य पंचायत स्तरीय कार्यालय में इन्हें पदस्थापित किया जाएगा। इनकी जिम्मेदारी पंचायत स्तरीय योजनाओं के क्रियान्वयन और इनका समुचित लेखन करने की होगी। इसके लिए लिपिकीय संवर्ग (भर्ती एवं सेवाशर्त) नियमावली, 2018 का गठन किया गया है। इसके अलावा कृषि विभाग के नवसृजित कृषि विपणन निदेशालय के लिए 14 पदों का सृजन किया गया है। इस निदेशालय की मदद से किसानों के उत्पाद में वैल्यू एडिशन या मूल्य संवर्द्धन करवाना समेत अन्य कार्य हैं। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अंतर्गत विभिन्न श्रेणी के चार पदों की स्वीकृति दी गई है। इसमें वरीय विमान चालक के दो, कन्सलटेंट एवं सिविल इंजीनियर के एक-एक पद शामिल हैं।

राहुल गांधी चाईबासा कोर्ट में सशरीर होंगे हाजिर

■ **अदालत ने जारी किया था गैर जमानती वारंट**

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 6 अगस्त को चाईबासा के एमपीएमएलए कोर्ट में सशरीर हाजिर होंगे। यह जानकारी उनके अधिवक्ता दीपांकर ने दी है। उन्होंने बताया कि चाईबासा की अदालत से उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुआ है। उन्हें 26 जून को सशरीर पेश होने को कहा गया था। इससे छूट के लिए झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। मंगलवार को सुनवाई के दौरान राहुल गांधी के अधिवक्ता की ओर से बताया गया कि 26 जून के बजाए 6 अगस्त को पेश होने की छूट दी जाए। इस पर हाईकोर्ट के जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने सहमति जताते हुए 6 अगस्त तक के लिए गैर जमानती वारंट को स्थगित करने का आदेश दे दिया है। बता दें कि 26 जून को चाईबासा कोर्ट में सशरीर उपस्थित होने से छूट के लिए 29 मई को याचिका दायर की गई थी, जिसपर मंगलवार को सुनवाई हुई। दरअसल, यह मामला राहुल गांधी द्वारा 28 मार्च 2018 को कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा के खिलाफ भाषण से जुड़ा है। इस पर भाजपा नेता प्रताप कुमार ने राहुल गांधी के खिलाफ चाईबासा कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दर्ज किया था। 20 फरवरी 2020 को झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर उस वाद को रांची में एमपी- एमएलए की विशेष कोर्ट में भेज दिया गया था। बाद में हाईकोर्ट ने इस मामले को चाईबासा की स्पेशल कोर्ट में भेज दिया। समन मिलने के बावजूद राहुल गांधी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। फिर दोबारा कोर्ट के स्तर से जमानतीय वारंट भेजा गया। इसके बावजूद राहुल गांधी उपस्थित नहीं हुए थे। इसी आधार पर कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। इसको हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी थी जो डिस्पोज हो गया। फिर राहुल गांधी की ओर से सीआरपीसी 205 की याचिका दायर कर व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट का आग्रह किया गया था। इसको निचली अदालत ने खारिज कर दिया था। इससे पहले मोदी सरनेम विवाद पर रांची कोर्ट में याचिका दायर हुई थी। इस मामले में राहुल गांधी को हाईकोर्ट से व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मिली हुई है। जबकि भाजपा और अमित शाह के खिलाफ बयान से जुड़े चाईबासा कोर्ट के दूसरे मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्टे मिला हुआ है।

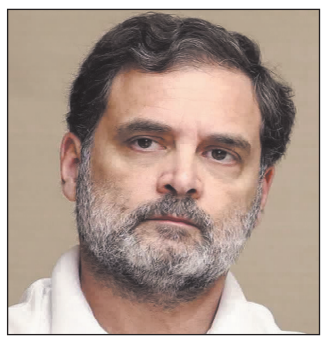

नक्सली संगठन के सक्रिय सदस्यों का तैयार करें प्रोफाइल, अपराध पर लगाए अंकुश : एसपी

क्राइम मीटिंग में एसपी ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। एसपी अजय कुमार ने मंगलवार को क्राइम मीटिंग में नक्सली संगठनों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कई नक्सली संगठन के सक्रिय सदस्य अभी भी जंगलों में मौजूद हैं। उनका पूरा प्रोफाइल तैयार होना चाहिए। अपराध पर अंकुश लगाने के लिए किसी भी तरह की कार्रवाई के लिए रामगढ़ पुलिस तैयार है। इसके अलावा कोर्ट से संबंधित मामलों, लंबित काण्डों, अति संवेदनशील काण्डों जैसे हत्या, पोक्सो, आगजनी, नक्सल, अपराधिक, महिला उत्पीड़न, साइबर धोखाधड़ी, लूट, डकैती, गृहभेदन एवं चोरी की समीक्षा की गई। एसपी ने टीएसपीसी, पीएलएफआई के सक्रिय सदस्यों का प्रोफाईल तैयार करने, संवेदनशील काण्डों में जेल से बाहर निकले अभियुक्तों का सत्यापन कर निगरानी रखने को कहा। क्राइम मीटिंग के दौरान सड़क सुरक्षा पर भी एसपी ने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट पहने लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाएं। उन्हें यह बताएं कि जिंदगी बेहद अनमोल है। इसके अलावा व्यापारियों को भी अपने प्रतिष्ठानों और घरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रेरित करें। हर व्यक्ति अगर अपने घर के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरा लगवाएगा तो अपराधियों को गिरफ्तार करने में आसानी होगी। इससे आम नागरिकों की भी सुरक्षा होगी। बैठक में डीएसपी हेडक्वार्टर चंदन वत्स, पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी के अलावा सभी थानों के प्रभारी मौजूद थे।

टीएसपीसी नक्सली अर्जुन गंझू गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) नक्सलियों के खिलाफ चतरा पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने टीएसपीसी के खूंखार नक्सली आक्रमण गंझू के सहयोगी अर्जुन गंझू को उसके घर से गिरफ्तार किया है। इस ऑपरेशन में भारी मात्रा में अवैध हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि लावालौंग थाना क्षेत्र के टिकरा गांव में टीएसपीसी का नक्सली अर्जुन गंझू अपने घर पर भारी मात्रा में अवैध हथियार और गोला-बारूद छिपाए हुए है। इस सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक ने सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया। इस दल ने त्वरित और सुनियोजित कार्रवाई करते हुए अर्जुन गंझू के घर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान अर्जुन गंझू की तलाश में पुलिस ने एक लोडेड देसी कट्टा बरामद किया। इसके बाद अर्जुन को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान उसने टिकरा गांव के नजदीकी जंगल में हथियार और गोला-बारूद छिपाने की बात स्वीकारी। अर्जुन की निशानदेही पर पुलिस ने जंगल में सघन तलाशी अभियान चलाया, जहां जमीन के अंदर छिपाए गए हथियारों का जखीरा बरामद हुआ। इस जखीरे में 477 राउंड इंसास राइफल की जिंदा गोलियां और 246 राउंड की 303 राइफल की गोलियां शामिल थीं, कुल मिलाकर 723 राउंड जिंदा गोलियां थीं। पुलिस ने सभी हथियार और गोला-बारूद को विधिवत रूप से जब्त कर लिया। अर्जुन गंझू को हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने उससे गहन पूछताछ की, जिसमें नक्सली संगठन की गतिविधियों, अन्य सहयोगियों और उनके ठिकानों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है। पूछताछ के बाद अर्जुन गंझू को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने इस ऑपरेशन की सफलता पर अपनी टीम की सराहना की और कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ उनकी लड़ाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी अपील की कि वे पुलिस के साथ सहयोग करें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत दें।

रिम्स में कोविड संक्रमित मरीज की मौत

■ **मरीज को पहले से थी अन्य कई बीमारियां**

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल, राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में एक कोविड संक्रमित मरीज की मौत हो गई है। यह 2025 में झारखंड में कोविड से संबंधित पहली मौत है। मृतक बोकारो का निवासी था और उसकी उम्र लगभग 45 वर्ष थी। उसका इलाज रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा था। रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक डॉ हिरेंद्र बिरुआ ने बताया, 'मरीज कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित था।' वहीं, ट्रॉमा सेंटर के प्रमुख डॉ प्रदीप भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया कि कोविड को मरीज की मौत का मुख्य कारण मानना उचित नहीं है। उन्होंने बताया, 'मरीज का इलाज सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ साइकेट्री (सीआईपी), रांची में चल रहा था। कुछ दिन पहले उसे वेंटिलेटर सपोर्ट के साथ रिम्स लाया गया था। जांच में पता चला कि खाने के दौरान उनके फेफड़ों में भोजन चला गया था, जिससे शरीर में विषाक्तता (सेप्सिस) फैल गई थी। उनका हृदय काम नहीं कर रहा था। इस बीच उनकी कोविड जांच हुई, जो पॉजिटिव आई। इसे 'इंसिडेंटल फाइंडिंग' कहा जाता है। इसलिए उनकी मौत कोविड के कारण हुई कहना ठीक नहीं होगा, क्योंकि ऑक्सीजन की कमी से उनकी मृत्यु नहीं हुई।

रिम्स में एक और कोविड मरीज भर्ती

डॉ. प्रदीप भट्टाचार्य ने बताया, 'रिम्स में एक अन्य कोविड संक्रमित मरीज भर्ती है, जो हृदय, किडनी और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित है। उसे आईसीयू में रखा गया है और उसकी कोविड रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।' उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले एक अन्य कोविड संक्रमित मरीज ठीक होकर घर जा चुका है। रांची में अब तक सात मरीज कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। जिला प्रशासन ने बताया कि कोविड जैसे लक्षण (बुखार, सांस लेने में तकलीफ, या लंबे समय तक खांसी) होने के बावजूद लोग जांच से बच रहे हैं। प्रशासन ने सलाह दी है कि लंबे समय तक बुखार, सांस लेने में परेशानी या खांसी ठीक न होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें और मास्क का उपयोग करें।

ट्रक-पिकअप की टक्कर में तीन लोगों की मौत

सीवान(नबिटा ब्यूरो)। गोरियाकोठी थाना क्षेत्र के अफराद मोड़ के पास ट्रक और पिकअप के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। घटना सोमवार रात की बताई जा रही है। ट्रक और पिकअप की टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में आंदर थाना क्षेत्र के आंदर बाजार निवासी भोला शाह, अली हुसैन और संजलपुर निवासी अरविंद कुमार गोंड के रूप में की गई है। सभी मृतक सिवान के ही रहने वाले थे। ये सभी पिकअप वैन से मुजफ्फरपुर से आम लादकर अपने गांव लौट रहे थे। रास्ते में अफराद मोड़ के पास अनियंत्रित ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

जनता दरबार में उपायुक्त ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए दिया त्वरित कार्रवाई का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जिले भर से आए नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। दरबार में करीब दो दर्जन फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याओं से जुड़े आवेदन उपायुक्त को सौंपे।

जनता दरबार में भूमि विवाद, अवैध कब्जा, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, पारिवारिक पेंशन, बैट्री साइकिल की मांग, जन वितरण प्रणाली में दुकान आवंटन, दिव्यांगों की नियुक्ति, मारपीट और गाली-गलौज जैसी कई जमीनी समस्याएं सामने आईं।

प्रमुख आवेदनों में शामिल हैं:

चौपारण की गीता देवी ने बैट्री साइकिल की मांग की।

कंडाबेर (केरेडारी) की अंजुमति ने गृह निर्माण में बाधा पहुंचाने की शिकायत की।

चौपारण के अनिल पांडेय ने आउटसोर्सिंग से चयन को लेकर आवेदन दिया।

बरही की अंबिया देवी ने खरीदी गई जमीन पर जबरन दावे की बात कही।

इचाक के ईश्वर लाल ने दिव्यांगों को चौकीदार पद पर नियुक्त करने की मांग की।

विष्णुगढ़ की साक्षी कुमारी ने राशन कार्ड में नाम जुड़वाने की अपील की।

ओरिया चुरचू की आतिया देवी ने पारिवारिक पेंशन का लाभ दिलाने का अनुरोध किया।

कुम्हार टोली के राजेश रजक ने पुश्तैनी जमीन से बेदखली की शिकायत की।

बरकट्ठा के तुकलाल महतो ने प्लॉट के बीच लगे बिजली पोल को हटाने की मांग की।

बनासो विष्णुगढ़ के शंभू ठाकुर ने अनुकंपा के आधार पर पीडीएस दुकान आवंटन की बात रखी।

भलुआ थाना बाराचट्टी के रविकांत कुमार ने खरीदी गई जमीन पर कब्जा व मारपीट की शिकायत की।

उपायुक्त ने प्रत्येक फरियादी से व्यक्तिगत मुलाकात की और उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों की जांच शीघ्रता से कर न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

डॉ. समीर राज चौधरी गिरिडीह नगर निकायों के पर्यवेक्षक नियुक्त, कांग्रेस ने सौंपी अहम जिम्मेदारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। कांग्रेस पार्टी ने गिरिडीह नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पंचायत चुनावों के मद्देनजर डॉ. समीर राज चौधरी को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इस बात की जानकारी डॉ. चौधरी ने मंगलवार को अपने संगीता पुरी, अलकापुरी स्थित निजी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो महत्वपूर्ण दायित्व उन्हें सौंपा है, उसका वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उनकी पहली प्राथमिकता होगी कि प्रत्येक वार्ड में एक मजबूत और सक्रिय वार्ड कमेटी का गठन हो, जिसमें वार्ड अध्यक्ष एवं सदस्यों का चयन कर उन्हें जिम्मेदारी दी जाए।

डॉ. चौधरी ने भरोसा जताया कि आगामी नगर निगम चुनाव में कांग्रेस पार्टी मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी और विजय हासिल करेगी। गठबंधन के तहत चुनाव होने की स्थिति में भारी अंतर से जीत निश्चित मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव दलगत आधार पर न भी हो, तब भी गिरिडीह की जागरूक जनता इस बार एक योग्य और मजबूत उम्मीदवार को अपना समर्थन देगी। संगठनात्मक स्थिति पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी संघात्मक रूप से बेहद मजबूत है और पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व के निर्देशन में संगठन को और अधिक सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने गिरिडीह की जनता से अपील की कि जो भी लोग कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े हैं, वे संगठन से जुड़ें और अपने वार्ड की बेहतरी के लिए कार्य करें। डॉ. चौधरी ने कहा कि जो लोग संगठन में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं, उन्हें वार्ड कमेटी में जगह दी जाएगी, ताकि वे अपने वार्ड के लोगों की समस्याओं का समाधान कर सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि जनसेवा और जनसमस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना है।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन, 46 यूनिट रक्त संग्रहित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। नवजीवन नर्सिंग होम परिसर में रविवार को नवजीवन नर्सिंग होम और रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह कपल के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 46 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जो वर्तमान में गिरिडीह ब्लड बैंक में चल रही रक्त की कमी को देखते हुए एक सराहनीय पहल मानी जा रही है। रक्तदान करने वालों में डॉ. नीरज सिन्हा, डॉ. हेमंत कारपेंटर, सतविंद्र सिंह सलूजा, अभिषेक बगेड़िया, स्वाति बगेड़िया, अनित खंडेलवाल, राखी कोहली, गीत सलूजा, सिद्धार्थ गौरिसरिया, सिद्धार्थ जैन सहित नवजीवन व अतिबीर समूह के कई कर्मी शामिल रहे। खास बात यह रही कि समरथ नामक युवक ने पहली बार रक्तदान किया। नवजीवन की निदेशक स्वाति बगेड़िया ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह परंपरा संस्थापक स्व. डॉ. दीपक बगेड़िया की प्रेरणा से आरंभ हुई थी, जिसे आज भी ससम्मान निभाया जा रहा है। हर वर्ष इस प्रकार का स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाता है, जिससे जरूरतमंदों को समय पर रक्त मिल सके। रेड क्रॉस सोसायटी के चेयरमैन सह ब्लड बैंक सचिव अरविंद कुमार ने आयोजन के लिए नवजीवन और रोटरी कपल टीम की सराहना करते हुए कहा कि गिरिडीह का एकमात्र रक्त केंद्र इस समय रक्त संकट से जूझ रहा है। ऐसे में इस शिविर से संग्रहित रक्त थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों समेत कई जरूरतमंदों की जान बचाने में सहायक होगा। शिविर को सफल बनाने में जोरावर सलूजा, उज्ज्वल सिद्धार्थ, डॉ. शोहेल अख्तर, चरणजीत सिंह सलूजा (रेड क्रॉस उपाध्यक्ष), डॉ. निकिता गुप्ता (सह सचिव), कार्यकारिणी सदस्य मदनलाल विश्वकर्मा, रक्त केंद्र के संत कुमार, रंजीत कुमार, आनंद कुमार, सुधीर कुमार और नवजीवन के राजेश कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई।

माले ने शहादत दिवस पर क्रांतिकारी बिरसा मुंडा को किया याद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। धरती आबा बिरसा मुंडा की मूर्ति, चौक को नगर निगम सालों भर बेहतर तरीके से रख रखाव करे,फिर खाना पूर्ति नहीं करें - राजेश सिन्हा व कन्हाई पांडेय 9 जून को सिरसिया के बिरसा चौक में आदिवासी वीर स्वतंत्रता सेनानी महान क्रांतिकारी बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को उनके बलिदान, संघर्ष और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए किए गए योगदान से परिचित कराना था,अंग्रेजों के बड़ी सेना में अपने क्रांतिकारी कार्यों से डर पैदा कर दिया था,आज के युवा को इनकी जीवनी पढ़ने की जरूरत है।

सदर विधायक का बड़ा निर्णय : तीन दिनों में हटेगा संजीवनी सेवा कुटीर

विधायक प्रदीप प्रसाद ने उपायुक्त को लिखा पत्र, कहा - जनहित सर्वोपरि, राजनीति नहीं सेवा चाहिए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित संजीवनी सेवा कुटीर को तीन दिनों के भीतर स्वयं हटाने का निर्णय सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने लिया है। मंगलवार को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह को पत्र लिखते हुए विधायक ने कहा कि प्रशासनिक और सरकार स्तर पर बने दबाव को देखते हुए यह निर्णय जनहित में लिया गया है। विधायक ने पत्र में कहा कि यह सेवा कुटीर 4 जनवरी 2025 को मरीजों की मदद के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। यह कोई राजनीतिक या निजी संस्था नहीं थी, बल्कि एक पूर्णतः मानवीय पहल थी, जहां मरीजों और उनके परिजनों को भोजन, पानी, प्राथमिक उपचार, दवाएं और मार्गदर्शन जैसी निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती थीं। यहां 24 घंटे समर्पित कर्मचारी सेवा में जुटे रहते थे। विधायक ने इस निर्णय को 'व्यथित मन' से लिया गया बताते हुए कहा कि 10 मई को सदर अंचलाधिकारी द्वारा जारी अतिक्रमण नोटिस न केवल सेवा कुटीर की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, बल्कि उन सैकड़ों जरूरतमंदों की भावनाओं को भी आहत करता है, जो इस केंद्र पर आश्रित थे।

प्रदीप प्रसाद ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी भी इस सेवा का राजनीतिक लाभ नहीं लिया, न ही किसी स्वार्थ के लिए इसका उपयोग किया। उन्होंने इस केंद्र की स्थापना हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल सहित चतरा, बरही, बड़कागांव, बरकट्ठा, मांडू, सिमरिया और बगोदर के कई जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों की उपस्थिति में की थी। पत्र के माध्यम से विधायक ने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि अस्पताल परिसर में स्थायी रूप से एक हेल्प डेस्क की स्थापना की जाए, जहां मरीजों को मुफ्त सहायता, मार्गदर्शन, स्ट्रेचर सुविधा, पेयजल और औषधि जानकारी जैसी मूलभूत सेवाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि सेवा भावना को अतिक्रमण का रूप देना दुर्भाग्यपूर्ण है और प्रशासन को जनभावना का सम्मान करते हुए स्थायी समाधान की दिशा में पहल करनी चाहिए। अंत में विधायक ने यह भी कहा कि यदि प्रशासन चाहे तो वह स्वयं इस सेवा कुटीर को हटा सकता है, उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने इसे हटाए जाने को एक गहरे सामाजिक शून्य की शुरुआत बताया।

गिरिडीह में विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति की बैठक संपन्न, विकास योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। परिसदन भवन, गिरिडीह के सभागार में मंगलवार को विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता धनबाद के विधायक एवं समिति के सभापति श्री राज सिन्हा ने की। उनके साथ बाघमारा के विधायक श्री शत्रुघ्न महतो भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान पिछले तीन वित्तीय वर्षों में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास योजनाओं की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा की गई। पेयजल आपूर्ति, शहरी जल योजनाएं, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, खनन, खाद्य एवं आपूर्ति, वन, श्रम, ग्रामीण कार्य, कल्याण, पथ निर्माण, भूमि सुधार, पशुपालन सहित अन्य विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। समिति ने विभागीय पदाधिकारियों से विभागवार प्रगति रिपोर्ट के आधार पर जानकारी ली और आवश्यक सुझाव एवं निर्देश दिए। बैठक में स्पष्ट रूप से कहा गया कि योजनाओं की गति में तेजी लाई जाए और जिन योजनाओं में कोई अड़चन या बाधा हो, उन्हें शीघ्र दूर कर समय पर पूर्ण किया जाए। सभापति राज सिन्हा ने कहा कि जनहित की योजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और अधिकारी समय-समय पर योजनाओं की स्थिति की निगरानी करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी योजनाओं की कार्यान्वयन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी, सिविल सर्जन, जिला कल्याण पदाधिकारी, समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सलूजा गोल्ड स्कूल सीबीएसई सुब्रतो कप के दूसरे दिन का मैच भी रहा काफी रोमांचक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। सलूजा गोल्ड स्कूल सीबीएसई सुब्रतो कप के दूसरे दिन का मैच भी काफी रोमांचक रहा। दूसरे दिन के होनेवाले पहले अंडर 17 मैच में सनबीम सन सिटी वाराणसी और नोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल गाज़ीपुर मैदान पर उत्तरी। नोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का आत्मविश्वास और उत्साह देखने लायक था। उसने शुरू से ही अपने प्रदर्शन पर फोकस बनाए रखा। दोनों ही टीमों ने शुरुआत अच्छी कि पर नोबेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल उसने शुरुआत से विपक्षी टीम पर दबाव बनाना शुरू किया और विपक्षी टीम को गोल लेने से रोकने के लिए अपनी रक्षा प्रणाली को मजबूत रखा। मैच के दौरान मौका मिलते ही नोबेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने बढ़त ले ली और 5 -1 के अंतराल से सनबीम सन सिटी को हरा दिया। दूसरा मैच अंडर 17 आयु वर्ग के लिए डी पी एस वाराणसी और विष्णु भगवन पब्लिक स्कूल प्रयागराज के बीच खेला गया। दोनों ही टीमों में जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। 60 मिनट के मैच मैच में इंटरवल तक किसी भी टीम को गोल करने में सफलता नहीं मिली। अंतिम बचे हुए 10 मिनट में दोनों ही टीमों ने एक दूसरे को शिकश्त देते हुए 1 -1 दाग कर मैच को ड्रा कर दिया।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल अभियंता/4/हावड़ा, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **सीनि. डीईएन/4/हावड़ा। (1) ई-निविदा सं.: 77 _2025-26-जोन, दिनांक 06.06.2025; कार्य का विवरण:** एईएन/रामपुरहाट के अधीन **जोन सं. 23 (जनरल जोन)**, समापन अवधि 30.06.2026; क्षेत्राधिकार: एईएन/रामपुरहाट के क्षेत्राधिकार के अधीन किमी. 135/0 से 172/2 तक-बांसलोई पुल से गुमानी तक (बोनीडांगा लिंक केबिन छोड़कर) साथ में राजग्राम तथा पाकुड़ क्वैरी। कार्य में साधारण कार्य, सैनिटरी कार्य, लकड़ी का कार्य, कलर वाश/ह्वाइट वाश, पाकुड़ फ्रेट डिपो इत्यादि शामिल है, रु. 6,00,000.00 । **अनुमानित लागत:** रु. 95,00,000/-। **बयाना राशि:** रु. 1,90,000/-। **(2) ई-निविदा सं.: 78 _2025-26-जोन, दिनांक 06.06.2025; कार्य का विवरण:** बोलपुर शांतिनिकेतन के अधीन **जोन सं. 24 (पुल जोन),** समापन अवधि 30.06.2026। सीनि. डीईएन/4/हावड़ा के क्षेत्राधिकार के अधीन साहिबगंज लूप में किमी. 1/0 से किमी. 88/0 तक तथा बोलपुर शांतिनिकेतन अनुभाग के सभी पुलों, विभिन्न पुलों की मरम्मत तथा रखरखाव कार्य। **अनुमानित लागत:** रु. 51,00,000/-। **बयाना राशि:** रु. 1,02,000/-। **(3) ई-निविदा सं.: 79 _2025-26-जोन, दिनांक 06.06.2025; कार्य का विवरण:** एईएन/बोलपुर के अधीन **जोन सं. 25 (साधारण जोन)**, समापन अवधि 30.06.2026; क्षेत्राधिकार: किमी. 1/0 (खाना छोड़कर) से 88/0 तक। कार्य में एईएन/बोलपुर के अधीन साधारण कार्य, सैनिटरी कार्य, लकड़ी का कार्य, कलर वाश/ह्वाइट वाश इत्यादि शामिल है। **अनुमानित लागत:** रु. 1,10,00,000/-। **बयाना राशि:** रु. 2,05,000/-। **(4) ई-निविदा सं.: 80_2025-26-जोन, दिनांक 06.06.2025; कार्य का विवरण:** एईएन/रामपुरहाट के अधीन **जोन सं. 26 (साधारण जोन),** समापन अवधि 30.06.2026; क्षेत्राधिकार: रामपुरहाट (यार्ड सहित) से दुमका तक। कार्य में एईएन/रामपुरहाट के अधीन साधारण कार्य, सैनिटरी कार्य, लकड़ी का कार्य, कलर वाश/ह्वाइट वाश इत्यादि शामिल है। **अनुमानित लागत:** रु. 75,00,000/-। **बयाना राशि:** रु. 1,50,000/-। **(5) ई-निविदा सं.: 81 _2025-26-जोन, दिनांक 06.06.2025; कार्य का विवरण:** एईएन/रामपुरहाट के अधीन **जोन सं. 27 (साधारण जोन)**, समापन अवधि 30.06.2026। क्षेत्राधिकार: किमी 88/0 से किमी. 135/0 तक साथ में रामपुरहाट से बांसलोई पुल तक सभी स्टेशन, कॉलोनी तथा सभी सेवा भवनें, विभिन्न अवसंरचनाएं। कार्य में एईएन/रामपुरहाट के क्षेत्राधिकार के अधीन साधारण कार्य, सैनिटरी कार्य, लकड़ी का कार्य, कलर वाश/ह्वाइट वाश इत्यादि। **अनुमानित लागत:** रु. 1,05,00,000/-। **बयाना राशि:** रु. 2,02,500/-। **(6) ई-निविदा सं.: 82 _2025-26-जोन, दिनांक 06.06.2025; कार्य का विवरण:** डीईएन/4/हावड़ा के क्षेत्राधिकार के अधीन एईएन/रामपुरहाट के अधीन **जोन सं. 36 (सड़क जोन-** एलसी गेट तथा स्टेशन पहुंच सड़क इत्यादि**)**। [विवरण: अद्यतन संशोधन स्लिप इत्यादि के साथ सभी खांडों में अभियांत्रिकी विभाग के सीपीडब्ल्यूडी-डीएसआर-2021 मदों की दरों से ऊपर/नीचे/बराबर का समग्र प्रतिशत। [मूल्य रु. 6500000.00]। टिप्पणी: 1. निविदादाता को निविदा के लिए सिर्फ एक दर कोट करना होगा। विज्ञापित मूल्य विभागीय आंकलित मूल्य है। 2. विभागीय आंकलित मूल्य/विज्ञापित मूल्य को सीपीडब्ल्यूडी-डीएसआर-2021 मदों की मूल लागत के बराबर मानते हुए निर्धारित किया गया है। यह दर्शाता है कि इस निविदा के लिए आंकलित लागत को निर्धारित करने में मूल लागत में वृद्धि नहीं करने पर विचार किया गया है। 3. इस जोनल निविदा की आंकलित लागत/विज्ञापित लागत तैयार करने के लिए (i) मिट्टी का कार्य - खंड सं. 2 में 4% (ii) मोर्टार - खंड सं. 3 में 2%, (iii) कंक्रीट कार्य-खंड सं. 4 में 4%, (iv) मैसोनरी कार्य-खंड सं. 6 में 4%, (v) इस्पात कार्य-खंड सं. 10 में 5%, (vi) तोड़ना एवं ढाहना-खंड सं. 15 में 1%, (vii) सड़क कार्य- 80% मात्र का योगदान है, 4. आवश्यक समझे जाने पर सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर निष्पादन के दौरान, ऊपर उल्लेखित प्रतिशत से संबंधित अनुसूची में परिवर्तन किया जा सकता है। यदि आवश्यक हो तो इस संदर्भ में वित्तीय जांच भी की जा सकती है। 5. उपरोक्त निर्देश केवल निविदादाताओं के मार्गदर्शन के लिए हैं। निविदादाताओं को दरें कोट करते समय उपरोक्त पहलुओं पर विचार करना चाहिए। 6. निविदादाताओं को दरें कोट करते समय, आंकलित/विज्ञापित मूल्य के सापेक्ष में प्रतिशत ऊपर/नीचे/बराबर दरें कोट करनी चाहिए, जैसा कि संबंधित अनुसूचियों के विरुद्ध दर्शाया गया है तथा लागू होने वाले जीएसटी और अन्य करों के प्रभाव और वृद्धि पर विचार करना चाहिए। **अनुमानित लागत:** रु. 65,00,000/-। **बयाना राशि:** रु. 130,000/-। **(7) ई-निविदा सं.: 83_2025-26-जोन, दिनांक 06.06.2025; कार्य का विवरण:** डीईएन/4/हावड़ा के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत एईएन/बोलपुर शांतिनिकेतन के अधीन **जोन सं. 37 (सड़क जोन-** एलसी गेट तथा स्टेशन पहुंच सड़क इत्यादि**)**। [विवरण: अद्यतन संशोधन स्लिप इत्यादि के साथ सभी खांडों में अभियांत्रिकी विभाग के सीपीडब्ल्यूडी-डीएसआर-2021 मदों की दरों से ऊपर/नीचे/बराबर का समग्र प्रतिशत। [मूल्य रु. 6500000.00]। टिप्पणी: 1. निविदादाता को निविदा के लिए सिर्फ एक दर कोट करना होगा। विज्ञापित मूल्य विभागीय आंकलित मूल्य है। 2. विभागीय आंकलित मूल्य/विज्ञापित मूल्य को सीपीडब्ल्यूडी-डीएसआर-2021 मदों की मूल लागत के बराबर मानते हुए निर्धारित किया गया है। यह दर्शाता है कि इस निविदा के लिए आंकलित लागत को निर्धारित करने में मूल लागत में वृद्धि नहीं करने पर विचार किया गया है। 3. इस जोनल निविदा की आंकलित लागत/विज्ञापित लागत तैयार करने के लिए (i) मिट्टी का कार्य - खंड सं. 2 में 4% (ii) मोर्टार - खंड सं. 3 में 2%, (iii) कंक्रीट कार्य-खंड सं. 4 में 4%, (iv) मैसोनरी कार्य-खंड सं. 6 में 4%, (v) इस्पात कार्य-खंड सं. 10 में 5%, (vi) तोड़ना एवं ढाहना-खंड सं. 15 में 1%, (vii) सड़क कार्य- 80% मात्र का योगदान है, 4. आवश्यक समझे जाने पर सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर निष्पादन के दौरान, ऊपर उल्लेखित प्रतिशत से संबंधित अनुसूची में परिवर्तन किया जा सकता है। यदि आवश्यक हो तो इस संदर्भ में वित्तीय जांच भी की जा सकती है। 5. उपरोक्त निर्देश केवल निविदादाताओं के मार्गदर्शन के लिए हैं। निविदादाताओं को दरें कोट करते समय उपरोक्त पहलुओं पर विचार करना चाहिए। 6. निविदादाताओं को दरें कोट करते समय, आंकलित/विज्ञापित मूल्य के सापेक्ष में प्रतिशत ऊपर/नीचे/बराबर दरें कोट करनी चाहिए, जैसा कि संबंधित अनुसूचियों के विरुद्ध दर्शाया गया है तथा लागू होने वाले जीएसटी और अन्य करों के प्रभाव और वृद्धि पर विचार करना चाहिए। **अनुमानित लागत:** रु. 65,00,000/-। **बयाना राशि:** रु. 130,000/-। **(8) ई-निविदा सं.: 84 _2025-26-जोन, दिनांक 06.06.2025; कार्य का विवरण:** एईएन/रामपुरहाट के अधीन **जोन सं. 48 (पुल जोन),** समापन अवधि 30.06.2026; क्षेत्राधिकार: साहिबगंज लूप में किमी. 88/0 से किमी. 172/2 तक तथा रामपुरहाट-दुमका अनुभाग के सभी पुलों, सीनि. डीईएन/4/हावड़ा के क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न पुलों की मरम्मत तथा रखरखाव कार्य। **अनुमानित लागत:** रु. 60,00,000/-। **बयाना राशि:** रु. 1,20,000/-। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** प्रत्येक के लिए शून्य। **समापन अवधि:** प्रत्येक के लिए 12 महीने। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** दिनांक 27.06.2025 को अपराह्न 2.00 बजे तक। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (HWH-133/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में अखंड कीर्तन, भक्ति में झूमे श्रद्धालु

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। शहर के नेहरू रोड में श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर का जिर्णोद्धार किया गया है । मंदिर प्रांगण में आखिरी बड़े मंगलवार को 24 घंटे का अखंड कीर्तन आयोजित किया गया। श्री श्री शिव शंकर समिति के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के कई गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। इस मंदिर का निर्माण वर्ष 1992 में स्वर्गीय कौशलेंद्र कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह और उनके परिवार के द्वारा किया गया था। बाद में मंदिर जर्जर हुआ तो कृष्णापुरी के निवासियों द्वारा जन सहयोग से श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर का निर्माण किया गया। मंदिर का जीर्णोद्धार पूर्ण होने पर 24 घंटे अंखड कीर्तन में भक्त शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मंदिर निर्माण समिति के संरक्षक रामबाबू, विशाल सिंह, अध्यक्ष वरूण कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष अमित पाठक, आशीष गुप्ता, पिंकू चौधरी, विनोद अग्रवाल, मुरारी लाल पोद्दार, क्षसंदीप यादव, क्षपवन मिश्रा, हृदय शर्मा, अमित अग्रवाल, आलोक कुमार, सतीश तिविरी, दिनेश कुमार मौजूद थे।

किसान मित्रों को सम्मानजनक मानदेय की मांग को लेकर किसान जनता पार्टी का धरना-प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। किसान जनता पार्टी के नेतृत्व में रसोइया-सहिया-जल सहिया एवं किसान मित्र सहयोगी मंच ने मंगलवार को झंडा मैदान, गिरिडीह में धरना प्रदर्शन कर सरकार से सम्मानजनक मानदेय की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इन सभी कार्यकर्ताओं को न्यूनतम मजदूरी से भी कम मानदेय दिया जा रहा है, जो पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है। धरने को संबोधित करते हुए किसान जनता पार्टी के महासचिव भागीरथ राय ने कहा कि विद्यालयों में भोजन बनाने वाली रसोइया, स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत सहिया, जल योजनाओं की निगरानी करने वाली जल सहिया तथा किसानों को तकनीकी सहयोग देने वाले किसान मित्र वर्षों से कम वेतन में सेवा दे रहे हैं। सरकार इन्हें चौथाई मजदूरी में काम करवा रही है, जबकि यही काम अगर किसी दुकानदार या फैक्ट्री मालिक से करवाया जाए तो कानूनी कार्रवाई होती है। पार्टी के कार्यालय सचिव विजय कुमार ने कहा कि इन कार्यकर्ताओं ने सरकारी सेवा समझकर इन जिम्मेदारियों को निभाया, लेकिन अब तक इन्हें न तो सम्मानजनक मानदेय मिला, न ही किसी प्रकार की सरकारी सुविधा। संयोजक दासो मुर्मू ने चेतावनी दी कि अब किसान जनता पार्टी ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। उन्होंने घोषणा की कि आगामी 17 जून को झंडा मैदान, गिरिडीह में सभी सहयोगी मंचों की संयुक्त बैठक होगी, जिसमें हर मंच के लिए एक-एक क्रांतिकारी सोच वाले साहसी अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। इसके बाद उनके नेतृत्व में चरणबद्ध और धारदार आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक रसोइया, सहिया, जल सहिया और किसान मित्रों को न्याय नहीं मिल जाता।

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल विद्युत इंजीनियर (निर्माण)/खड़गपुर-721301, दक्षिण पूर्व रेलवे ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **क्रमांक संख्या:** 1; **ई-निविदा सूचना संख्या: ईएल-सीओएन -आद्रा-पीएलसी-25-2; कार्यों का संक्षिप्त विवरण:** आद्रा मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे में तलगड़िया-बोकारो-एन/केबिन दोहरीकरण (38 किमी) के कार्य के संबंध में चास और इस्पातनगर में दो लूप के साथ बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन-इस्पात नगर रेलवे स्टेशन खंड में 38/66kV संगत भूमिगत केबल की स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के साथ तीन (03) सं. 33kV ओवरहेड पावर लाइन क्रॉसिंग का संशोधन; **कार्य का मूल्य:** ₹ 1,12,58,913.40; **बोली सुरक्षा:** ₹ 2,06,300.00; **पूर्णता अवधि:** 6 महीने; **बंद होने की तिथि:** 04.07.2025. निम्नलिखित निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की गई है। निविदा नियत तिथि पर 12:00 बजे बंद हो जाएगी। इच्छुक निविदाकर्ता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** [ई-निविदा → कार्य (फोन नंबर से लॉग इन करें) और ऊपर उल्लिखित निविदा संख्या से खोजें] पर निविदाओं के पूर्ण विवरण/जानकारी/विनिर्देश के लिए जा सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में इन मदों के लिए मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। **नोट:** संभावित बोलीकर्ता अन्य सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए नियमित रूप से **www.ireps.gov.in** पर जा सकते हैं। **(PR-249)**

उप. सीएसटीई/कार्य/एचक्यू/गार्डन रीच, भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए, क्र. सं : 1 के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं; **निविदा संख्या: एसटटी_पी_एसईआर_2025_ टॉवर_ओएफसी_7, दिनांक 06.06.2025; कार्य का विवरण:** खड़गपुर - आद्रा, आसनसोल - आद्रा-चांडिल, पुरुलिया - कोटशिला - मुरी, कोटशिला - बोकारो स्टील सिटी और रांची - तोरी खंड में आद्रा, रांची, खड़गपुर और चक्रधरपुर मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे में ओएफसी बैकबोन कार्य सहित हून और एलडीएन मार्गों (1563 आरकेएम) पर कवच कार्य के लिए टावर की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग; **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹182,54,81,278.00; **बयाना राशि:** ₹ 92,77,400.00; **बंद होने की तिथि और समय:** 16.07.2025 को 16:30 बजे। उपरोक्त निविदा के लिए निविदा सूचना का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर पहले ही प्रकाशित किया जा चुका है। बोलीकर्ता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल बंद होने की तिथि और समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अनदेखा किया जाएगा। **(PR-245)**

जनता के साथ आंख मिचौली बंद करें डीवीसी और बिजली विभाग नहीं तो होगा आंदोलन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। गिरिडीह जिले में लगातार बिगड़ते बिजली आपूर्ति की स्थिति को लेकर भाकपा-माले ने मंगलवार को एक आपात बैठक कर डीवीसी और बिजली विभाग को कड़ी चेतावनी दी है। नया परिसदन भवन (सर्किट हाउस) में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता माले के गिरिडीह विधानसभा प्रभारी राजेश सिन्हा ने की। बैठक में जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने भाग लिया।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि जिले में बिजली संकट अब असहनीय हो चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति बद से बदतर हो गई है, जहां दिनभर में मुश्किल से कुछ घंटे ही बिजली मिल रही है। इससे छात्रों की पढ़ाई, किसानों की सिंचाई और छोटे व्यापारियों का व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। राजेश सिन्हा ने कहा कि बिजली जैसी बुनियादी सुविधा की इस तरह उपेक्षा जनता के साथ अन्याय है। सरकार और विभाग कागजों पर योजनाएं बनाते हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सात दिनों के भीतर बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ तो भाकपा-माले ज़िला स्तर पर बड़ा जन आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि सिर्फ अफसरों और पूंजीपतियों को बिजली देना और आम जनता को अंधेरे में रखना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि पंचायत स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाया जाएगा। बिजली विभाग को ज्ञापन सौंपकर त्वरित समाधान की मांग की जाएगी। यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो ज़िला मुख्यालय पर व्यापक धरना-प्रदर्शन किया जाएगा और सोशल मीडिया व जनसंपर्क के ज़रिए इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया जाएगा। बैठक में माले जिला कमिटी सदस्य कन्हाई पांडेय, निशांत भास्कर, मधुसूदन कोल, नौशाद आलम, चुन्नू, मजहर, नवाजिश अकरम, फरदीन आलम, राजकुमार राय, किशोर राय समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में कहा कि अब बिजली संकट के खिलाफ निर्णायक संघर्ष का समय आ गया है।

नेशनल कराटे चैंपियनशिप में भाग लेने 36 खिलाड़ी देहरादून रवाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। उत्तराखंड राज्य के देहरादून में आयोजित होने वाले नेशनल कराटे चैंपियनशिप में रामगढ़ के 36 खिलाड़ी भाग लेंगे। मंगलवार को शिहान शशि पांडे के नेतृत्व में सभी 36 खिलाड़ी रवाना हुए। शशि पांडे ने बताया कि 11 से 16 जून तक आयोजित होने वाले सब-जूनियर, जूनियर एवं कैडेट नेशनल कराटे चैंपियनशिप में ये खिलाड़ी झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिला कराटे संघ के अध्यक्ष रेंशी नरेंद्र सिन्हा ने सभी खिलाड़ियों को चैंपियनशिप के लिए शुभकामनाएं दीं। जिले के तीन राष्ट्रीय स्तर के रेफरी भी इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाएंगे। इनमें शिहान शशि पांडेय, सेंसई संजय सोनकर, सेंसई सुमित कुमार शामिल हैं।

सिर्फ दूरी नहीं, दिलों को भी पाटती है कटरा से श्रीनगर रेल यात्रा

जया वर्मा सिन्हा
पूर्व सीईओ और रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष

छह जून की सुनहरी सुबह, गेंदे के फूलों से सुसज्जित, चमचमाती वन्दे भारत एक्सप्रेस, श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर के लिए अपनी पहली यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई। यह ट्रेन जो अब हर सप्ताह छह दिन श्रीनगर और कटरा के बीच दो बार दौड़ती है, केवल एक आधुनिक परिवहन सेवा नहीं है– यह दशकों पुराने एक सपने का यथार्थ है। यह सपना था कश्मीर को भारत के शेष हिस्से से स्थायी रेल संपर्क के माध्यम से जोड़ने का एक संकल्प, जो इस्पात, तकनीक और दृढ़ इच्छाशक्ति से पूरा हुआ। आज यह ट्रेन पहाड़ों को चीरते हुए दौड़ती है और अपने साथ लाती है रोजगार, पर्यटन, कारोबार और उम्मीदों की एक नई सुबह। भारतीय रेल ने अपने 172 वर्षों के गौरवशाली इतिहास में देश सेवा के अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। पीढ़ी-दर-पीढ़ी रेल कर्मचारियों ने निष्ठा के साथ रेल के ताने बाने को भारत के ओर-छोर तक पहुंचाया है। एक लोकप्रिय विज्ञापन की पंक्तियों को कुछ बदलते हुए कहें तो–भारतीय रेल सिर्फ पटरियां नहीं बिछाती, यह राष्ट्रीय एकता की बुनियाद का ताना-बाना भी बुनती है!

संघर्ष से सम्पर्क तक : एक लंबी यात्रा

दशकों से कश्मीर की कहानी को एक जटिल और पेचीदे अध्याय के रूप में देखा जाता रहा है। भूगोल, इतिहास, राजनीति और पडोसी मुल्क की पनाह में पनपते आंतकवाद के साये ने इसे भारत के अन्य हिस्सों से कुछ पृथक ही रखा। कश्मीर की यात्रा भी एक चुनौती से कम नहीं रही- दुर्गम रास्ते, खतरनाक सड़कें, सीमित हवाई संपर्क और रेल, मात्र कल्पना! ब्रिटिश काल से ही कश्मीर को रेल से जोड़ने की परिकल्पना की जा रही थी, जो दशकों तक केवल कागजों में ही सिमटी रही। स्वतंत्रता के पश्चात, अनगिनत विचार-विमर्श, अध्ययन, तकनीकी परीक्षणों और देशी-विदेशी विशेषज्ञों के परामर्श के बाद, 1994 में, उधमपुर- श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक को आधिकारिक मंजूरी मिली। इस परियोजना को भू-राजनीतिक जटिलताओं ने बार-बार बाधित किया। फिर भी इस परियोजना के उत्तरी और दक्षिणी हिस्से तो पूरे हुए, लेकिन कटरा से बनिहाल तक का मध्य खंड एक बड़ी चुनौती बना रहा। यह खंड न केवल तकनीकी रूप से कठिन था, बल्कि इसमें सुरक्षा, पर्यावरण और भूगर्भीय बाधाएं भी थीं। वर्ष-दर- वर्ष परियोजना दो हिस्सों में बंटी रही– जैसे एक-दूसरे को छूने के लिए गहरी घाटियों के कगार पर बाहें फैलाये हुए खड़ी हों। अंततः इस परियोजना को सरकार ने 'राष्ट्रीय प्राथमिकता' घोषित कर अंतिम पड़ाव तक पहुंचाने का दृढ़ संकल्प लिया- तब जाकर पहाड़ों की चुप्पी टूटी और फौलाद की नसें सुरंगो से गजरने लगीं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सही ही कहा, यह केवल एक परिवहन परियोजना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का कार्य था।

इंजीनियरिंग का चमत्कार : जहां आसमान से ऊंचे हैं पुल

यूएसबीआरएल परियोजना, भारतीय रेलवे की अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और भव्य परियोजनाओं में से एक है। 272 किलोमीटर की इस रेललाइन में 40 सुरंगें और 900 से अधिक पुल शामिल हैं। इस परियोजना का प्रतीक चिन्ह है चिनाब रेलवे ब्रिज– दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल, जो समुद्रतल से 359 मीटर की ऊँचाई पर खड़ा है। यह पुल 260 किमी/घंटे तक की हवाएं और तीव्र भूकंप के स्पन्दन को भी सहन करने की क्षमता रखता है। साथ ही, यहां स्थित है अंजी खड्ड पुल – भारत का पहला 'केबल-स्टे' रेल पुल– जो 193 मीटर ऊँचे एक स्तम्भ से जुड़ी 96 केबलों के सहारे, घाटी से 331 मीटर की ऊंचाई पर टिका हुआ है। कश्मीर के संत्री कहे जाने वाली पीर पंजल पर्वतमाला के हृदय को भेदती, 11 किलोमीटर से लंबी, 'टी-80 सुरंग', बनिहाल को काजीगुंड से जोड़ती है। ऐसी अनेकों सुरंगों और पुलों से निर्मित यह रेलवे लाइन गाथा सुनाती है, न सिर्फ इंजीनियरिंग तकनीक की, बल्कि मानव संकल्प, साहस और दृढ निश्चय की- आसमान को फौलाद की चुनौती देती यह रेलवे लाइन जोड़ती है देश को कश्मीर से कन्याकुमारी तक!

वंदे भारत : उम्मीद की रेल

भारतीय रेल का सबसे नया सितारा, कटरा को श्रीनगर से जोड़ता वन्दे भारत एक्सप्रेस का सफर, मात्र एक यात्रा नहीं, एक वृतांत है। यह घाटियों और पर्वतों को लांघता, दूरियां घटाता, घोषणा करता है कि कश्मीर अब दूर नहीं! छह घंटो से अधिक समय लेता, दुर्गम घाटियों, पेचीदे मोड़ों और मौसम की मार सहता, सड़क का सफर, अब रेल के कांधे पर, मात्र आधे समय में, आरामदेह कुर्सियों पर, चाय की चुस्कियों के साथ गुज़रता है। ट्रेन के पहियों का संगीत, न केवल शहरों को जोड़ता है बल्कि संजोता है उम्मीदों को, जिन्दगियों को, तरक्की को। कश्मीर के दूरदराज गांवों के बच्चे अब जम्मू और दिल्ली के विश्वविद्यालयों की बातें करते हैं। स्थानीय कारीगर, सेब उत्पादक और कालीन बुनकर अब अपने उत्पादों को घाटी से बाहर के बाजारों में तेजी से और ताजगी के साथ पहुंचाने के सपने बुन रहे हैं। श्रीनगर के एक युवा दुकानदार ने कह- जहां पहले चेकपोस्ट और देर होती थी, अब वहां ट्रेन की आवाज सुनाई देती है। ऐसा लगता है जैसे अब हम बाकी देश का इंतजार नहीं कर रहे– हम उसी के साथ चल रहे हैं।

एक नई यात्रा : और भी हैं मुकाम कई

यह सच है कि एक ट्रेन या एक रेलवे लाइन, कश्मीर की सभी समस्याओं का हल नहीं है। न तो ये इतिहास मिटा सकती है, न ही जख्मों को तुरंत भर सकती है– सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का समाधान अभी भी जरूरी है। लेकिन सच्चाई यह भी है कि यह स्थाई संपर्क मार्ग, नए रास्ते, नए अवसर और नए दरवाजे खोल रहा है। जम्मू और कश्मीर के आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक उत्थान को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है और यही इस परियोजना की सबसे बड़ी उपलब्धि है। एक सपना, जो कभी अंग्रेजी अफसरों की ड्रॉइंग बोर्ड पर था– आज वह इस्पात की पटरियों पर हकीकत बनकर दौड़ रहा है। यह उस राष्ट्र की कहानी है, जो न तो भौगोलिक चुनौती से डरा, न आतंक से और न ही समय से। पर्वतों के सायों से निकलकर धूप में नहाए स्टेशनों तक, एक नई यात्रा शुरू हो चुकी है– जो सिर्फ दूरी नहीं, दिलों को भी पाटती है।

तोपचांची के 2 मजदूरों की छत्तीसगढ़ में ट्रेन से कटकर मौत, 2 घायल, 5 लापता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद/ रायपुर। धनबाद जिले के तोपचांची के 2 प्रवासी मजदूरों की सोमवार रात छत्तीसगढ़ में ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। 2 मजदूर बुरी तरह घायल हो गये। घटना छत्तीसगढ़ के बालोद जिला के दल्लीराजहरा दुर्ग रेल मार्ग पर कुसुमकसा रेलवे स्टेशन के समीप हुई। मृतकों में तोपचांची थाना क्षेत्र की नेरो पंचायत के लक्ष्मणपुर गांव निवासी कृष्णा राय व डीलू राय शामिल हैं। अजय राय व विकास हेम्ब्रम घायल हैं। उनका इलाज बालोद के अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद अन्य 5 मजदूर गायब हैं। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों ने बताया कि लक्ष्मणपुर से 10 तथा अन्य गांव के 2 युवक मजदूरी करने 10 मई को छत्तीसगढ़ गये थे।

परिजनों ने कंपनी मालिक, सुपरवाइजर व ठेकेदार पर लगाया हत्या का आरोप

मृतक कृष्णा राय और डीलू राय के परिजन एवं ग्रामीण मंगलवार को तोपचांची थाना पहुंचे। परिजनों ने कंपनी के मालिक, सुपरवाइजर व ठेकेदार के खिलाफ मारपीट कर हत्या करने तथा अन्य 5 मजदूरों को गायब करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को तोपचांची थाने में शिकायत की है। पुलिस को दिये आवेदन में कहा है कि लक्ष्मणपुर से 10 मई को कृष्णा राय, डीलू राय, अजय राय, विकास हेम्ब्रम, सूरज हेम्ब्रम, सामू हेम्ब्रम, सूरज राय, बाबूलाल राय, महेंद्र राय, संतोष मरांडी तथा बोकारो जिले के सुरही गांव के मदन सिंह के पुत्र कमल सिंह तथा महुदा निवासी मोहम्मद शाकिब को ठेकेदार हर्षित सिंह मजदूरी करवाने छत्तीसगढ़ की

तोपचांची थाने के बाहर बैठे मजदूरों के परिजन

डायनासोर नामक कंपनी ले गया था। ग्रामीणों के साथ पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव सिंह भी थाने पहुंचे थे। उन्होंने इस संबंध में सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और तोपचांची थानेदार डोमन रजक से मिलकर मामले की जानकारी दी और न्याय की गुहार लगायी। इधर, तोपचांची थानेदार डोमन रजक ने परिजनों को आश्वस्त किया कि घटना की जांच के बाद उचित कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस से संपर्क कर मामले की छानबीन कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों के सहयोग से ठेकेदार कर रहे थे मारपीट, भागते समय हुई घटना

एक मजदूर सूरज हेम्ब्रम ने छत्तीसगढ़ से अपने परिजनों को फोन पर आपबीती सुनायी। उसने परिजनों को बताया कि कंपनी के सीनियर स्टाफ आशुतोष कुमार कंपनी के आदेशानुसार 600 रुपए दैनिक मजदूरी के बदले 400 रुपए भुगतान कर रहा था। निर्धारित मजदूरी नहीं मिलने पर विरोध करने के कारण आशुतोष कुमार और ठेकेदार हर्षित सिंह रात में स्थानीय लोगों को बुलाकर सभी मजदूरों के साथ मारपीट करने लगे। इसके कारण सभी मजदूर जान बचाकर रेलवे ट्रैक की ओर भागने लगे। इसी दौरान ट्रेन की चपेट में आने से कृष्णा और डीलू की मौत हो गयी। उसने बताया कि अजय राय तथा विकास हेम्ब्रम बुरी तरह घायल हो गये। दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। अस्पताल में सूरज हेम्ब्रम, संतोष मरांडी, सामु हेम्ब्रम उनलोगों के साथ हैं। वहीं, बाबूलाल राय, सूरज राय, महेंद्र राय तथा बोकारो जिले के सुरही गांव के कमल सिंह तथा महुदा के मोहम्मद शाकिब घटना के बाद से लापता है।

डीलू राय की मां का बुरा हाल

मृतक डीलू राय की मां पुनकी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटे की मौत से वह तोपचांची थाना परिसर में बेसुध पड़ी थी। उसने कहा कि पति की मौत के बाद 3 बेटों का दिहाड़ी मजदूरी कर पालन-पोषण किया। सोमवार की शाम में वीडियो कॉल आया था। बेटे को डरा-सहमा देख वहां आने की बात कही, तो बेटे ने कहा कि बस से आ जाते हैं। अब जानकारी मिल रही है, उसका शव आ रहा है।

लक्ष्मणपुर के 3 मजदूर हैं लापता

लक्ष्मणपुर गांव के 3 प्रवासी अब भी लापता हैं। इसमें लखिया देवी का पुत्र महेंद्र राय, पेड़िया देवी का पुत्र बाबूलाल राय तथा सूरज राय शामिल हैं। तीनों घटना के बाद से लापता हैं। उनके परिजनों ने कई बार तीनों के मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन मोबाइल बंद मिल रहा है।

मनोज सिंह ऊर्जा तो पंकज पाल बने पीएचइडी के सचिव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य सरकार ने स्वास्थ्य, पीएचईडी और ऊर्ज़ा विभाग के सचिव पद पर तैनात तीन आईएएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी है। मनोज सिंह स्वास्थ्य और पंकज पाल पीएचइडी के सचिव बनाए गए हैं, जबकि पंकज कुमार को कृषि विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। इनके अतिरिक्त दो आइएएस अधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने की मंजूरी देते हुए उनको विरमित कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना के मुताबिक पीएचइडी के प्रधान सचिव पंकज कुमार को कृषि विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। वे अगले आदेश तक सामान्य प्रशासन विभाग के जांच आयुक्त, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के प्रधान सचिव और बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम के एमडी के अतिरिक्त प्रभार में बने रहेंगे। वहीं, ऊर्ज़ा सचिव पंकज कुमार पाल को सचिव पीएचइडी की जिम्मेदारी दी गयी है। स्वास्थ्य विभाग के सचिव मनोज कुमार सिंह को ऊर्ज़ा विभाग का सचिव बनाया गया है। श्री सिंह के पास बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी के सीएमडी और स्थानिक आयुक्त कार्यालय, बिहार भवन, नयी दिल्ली के ओएसडी का अतिरिक्त प्रभार रहेगा। अधिसूचना के मुताबिक, कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल को भारत सरकार के कृषि एवं कल्याण मंत्रालय में संयुक्त सचिव जबकि राजस्व पर्षद के अपर सदस्य दयानिधान पांडेय को इस्पात मंत्रालय में संयुक्त सचिव बनाया गया है।

दुनिया में चौथी आर्थिक शक्ति बना भारत : मेघवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश के गरीबों का उत्थान हुआ है। वहीं, भारत दुनिया में चौथी आर्थिक शक्ति बना है। प्रधानमंत्री का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीबों के कल्याण में समर्पण के लिए जाना जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में योजनाओं को लागू करने की कार्यसंस्कृति बदली है। वर्ष 2014 के पहले भी देश में योजनाएं बनती थीं पर वो धरातल पर शायद ही उतरती थीं। लोगों तक योजनाओं का लाभ नहीं पहुंच पाता था। वहीं, पीएम मोदी के कार्यकाल

में बनी योजनाएं तेज गति सेचलती हैंऔर तय समय में पूरा भी होती हैं। उनकी योजनाओं के केंद्र बिंदु में गरीब होते हैं। उन्होंने 100 से अधिक नीतियां बनायी हैं। 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। देश में एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी हुई है। वहीं, सड़क, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, पेयजल आदि क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कार्य हुए हैं, जिसका फायदा देश के लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के पहले हमारी सोच थी कि काम कैसे होगा, ये नहीं हो पाएगा, ये हो ही नहीं सकता है। वहीं, आज की सोच है कि ये होगा और जरूर होगा क्योंकि मोदी है तो मुमकिन है। पहले हम आयात पर आश्रित थे, आज निर्यात में आगे हैं। आज देश का हर नागरिक बदलते भारत को देख और अनुभव कर रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सशक्त निर्णय लेने में सक्षम हो रहा है। मंत्री ने मोदी सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले 15 साल से ज्यादा समय लगता था किसी परियोजना को पूरा करने में, लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद शिलान्यास करते हैं और परियोजना का उद्घाटन भी करते हैं। भारत में एयरपोर्ट की संख्या पहले 74 थी लेकिन अब ये संख्या दोगुनी से भी ज्यादा हो चुकी है और अब गरीब लोग भी एयरप्लेन यात्रा करने लगे हैं। यह बदलाव प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का ही परिणाम है। अर्जुन मेघवाल ने यह भी कहा कि जीएसटी काउंसिल जैसे संस्थाओं की स्थापना और नीति आयोग का गठन भी मोदी सरकार के तहत हुआ, जिसे उन्होंने एक क्रांतिकारी कदम बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक 100 से ज्यादा नीतियां बनाई हैं। वहीं 370 जैसे बड़े फैसले लिए हैं जिससे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अब आर्थिक स्तर पर चौथे स्थान पर पहुंच चुका है, जो मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की सफलता को दर्शाता है। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, प्रदेश महामंत्री राधामोहन शर्मा, लाजवंती झा, मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल उपस्थित थे।

छत पर सोये नाबालिग के सिर में गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। औरंगाबाद में भाई के साथ छत पर सो रहे एक नाबालिग की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। गोली नाबालिग के सिर में मारी गई है। मामला माली थाना क्षेत्र के सोरी गांव का है। सोमवार की आधी रात तक नाबालिग घर के अंदर ही सो रहा था, लेकिन लाइट कटने के बाद वो छत पर सोने चला गया। मंगलवार सुबह जब नाबालिग सोकर नहीं उठा तो उसकी मां जगाने पहुंची। मां ने देखा कि उसका बेटा जिस बिस्तर पर सो रहा था, वो खून से सना था। उसके बेटे के सिर में गोली मारी गई थी। मामले की जानकारी के बाद माली थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच पड़ताल में जुट गई। मृतक की पहचान सोरी गांव के रहने वाले पिंटू सिंह चंद्रवंशी के 16 साल के अंकुश कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक देर रात गोली चलने की आवाज सुनकर अंकुश के परिजन उठे थे, इधर-उधर देखा भी था, लेकिन जब कुछ नहीं पता चला तो वापस सो गए। बताया जा रहा है कि अंकुश अपने छोटे भाई आकाश के साथ सो रहा था। लेकिन गोली चलने की आवाज के बावजूद आकाश को कुछ नहीं पता चला। मंगलवार सुबह जब आकाश की नींद खुली, तो वो उठकर नीचे चला गया। उधर जब पूरी तरह धूप निकलने के बावजूद अंकुश नहीं, उठा तब उसकी मां छत पर गई और फिर घटना की जानकारी हुई।

घटना के बाद पुलिस गांव में कर रही कैंप

घटना के बाद सोरी गांव में दो पक्षों के बीच तनाव का माहौल है। फिलहाल माली, अंबा, कुटुंबा और अन्य थाना की पुलिस गांव में कैंप कर रही है। मामले को लेकर मृतक के पिता पिंटू चंद्रवंशी ने एफआईआर के लिए थाना में आवेदन दिया है। पुलिस को दिए गए आवेदन में उसने गांव के ही 9 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया है। मृतक के पिता ने अभियुक्तों पर साजिश के तहत अपने बेटे की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस को दिए गए बयान में कहा है कि सभी 9 आरोपितों ने दो दिन पहले घर के पास आकर गाली गलौज की थी और मेरे बेटे को जान से मारने की धमकी भी दी थी। वहीं माली थाना के एसएचओ दीपक कुमार राय ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जमशेदपुर में गरजा बुलडोजर, 40 से अधिक मकान-दुकान जमींदोज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटानगर रेलवे स्टेशन और उसके आस-पास के क्षेत्रों और रेलवे के विस्तार की जद में आने वाली जमीनों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। इस क्रम में सुंदरनगर और करनडीह इलाकों में रेलवे के इंजीनियरिंग और लैंड विभाग ने जिला पुलिस और आरपीएफ की मदद से बड़े पैमाने पर कार्रवाई की। सुंदरनगर में 27 और करनडीह में 12 अतिक्रमणकारी ढांचों को ढहा दिया गया। इन ढांचों में लोगों ने रेल लाइन के किनारे वर्षों से झोपड़ी, मकान और दुकानें बना रखी थीं। रेलवे इंजीनियरिंग विभाग की ओर से इन लोगों को 17 मई को ही नोटिस जारी किया गया था। कुछ लोगों ने खुद ही अपने मकान और दुकानें खाली कर दी थीं या तोड़ दी थीं, लेकिन जो बचे थे, उन्हें मंगलवार को बलपूर्वक हटाया गया। रेलवे द्वारा हटाये गये इन ढांचों की जगह अब विद्युत सब स्टेशन का निर्माण किया जायेगा। यहां से ओडिशा की ओर जाने वाली यात्री और मालगाड़ियों को बिजली आपूर्ति की जायेगी। योजना के तहत सुंदरनगर, मकदमपुर, करनडीह और हाता रेलवे क्रॉसिंग का चौड़ीकरण भी किया जाएगा। इन क्रॉसिंग के बीच रबर बॉक्स लगाये जायेंगे, ताकि आवाजाही को सुरक्षित और सुगम बनाया जा सके। रेलवे की इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच

गया है। रेलवे फाटक के आसपास स्थित लगभग 39 झोपड़ीनुमा मकानों व दुकानों को जेसीबी मशीनों से ध्वस्त कर दिया गया। ये ढांचे वर्षों से रह रहे गरीब परिवारों के थे। दोपहर में कार्रवाई के दौरान रेलवे टीम ने सायरन बजाकर घर गिराने की प्रक्रिया शुरू की। क्षेत्रवासियों को पहले ही नोटिस थमा दिया गया था, लेकिन पुनर्वास या वैकल्पिक आवास की कोई व्यव स्था नहीं की गयी। एक स्थानीय महिला, जिनका आशियाना इस कार्रवाई में उजड़ गया, रोते हुए बोलीं 'हमने अपनी सारी जमा-पूंजी से यह झोपड़ी बनायी थी, अब बच्चों को लेकर कहां जाएं?' स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि न तो कोई सर्वेक्षण हुआ और न ही कोई पुनर्वास योजना सामने रखी गयी। प्रशासन की इस कार्रवाई को लोग एकतरफा और अमानवीय करार दे रहे हैं। रेलवे सूत्रों के अनुसार, यह अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया अब नियमित रूप से जारी रहेगी। आने वाले दिनों में डीबी रोड, बागबेड़ा समेत अन्य कई इलाकों से भी अतिक्रमण हटाया जायेगा।

दो युवकों की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिक्रम थाना क्षेत्र के मझौली सिंघाड़ा के पास मंगलवार की सुबह दो युवकों का शव मिला है। दोनों को गोली मारी गई है। मौके से एक अपाचे बाइक और 10 खोखे भी बरामद हुए हैं। मृतकों की पहचान विक्रम थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव निवासी सोनू कुमार और बाघाकोल निवासी रोशन कुमार के रूप में हुई है। दोनों तीन साल पहले हुए चौकीदार धर्मेंद्र पासवान की हत्या में नामजद आरोपी थे। इस डबल मर्डर को आपसी रंजिश से जुड़कर देखा जा रहा है। पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पटना एम्स भेजा है। हत्या के पीछे का कारण आपसी रंजिश बताया जा रहा है। लगभग 3 साल पहले बिक्रम थाना क्षेत्र के नगहर गांव में बिक्रम थाना के चौकीदार धर्मेंद्र पासवान की गोली मारकर हत्या की गई थी जिसमें सोनू कुमार और रौशन कुमार नामजद थे। दोनों युवकों ने घर में बताया था कि इस हत्या केस को रफादफा करने के लिए अख्तियारपुर गांव जा रहे हैं लेकिन बीच रास्ते में ही दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बिक्रम थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 10-06-2025 21:49 Page 1

निगरानी की टीम ने रिश्वत लेते लिपिक को दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। छपरा नगर निगम में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए निगरानी विभाग की टीम ने नगर निगम के एक लिपिक सूर्य मोहन यादव को 60 हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

लिपिक पर आरोप है कि वह नगर निगम से सेवानिवृत्त सफाई निरीक्षक राजनाथ राय से उनके बकाया भुगतान के बदले में 10 प्रतिशत रिश्वत की मांग कर रहे थे।

मामला मंगलवार को तब सामने आया जब निगरानी की टीम ने लिपिक सूर्य मोहन यादव को उसके कार्यालय कक्ष से 60 हजार की रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे सर्किट हाउस ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

निगरानी टीम का नेतृत्व कर रही डीएसपी रीता सिन्हा ने बताया कि 31 मई को सेवानिवृत्त हुए सफाई निरीक्षक राजनाथ राय को नगर निगम से लगभग 13.5 लाख का सीमांत लाभ भुगतान होना था। इसी भुगतान की निकासी के लिए लिपिक सूर्य मोहन यादव ने उनसे 1.30 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। बाद में यह रकम 1.20 लाख पर तय हुई।

राजनाथ राय ने इस रिश्वतखोरी की सूचना निगरानी विभाग को दी, जिसके बाद विभाग ने उनके आवेदन पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामला सत्यापित होने के बाद, निगरानी विभाग ने कार्रवाई की योजना बनाई।

डीएसपी सिन्हा ने बताया कि मंगलवार को पहली किस्त के रूप में 60,000 दिए जाने के दौरान लिपिक को रंगे हाथ पकड़ा गया। निगरानी की टीम में डीएसपी रीता सिन्हा के साथ डीएसपी राजन प्रसाद सिंह, पुनि आसिफ इकबाल मेहंदी, पुअनि आशीष कुमार, सअनि दिग्विजय सिंह और सिपाही राहुल कुमार सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

बारात पर उपद्रवियों का हमला

- दूल्हा सहित सात गंभीर, अफरातफरी
- दूल्हे ने चौर में भाग कर बचायी जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। जिले के सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के लोरिका गांव में सोमवार की रात बरात पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया। इस हमले में दूल्हा ललन सहनी समेत सात बराती गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सिंहवाड़ा सीएचसी लाया गया, जहां से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें डीएमसीएच रेफर कर दिया गया। हालांकि तमाम घटनाक्रमों के बावजूद मंगलवार की सुबह शादी की रस्में पूरी कर दूल्हा-दुल्हन की विदाई कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, सिमरी थाना क्षेत्र के गौड़ा गांव से धूमधाम के साथ निकली बारात जैसे ही सिंहवाड़ा थाना अंतर्गत लोरिका गांव पहुंची, वैसे ही गांव के मोड़ पर घात लगाए बैठे उपद्रवियों ने अचानक बरातियों पर हमला बोल दिया। बरात में भगदड़ मच गई। डीजे की धुन पर झूमते-नाचते बाराती कुछ समझ पाते, उससे पहले ही लाठी-डंडों से हमला हो गया। हमले में दूल्हा ललन सहनी, अर्जुन सहनी, चंद्र किशोर सहनी, शिव शंकर सहनी, रामजी सहनी, प्रमोद सहनी, राहुल कुमार और विक्की कुमार घायल हो गए। इनमें अर्जुन सहनी और चंद्र किशोर सहनी की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद डीएमसीएच रेफर कर दिया गया है।

घटना के बाद अफरातफरी मच गई। कई बाराती जान बचाकर इधर-उधर भागे। दूल्हा समेत बरातियों ने किसी तरह चौर और बगीचे के रास्ते भागकर अपनी जान बचाई। भागने के दौरान कई लोग गिरकर चोटिल भी हो गए। दूल्हे के चाचा शंकर सहनी ने बताया कि दूल्हा ललन सहनी, बिरजन सहनी का पुत्र है, जिसकी शादी लोरिका गांव के स्व. सत्तो सहनी की पुत्री पूजा कुमारी से तय हुई थी। नौ जून की शाम को बरात पूरे रीति-रिवाज और बाजे-गाजे के साथ रवाना हुई थी। महिलाएं मंगल गीत गाते हुए दूल्हे को गांव के बाहर तक विदा करने आई थीं।

बरातियों ने बताया कि यह हमला किसी साजिश के तहत किया गया है। उनका आरोप है कि दूल्हे के एक रिश्तेदार और दुल्हन के गांव के कुछ युवकों ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद जब बरात वापस लौटने लगी, तो दुल्हन पक्ष में भी हड़कंप मच गया। दुल्हन पूजा कुमारी, उसकी बहनें और परिवार के अन्य सदस्य मायूस हो गए। मां निर्मला देवी बिलख पड़ीं।

घटना की जानकारी मिलते ही गांव के कई लोग सिंहवाड़ा सीएचसी पहुंचे और दूल्हे से बातचीत कर उसे विवाह के लिए तैयार किया। मंगलवार की सुबह दूल्हा किसी तरह दोबारा विवाह मंडप पहुंचा, जहां एक घंटे के भीतर शादी की सारी रस्में निभाई गईं और दुल्हन को विदा किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही सिंहवाड़ा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

पिता ने की पुत्र की हत्या

मोरवां। मां जिसे ममता की मूरत कहा जाता रहा। आखिर क्या वजह रही कि उसने अपने ही पुत्र के साथ रहने से मना कर दिया। उसकी हठ ऐसी रही कि परेशान हो एक पिता ने अपने ही पुत्र को मौत के घाट उतार दिया। मामला हलई थाना क्षेत्र के बाजितपुर करनैल पंचायत के चेकभली गांव का है।

वहां एक पिता द्वारा ही अपने पुत्र की हत्या खंती घोंपकर कर दी गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान गांव निवासी जगन्नाथ रजक के पुत्र पप्पू कुमार रजक वर्ष के रूप में की गई। बताया गया कि घरेलू विवाद को लेकर मां और बेटे में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। पुत्र से दुखी हो उसकी मां अपने मायके चली गई। वह मायके से नहीं आने की जिद पकड़ कर बैठ गई। जगन्नाथ ने भी पत्नी को मनाने की कोशिश की लेकिन, वह पुत्र के साथ रहने को तैयार नहीं होकर अपने मायके में ही रहने की बात पर अड़ी रही। इससे परेशान हो जगन्नाथ ने अपने ही पुत्र पप्पू पर सुप्तावस्था में खंती से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

विस चुनाव को ले भाकपा-माले ने खोले पत्ते

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले भाकपा-माले ने 45 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इस संबंध में पार्टी के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने यह भी स्पष्ट किया कि सीटों के तालमेल और चुनावी एजेंड को लेकर जल्द ही महागठबंधन के साथ हमारी बातचीत होगी।

उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी राज्य की 40 से 45 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की पुरजोर तैयारी कर रही है।

उन्होंने मंगलवार को पत्रकार सम्मेलन में मौजूद पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य धीरेन्द्र झा, विधायक गोपाल रविदास तथा संदीप सौरभ, विधान पार्षद शशि यादव, केडी यादव और उमेश सिंह की मौजूदगी में यह बात कही।

दीपंकर ने कहा कि राज्य में चुनाव को लेकर जनता महागठबंधन के साथ है। जनता की मंशा भी साफ है कि अपराध व अराजकता की संरक्षक सरकार बदलनी है। हमारी पार्टी जनता के बीच 18 से 27 जून तक पूरे राज्य में बदलो सरकार-बदलो बिहार यात्रा निकालेगी। यह यात्रा राज्य के चार मुख्य इलाकों में होगी।

शाहाबाद क्षेत्र, मगध क्षेत्र, सारण-चंपारण क्षेत्र और मुजफ्फरपुर से दरभंगा तक का क्षेत्र। इस यात्रा के क्रम में मगध क्षेत्र में 11 जून को गया के बाराचट्टी, 12 जून को वारसलीगंज, 13 जून को राजगीर और 14 जून को बिहारशरीफ में जनसंवाद का आयोजन किया जाएग।

उन्होंने कहा कि बिहार में इस समय सरकार नाम की कोई चीज नहीं बची है। राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और जनता अपराध व अराजकता के चंगुल में फंसी हुई है। उन्होंने कहा कि विकास और सुशासन के नाम पर बिहार में सामंती उत्पीड़न को बढ़ावा मिला है।

लोगों ने प्रदर्शन कर जताया अतिक्रमण का विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोपालगंज। जिले के फुलवरिया प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज गोसाई मांझा के माधोपुर गांव में मुख्य सड़क पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ मंगलवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। गांव के एक व्यक्ति द्वारा पीसीसी सड़क पर अवैध रूप से मिट्टी डालकर रास्ता जाम किए जाने के विरोध में ग्रामीणों ने एकजुट होकर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस सड़क से प्रतिदिन एम्बुलेंस, स्कूल वैन और अन्य वाहनों का आना-जाना होता है, उस पर मिट्टी गिराकर कब्जा कर लिया गया है। इससे न सिर्फ आवागमन में बाधा उत्पन्न हो गई है, बल्कि दोनों ओर की नालियों का गंदा पानी सड़क पर फैलकर दुर्गंध और संक्रमण का कारण बन रहा है। पानी के जमाव से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने पंचायत प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया कि इस अतिक्रमण की शिकायत कई बार की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

पंचायत मुखिया आनंद मोहन राय ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे को लेकर कई बार प्रखंड के अंचलाधिकारी बीरबल वरुण कुमार समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है, लेकिन कार्रवाई शून्य रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो ग्रामीण प्रखंड मुख्यालय का घेराव कर बड़ा आंदोलन करेंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। वहीं अंचलाधिकारी बीरबल वरुण कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। बहुत जल्द अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रदर्शन में उमेशलाला श्रीवास्तव, रामाश्रय प्रसाद, रामाधार प्रसाद पटेल, बाबूचंद प्रसाद, विद्यावती देवी, उमा देवी, रंजीत यादव, मुकेश प्रसाद, रंजीता देवी, अर्जुन राय, रतन पासवान और ललन कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीणों ने दो टूक कहा कि यह मामला सिर्फ आवागमन की असुविधा का नहीं, बल्कि आम जनजीवन, जनस्वास्थ्य और प्रशासन की संवेदनशीलता से जुड़ा है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कितनी शीघ्रता और गंभीरता से कार्रवाई करता है।

नदी में डूबने से बालक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत विद्यापीठ चौक के समीप मंगलवार को किऊल नदी में स्नान के दौरान एक हृदयविदारक हादसा हो गया। स्नान करने गए चार बच्चों में से एक दस वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई, जबकि अन्य तीन बाल-बाल बच गए।मृतक की पहचान शेखपुरा जिले के मेहुस गांव निवासी गंगासागर डोम के पुत्र कुंदन कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि कुंदन गर्मी की छुट्टियों में अपने मौसा अजय मल्लिक के घर लखीसराय आया हुआ था। मंगलवार को वह अपने साथियों सत्या कुमार, छोटी और दुर्गा कुमारी के साथ किऊल नदी में स्नान करने गया था। स्नान के दौरान सभी बच्चे खेलते-खेलते आगे बढ़ते गए। इसी दौरान कुंदन गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव के कारण संतुलन खो बैठा। वह डूबने लगा। बाकी बच्चों ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया।

स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से कुंदन को नदी से बाहर निकाला गया और आनन-फानन में लखीसराय सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी सुनील साहनी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।इस दुखद घटना से कुंदन के परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में कोहराम मच गया है और पूरे मोहल्ले में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। कुंदन की असमय मौत ने सभी को गहरे शोक में डाल दिया है।लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि किऊल नदी के किनारे सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही, जलाशयों और नदियों के पास चेतावनी बोर्ड लगाने तथा निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील भी की जा रही है।

हादसे को आमंत्रण दे रहा जर्जर पुल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। मैनाटाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत त्रिवेणी कैनाल के नीचे बहने वाली थेथरी नदी इन दिनों हादसों को न्योता दे रही है। इस नदी में प्रतिदिन मैनाटाड़ प्रखंड के मैनाटाड़, इनरवा, सकरौल, भंगहा, हाजमा टोला, सकरौल सहित नेपाल के जानकी टोला और अवसारी गांवों से सैकड़ों की संख्या में बच्चे और युवक नहाने पहुंचते हैं। लेकिन यह स्थान नहाने के लिहाज से बेहद खतरनाक बन चुका है।

नदी जिस पुल के नीचे से गुजरती है, वह अंग्रेजों के जमाने का बना हुआ है और अब पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। पुल की दीवारों में दरारें स्पष्ट रूप से देखी जा सकती हैं, जो किसी भी वक्त बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। इसके बावजूद भारी वाहनों की आवाजाही इस पुल से लगातार जारी है। हैरानी की बात यह है कि अब तक न तो पुल पर कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है और न ही इसकी मरम्मत की प्रक्रिया शुरू की गई है। नदी के अंदर कई स्थानों पर छोटे-छोटे पत्थरों के टिले हैं, जिन पर फिसलकर बच्चों के गिरने की घटनाएं आम हो चुकी हैं।

प्रतिदिन कई बच्चे चोटिल हो रहे हैं। नदी में तेज बहाव और अनिश्चित गहराई के बावजूद वहां कोई निगरानी व्यवस्था नहीं है। स्थानीय लोग लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो कोई बड़ा हादसा होकर रहेगा।

स्थानीय ग्रामीणों मंसूर आलम, झुनमुन प्रसाद, नसीम अख्तर, पूर्व मुखिया अशोक राम, राजन राम, कमलेश तिवारी और कैलाश यादव ने चिंता जताते हुए कहा कि थेथरी नदी में नहाना बेहद खतरनाक है। न तो पुल की मरम्मत की जा रही है, न ही नहाने वालों को रोकने के लिए कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है, और न ही सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है।

जब इस संबंध में मैनाटाड़ थानाध्यक्ष राणा प्रसाद से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि उन्हें स्थिति की जानकारी नहीं थी। हालांकि उन्होंने आश्वस्त किया कि अब पुलिस की ओर से नदी पर नजर रखी जाएगी और बच्चों को नहाने से रोकने का प्रयास किया जाएगा, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

मंगलवार को नदी में नहाने के दौरान नेपाल के अवसारी गांव निवासी दो किशोर राकेश कुमार और प्रदीप कुमार के मोबाइल फोन चोरी हो गए। यह घटना दशार्ती है कि यह स्थान न केवल जान के लिए खतरा है, बल्कि लोगों की संपत्ति भी सुरक्षित नहीं है।

जल संसाधन विभाग के कनिष्ठ अभियंता सुजीत कुमार ने बताया कि नहर से गिरने वाला पानी नदी में जा रहा है, जिसमें बच्चे नहा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द इस पानी को गिरना बंद करा दिया जाएगा ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

यदि थेथरी नदी में नहाने की प्रवृत्ति पर समय रहते रोक नहीं लगाई गई और जर्जर पुल की मरम्मत नहीं की गई, तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना टाली नहीं जा सकेगी। प्रशासन को चाहिए कि तत्काल चेतावनी बोर्ड लगाए, पुलिस गश्ती बढ़ाए और जनजागरूकता के माध्यम से लोगों को नदी में नहाने से रोका जाए।

बैंक परिसर में व्यवसायी के साथ लूटपाट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। नगर थाना क्षेत्र के टावर चौक स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में सोमवार को दिनदहाड़े लूट की बड़ी वारदात सामने आई। जैन फार्मा के स्टाफ शिवम ठाकुर से बैंक परिसर के भीतर ही तीन अज्ञात अपराधियों ने 3 लाख 81 हजार रुपये लूट लिए। भागते समय पीड़ित ने साहस दिखाते हुए एक लुटेरे को दबोच लिया, जबकि बाकी दो लुटेरे रुपये से भरा थैला लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए लुटेरे से पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है।जिस वक्त लूट की यह घटना हुई, उस समय बैंक के गेट पर सुरक्षागार्ड तैनात नहीं था। न ही बैंक परिसर में किसी तरह का सायरन बजा। माना जा रहा है कि सुरक्षा व्यवस्था की इसी चूक का फायदा उठाकर लुटेरे आसानी से फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, दवा व्यवसायी जैन फार्मा के कर्मचारी शिवम ठाकुर रोजाना की तरह दोपहर करीब 12 बजे सेंट्रल बैंक की टावर चौक शाखा में पैसे जमा करने पहुंचे थे। वह बैंक के अंदर लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, तभी चार युवक उनके पास आए। एक युवक ने उन्हें विड्रॉल फॉर्म भरने के बारे में जानकारी पूछते हुए बातों में उलझा लिया। इसी दौरान एक अन्य युवक ने उनके हाथ से रुपयों से भरा थैला झपट लिया और फरार हो गया। जैसे ही शिवम को लूट का अहसास हुआ, उन्होंने तुरंत बैंक परिसर से ही युवकों का पीछा शुरू कर दिया। थोड़ी दूरी पर भागते हुए उन्होंने एक लुटेरे को पकड़ लिया, लेकिन बाकी दो युवक रुपये लेकर भागने में सफल हो गए।

बैंक स्टाफ की सूचना पर नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए लुटेरे को अपनी हिरासत में लिया। उससे पूछताछ की जा रही है।

मछली कारोबारियों के बीच मचा हाहाकार

तालाबों में जलस्तर घटने से आया संकट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

करौं (देवघर)। देवघर जिला से 60 किमी दूर करौं एक ऐसा गांव है जो ताजी मछली के लिए काफी प्रसिद्ध है। यहां प्रतिदिन मछली बाजार सजती है।

जहां सालाना लगभग 40 से 50 लाख रुपये का व्यवसाय होता था। लेकिन पहले जैसी बात अब नहीं रही। पिछले दो -तीन साल से पर्याप्त बारिश नहीं होने पर तालाबों में जलस्तर कम हो गया है।

जिस कारण गर्मी के दस्तक देते ही तालाब का जलस्तर गिरते जा रहा है। कई छोटे तालाबों में पानी की काफी कम मात्रा बची है। जिसका असर करौं में मछली पालन के व्यवसाय पर पड़ा है।

इस वर्ष लागत निकल पाना मुश्किल है। करौं में लगभग 70 घर मछली पालकों की है। उनकी जीविका मछली बेच कर चली है।

उल्लेखनीय है कि करौं अंचल में

मछली पालन की अपार संभावना है। अगर सही तरीके से यहां मछली पालन किया जाता तो यह उत्पादन का बड़ा केन्द्र बन सकता है, लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं होने से तालाब में जलजमाव नहीं हो पाता है। गर्मी आते-आते तालाब सूखने लगते हैं। इससे मछली का उत्पादन ठप हो जाता है। अंचल में 219 सरकारी एवं 50 से अधिक जमाबंदी तालाब है। जिसमें बरसात के दिनों में मछली का जीरा डाला जाता है।

करौं में मछुआ समिति का गठन 1966 में हुई। इसके माध्यम से सरकारी तालाब को लीज पर दिया जाता है। इसके बाद इस तालाब में लीजधारी मत्स्य पालन करते हैं। तालाब का लीज एक या तीन साल के लिए दिया जाता है। इसके लिए एक निर्धारित राशि चुकानी होती है। तालाब में डालने के लिए मछली का जीरा बंगाल के नौहाटी से लाया जाता है। यह केवट उपलब्ध कराता है। मछुआरों का कहना है कि मछली का जीरा काफी मंहगा खरीदना पड़ा था। गोल्डन 1200 रूपए, ग्रास कार्प 800 रूपए, रोहू, कतला व मृग प्रजाति के मछली का जीरा 500 रूपए किलो खरीद कर तालाब में डाला गया था।

सरकारी स्तर पर भी मछली का जीरा उपलब्ध कराया गया। लेकिन मछली का जीरा डालने के दो वर्ष के बाद इसका लाभ मिलता है। लेकिन गर्मी आते-आते अधिकांश तालाब सूख जाते हैं।

जगमग होगा एकंगरसराय नगर पंचायत का क्षेत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकंगरसराय। नगर पंचायत एकंगरसराय ने क्षेत्र की जनता की मांग पर बड़ी पहल करते हुए नगर के 11 प्रमुख स्थलों पर हाई मास्ट लाइट लगाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।आगामी जून माह में सभी लाइटें स्थापित कर दी जाएंगी, जिससे नगर क्षेत्र के मुख्य चौराहों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में रात के समय भी रोशनी की भरमार रहेगी। इससे न केवल सौंदर्य में वृद्धि होगी, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी यह एक अहम कदम साबित होगा।

इस बात की जानकारी देते हुए नगर पंचायत की मुख्य पार्षद पूनम कुमारी, उप मुख्य पार्षद सरिता देवी एवं कार्यपालक पदाधिकारी प्रणव कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि बीते कई महीनों से स्थानीय लोगों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में हाई मास्ट लाइट लगाने की मांग की जा रही थी।जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए पहल की, जिसका परिणाम अब धरातल पर दिखने लगा है।

प्रथम चरण में हाई मास्ट लाइट जिन स्थानों पर लगाई जा रही है, उनमें बरसियावा तालाब, पिरोजा सूर्य तालाब, नगर पंचायत कार्यालय (दनियावां), रक्सा बाईपास मोड़, एकंगरसराय बाईपास चौराहा, दनियावांझपिरोजा बाईपास मोड़, स्टेशन रोड, एकंगरसराय मेन चौराहा, काली स्थान, व्यापार मंडल के निकट एवं शुकदेव एकेडमी मैदान के पास जैसे प्रमुख स्थल शामिल हैं। मुख्य पार्षद पूनम कुमारी ने बताया कि नगर पंचायत का उद्देश्य है कि एकंगरसराय को एक साफ-सुथरा, सुरक्षित और आधुनिक नगर के रूप में विकसित किया जाए। हाई मास्ट लाइट की व्यवस्था इसी दिशा में एक मजबूत कदम है। उप-मुख्य पार्षद ने बताया कि यह तो सिर्फ शुरूआत है, आगे और भी क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां लाइटें लगाई जाएंगी।

भोजपुर जिले में 11 बालू घाटों को नहीं मिले खरीददार

खनन विभाग को लगा झटका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में 12 जून को होने वाली बालू की नीलामी नहीं होगी। इसका कारण यह है कि इस बार 11 बालू घाटों की नीलामी के लिए ठेकेदारों के द्वारा एक भी आवेदन नहीं डाले गए हैं। ठेकेदारों कि इस बेरुखी के कारण खनन विभाग को टेंडर अभियान से 1.40 अरब राजस्व मिलने की योजना को झटका लगा है।

विभाग इस बार इस नीलामी से कुल 1.40 अरब रुपये राजस्व जुटाने का प्रयास कर रही थी। मालूम हो 11 बालू घाटों की नीलामी के लिए पांच जून तक आवेदन डाले जाने की समय सीमा तय की गई थी।

समय समाप्त हो जाने के बाद जांच के क्रम में पता चला की घाटों के लिए किसी ने बोली लगाने के लिए आवेदन नहीं डाला। इस प्रकार एक भी बालू घाट के लिए आवेदन जमा नहीं हुए हैं।

घाटों की होने वाली नीलामी में छह बालू घाट सोन नदी के किनारे और पांच बालू घाट गंगा नदी के किनारे वाले शामिल थे।

इन घाटों की नीलामी नहीं होने के बाद विभाग एक बार फिर से नीलामी प्रक्रिया शुरू करने की कवायद शुरू करेगा।

मालूम हो सोन नदी के सभी छह बालू घाटों की कुल कीमत 131.5 करोड़ रुपये और गंगा नदी के बालू घाटों की कुल कीमत 8.36 करोड़ रुपये रखा गया था। सोन नदी के किनारे वाले जिन बालू घाटों की नीलामी होनी थी उनमें बालू घाट संख्या छह, आठ, 10, 16, 17 और 19 शामिल है।

इसी प्रकार गंगा नदी के किनारे वाले बालू घाट संख्या एक, थ्री ए, थ्री बी, फोर ए और फोर बी शामिल थे। खनन विभाग के द्वारा गंगा नदी के पांच बालू घाटो की नीलामी 11 बार से की जा रही है, परंतु इन घाटों को लेने के लिए ठेकेदारों के द्वारा कोई रुचि नहीं दिखाई जा रही है।

इसे देखते हुए इन सभी घाटों के लिए न्यूनतम राशि कम करने के साथ नई नीति बनानी जरूरी हो गई है।

दूसरी तरफ, सोन नदी के छह बालू घाट को पिछले माह ठेकेदारों के द्वारा घाटा लगने के कारण छोड़ दिया गया था। ऐसा इन घाटों की न्यूनतम राशि ज्यादा होने के कारण हो रहा है।

विभाग को इस पर भी गंभीर चिंतन मंथन कर राशि को कम करने की जरूरत है, ताकि घाट की नीलामी होने के साथ मजदूरों समेत अन्य लोगों को भी रोजगार मिल सके। भोजपुर जिले में बरसात के मौसम को देखते हुए 16 जून से बालू खनन बंद हो जाएगा।

नदियों से बालू खनन बंद होने के बाद जिले में किसी भी प्रकार की बालू कील्लत ना हो उसके लिए बड़े पैमाने पर बालू के स्टॉक जमा किए गए हैं।

उन सभी स्टॉक की मापी 13 जून से शुरू की जाएगी, ताकि 16 जून से बालू की बिक्री शुरू हो सके।

बालू मापी के लिए खनन विभाग के द्वारा सभी प्रकार की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मालूम हो जिले में 15 जून के बाद बालू खनन नदियों से बंद हो जाता है।

महिला की संदिग्ध मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। पूर्णिया में एक महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतका के गले और पैर में चोट के गहरे निशान पाए गए हैं। महिला के पति का कहना है कि उसकी पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है, लेकिन मृतका के परिवार ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है। महिला की पहचान मीरगंज थाना क्षेत्र के पहाड़ टोल निवासी संतोष कुमार की पत्नी नंदनी कुमारी (20 वर्ष) के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में पति संतोष कुमार ने बताया कि पूर्णिया में हम निजी सुरक्षा गार्ड का काम करते हैं। एक वर्ष पूर्व ही नंदनी से शादी हुई थी। सोमवार देर रात्रि मामूली विवाद लेकर हम दोनों के बीच लड़ाई हुई, जिसके कारण नंदनी ने खाना तक नहीं खाया। मंगलवार सुबह हम खाना खाकर ड्यूटी पर चले गए, एक घंटे बाद जब लौटकर घर आए तो देखा कि नंदनी बेड पर पड़ी थी और बगल में गमछा रखा हुआ था।

95 लाख के जेवरात पर चोरों ने किया हाथ साफ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली (नवादा)। नगर क्षेत्र के इमलीयाटाड़ के मिथिलेश चौधरी के बंद घर को चोरों ने निशाना बनाते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बीती रात अज्ञात चोर ताला तोड़कर घर में घुसे और लगभग 95 लाख रुपये के जेवरात व नकदी लेकर फरार हो गए। घटना के समय घर के सभी सदस्य बाहर गए हुए थे। चोरी की जानकारी सुबह होने पर पड़ोसी ने परिजनों को दरवाजा टूटे हुए रहने की जानकारी दिया।

जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने के तुरंत बाद थानाध्यक्ष राजेश कुमार सर्किल इंस्पेक्टर अब्दुल गफ्फार मौके पर पहुंचे घटनास्थल का बारीकी से एक-एक बिंदु का जांच किया उसके बाद इसकी सूचना भारी अधिकारी को दी गई, सूचना मिलने के तुरंत बाद एसडीपीओ गुलशन कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से जांच किया और अधिकारियों को कई बिंदु पर निर्देशित करते हुए कार्रवाई आगे बढ़ने का निर्देश दिया।

घटना के उद्वेदन के लिए गया से डाग एस्कार्ट की टीम भी बुलाई गई और घटनास्थल के आसपास के इलाके में डाग एस्कार्ट ने काफी देर तक छानबीन किया, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लगी। घटना के उद्वेदन के लिए एफएसएल और टेक्निकल सेल की टीम को भी बुलाया गया है।

घर के मालिक मिथिलेश चौधरी के पुत्र सोनू कुमार ने बताया कि मम्मी और पापा रजौली में रहते थे। दीदी का तबीयत खराब होने के वजह से मम्मी दीदी के पास चली गई थी। पापा का तबीयत नहीं ठीक रहने की वजह से उन्हें दिखाने के लिए पटना ले गए थे। सुबह अचानक हम लोगों को सूचना मिली कि घर का दरवाजा टूटा हुआ है। जिसके बाद हम लोगों ने इसके बारे में छानबीन शुरू किया तो पता चला कि घर में चोरी हुई है।

जिसके बाद हम लोग सभी जहां थे जिस हालत में थे भागते हुए पहुंचे हैं। घर में सारा सामान बिखरा हुआ है कुछ भी नहीं रहने दिया गया है। घर के साथ सदस्यों का जेवरात लगभग 90 से 95 लख रुपए का था। एक से डेढ़ लाख रुपया नगद था उसे भी ले लिया है। मिथिलेश चौधरी के घर में उनकी पुत्री सोनी कुमारी बिहार पुलिस में सब इंस्पेक्टर हैं,जबकि बेटा सुभाष कुमार मध्य निषेध में पीटीसी के पद पर है और छोटा बेटा सोनू कुमार सिरदला के प्रखंड कार्यालय में क्लर्क के पद पर है।

मिथिलेश चौधरी का घर थाने से आज 1 किलोमीटर की दूरी पर रजौली टाउन से सटा हुआ एनएच 20 के किनारे नदी के पास है। हालांकि यह घर टाउन से अलग बना हुआ है वहां पर उनके बगल में मात्र एक घर है, उसके बाद आसपास कोई घर नहीं है पीछे साइड में नदी है।

फतुहा में फर्जी आईएसआई मार्क वाली हजारों पानी की बोतलें जब्त

भारतीय मानक ब्यूरो की छापेमारी में हुआ घोटाले का पर्दाफाश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय मानक ब्यूरो (बीएसई) पटना शाखा कार्यालय ने सोमवार को फतुहा के युसुफपुर क्षेत्र में स्थित एक अवैध पेयजल निर्माण इकाई पर बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली आईएसआई मार्क के साथ पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर जब्त किया। गुप्त सूचना के आधार पर बीआईएस पटना के प्रमुख वैज्ञानिक-ई एवं निदेशक चंद्रकेश सिंह के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल गठित किया गया। इस दल का नेतृत्व संयुक्त निदेशक विजय गौरव ने किया जिसमें उप निदेशक सुधांशु सुमन और हिमांशु कुमार भी शामिल थे। छापेमारी के

दौरान मेसर्स अंबे बीव्रजेज, युसुफपुर, थाना खुशरूपुर, पोस्ट फतुहा, पटना (बिहार) के परिसर में नकली आईएसआई मार्क के साथ तैयार किए जा रहे हजारों पानी की बोतलें बरामद की गईं। जब्त सामग्री में 1200 बोतलें (1000 मिलीलीटर), 12000 बोतलें (500 मिलीलीटर), 48000 बोतलें (250 मिलीलीटर), 07 कार्टून बोतल कैप्स, 16 बैग प्रीफॉर्म (प्रत्येक 25 किलो वजनी), लगभग 2 लाख नकली लेबल शामिल हैं. इन सभी वस्तुओं को सील कर साक्ष्य के रूप में जब्त किया गया।

बीआईएस अधिनियम के अनुसार, बिना वैध लाइसेंस के आईएसआई मार्क का उपयोग करने पर 2 लाख तक का जुर्माना या दो वर्ष तक का कारावास या दोनों हो सकते हैं। बीआईएस ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा और गुणवत्ता की गारंटी के लिए ऐसी प्रवर्तन कार्रवाइयां समय-समय पर की जाती रहेंगी। बीआईएस पटना शाखा प्रमुख ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे किसी भी उत्पाद पर लगे आईएसआई मार्क की सत्यता बीआईएस केयर मोबाइल ऐप के माध्यम से जांचें। वहीं, निर्माताओं को चेतावनी दी गई है कि वे बिना वैध लाइसेंस के आईएसआई मार्क का उपयोग न करें। लाइसेंस की प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी है जिसकी जानकारी बीआईएस की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपभोक्ता संरक्षण की दिशा में यह कार्रवाई एक अहम कदम माना जा रहा है जिससे न केवल नकली उत्पादों की पहचान हुई, बल्कि लोगों की सेहत से हो रहे खिलवाड़ पर भी अंकुश लगा।

मोदी सरकार के 11 वर्ष: सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने गिनाईं उपलब्धियां

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

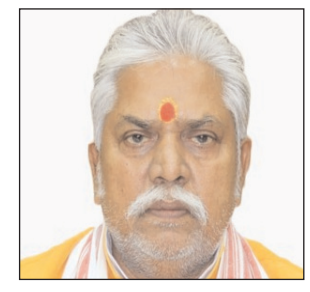

पटना। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर बिहार के सहकारिता मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. प्रेमकुमार ने सरकार की उपलब्धियों को 'ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी' करार दिया। पटना में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को साकार करते हुए भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दी। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक, सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की। आयुष्मान भारत योजना से 50 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा मिली, वहीं उज्ज्वला योजना ने 10 करोड़ परिवारों को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराया। उन्होंने बताया कि बिहार में दरभंगा एम्स और नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार से राज्य की स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिली है। मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चार करोड़ नए घरों के निर्माण और 12 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल पहुंचाने को गरीब कल्याण का प्रतीक बताया। मुद्रा योजना और लखपति दीदी पहल ने बिहार की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जबकि किसान सम्मान निधि से लाखों किसानों को आर्थिक सहायता मिली। उन्होंने कहा राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर देते हुए डॉ. प्रेमकुमार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया जिसमें भारतीय सेनाओं ने आतंकी शिविरों को नष्ट कर देश की ताकत दिखाई। उन्होंने डिजिटल इंडिया, 5 जी सेवाओं और 160 हवाई अड्डों के विस्तार को आर्थिक प्रगति का आधार बताया। उन्होंने गर्व से कहा कि 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए, यह मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। डॉ. प्रेमकुमार ने बिहार में बिजली खपत में चार गुना वृद्धि और रेलवे के आधुनिकीकरण को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल 'विकसित भारत' की नींव मजबूत कर रहा है। भाजपा के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 10 से 21 जून तक राज्यव्यापी कार्यक्रम आयोजित होंगे।

मांझी ने बिना नाम लिए चिराग पर किया कटाक्ष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लोजपा(रा) प्रमुख और केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान के बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात पर सियासत गर्माती जा रही है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री एवं हम के संरक्षक जीतनराम मांझी ने चिराग पासवान का नाम लिए बगैर कहा कि जो मजबूत होता है, वो बोलता नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे पता चला है कि काफिले में 20 गाड़ियां रखी जाती है जिसमें 10 गाड़ियों में नारा लगाने वाले लोग होते हैं।

मांझी ने पटना में प्रेस कांफ्रेंस में 2024 में हुए बिहार विधानसभा उप चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि इमामगंज उप चुनाव में कुछ लोग बोल कर प्रचार में नहीं आए। यह बात एनडीए के सभी नेता जानते हैं। उन्होंने कहा कि हमलोग ऐसे लोगों में शामिल नहीं हैं। बता दें कि इमामगंज सीट पर हुए उप चुनाव में जीतनराम मांझी की बहू दीपा मांझी एनडीए की उम्मीदवार थी। चिराग पासवान गया जिले के बेलागंज व अन्य दो विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे उप चुनाव में प्रचार करने गए, लेकिन इमामगंज से दूरी बना ली थी। मांझी ने मंगलवार को इस बात को सार्वजनिक किया। मांझी ने कहा कि जब समय आयेगा तो हम अपनी बात रखेंगे।

सरकार के खिलाफ जंग-ए-ऐलान-नौकरी दो या सत्ता छोड़ो : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की नीतीश सरकार युवाओं के भविष्य और सपनों की हत्यारी बन चुकी है। इस पर हमलावर बिहार कांग्रेस ने नीतीश सरकार से सीधे-सीधे पांच सवाल कर दिए। पक्की नौकरी, सुरक्षित रोजगार और जनसुविधा देने में विफल बिहार सरकार अब जनाक्रोश का सामना करने जा रही है। इसी के तहत कांग्रेस पार्टी ने घोषणा की है कि बिहार के 38 जिलों में जिला रोजगार केन्द्रों पर व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा। यह जानकारी आज पटना में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने पत्रकारों से साझा की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डबल इंजन सरकार ने बिहार की स्थिति बद से बदतर कर दी है। राज्य सरकार के पास 5 लाख से अधिक पद रिक्त हैं, बावजूद इसके कोई नियमित बहाली नहीं की जा रही। लाखों शिक्षित युवा डिग्री लेकर बेरोजगार बैठे हैं। रोजगार पंजीयन का कोई मूल्य नहीं है, जब भर्ती ही नहीं हो रही। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने पांच सीधे सवाल बिहार की सरकार से किया। हमारा सवाल है कि जब सरकार युवाओं को अवसर नहीं दे पा रही है तो रोजगार कार्यालय क्यों चल रहे हैं। परीक्षा लीक, अग्निपथ और पलायन पर कांग्रेस की चिंता- नेताओं ने बताया कि हर प्रतियोगी परीक्षा का पर्चा लीक होना आम बात बन चुकी है। सरकार कार्रवाई के नाम पर सिर्फ दिखावा करती है। ऐसे ही 'अग्निपथ योजना' ने युवाओं के लिए सेना का सपना भी छीन लिया है। हर साल करीब 4 करोड़ बिहारी युवा काम की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं क्योंकि यह सरकार बहरी बनकर बैठी है। राज्य के 4.5 लाख होम गार्ड व संविदा शिक्षक भी सरकार की उदासीनता से परेशान हैं। भ्रष्टाचार और लापरवाही का आरोप- कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि यह सरकार भ्रष्टाचार और धांधली में पूरी तरह लिप्त है। शासन-प्रशासन पर लूट और भाई-भतीजावाद का कब्जा है, इसलिए कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं होती। आंदोलन की घोषणा- इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने 38 जिलों में जिला रोजगार कार्यालयों पर प्रदर्शन का ऐलान किया है।

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) की राष्ट्रीय कमिटी का होगा चुनाव : संतोष सुमन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार सुमन ने कहा कि पार्टी की राष्ट्रीय कमिटी का चुनाव सम्पन्न कराने के लिए पर्यवेक्षक व सह पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई है। 15 जून को बांका में आयोजित पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में निर्वाचित राष्ट्रीय कमिटी की घोषणा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कमिटी के चुनाव के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता डी. एन. सिन्हा को पर्यवेक्षक और प्रभात भूषण को सह चुनाव पर्यवेक्षक बनाया गया है। पर्यवेक्षक श्री सिन्हा ने चुनाव की तारीखों का एलान करते हुए बताया कि 14 जून को सुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक नामांकन होगा, उसके पश्चात मध्यान्ह 1:00 से अपराह्न 3:00 तक स्क्रूटनी होगी। उसके बाद अपराह्न 3:00 से 5:00 बजे तक नाम वापसी का समय होगा।

उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर यानी एक से अधिक नामांकन होने की स्थिति में अगले दिन 15 जून की सुबह 9:00 बजे से मतदान कराया जाएगा। मतदान ख़त्म होने के तुरंत बाद मतगणना की जाएगी एवं वहीं पर परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी।

पूर्व विधायक राजवल्लभ यादव को मिली 15 दिनों की पेरोल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे राजद के बाहुबली नेता और नवादा के पूर्व विधायक राजवल्लभ यादव को 15 दिनों की पेरोल दी गई है। गृह विभाग के कारा एवं सुधार सेवाएं निरीक्षणालय ने उनकी पैरोल को मंजूरी दी है। बेऊर जेल में बंद राजवल्लभ यादव के जेल से बाहर आने की तिथि से यह पेरोल प्रभावी होगी। जेल आईजी प्रणव कुमार ने आदर्श केंद्रीय कारा बेऊर के जेल अधीक्षक को इस संबंध में पत्र लिखकर सूचित किया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह पेरोल उनकी वृद्ध मां और स्वयं की बीमारी के इलाज के साथ-साथ पुश्तैनी जमीन का भाइयों के बीच बंटवारा करने के लिए दी गई है। बता दें कि राजवल्लभ यादव की छवि नवादा के बाहुबली नेता की रही है। 2016 में 15 वर्षीय एक नाबालिग लड़की ने उन पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। लड़की ने दावा किया था कि 6 फरवरी, 2016 को जन्मदिन की पार्टी के बहाने उसे एक बोलेरो गाड़ी से एक घर में ले जाया गया जहां उसे नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। यह मामला कुछ समय तक ठंडे बस्ते में रहा, लेकिन विवाद बढ़ने के बाद राजवल्लभ यादव ने आत्मसमर्पण कर दिया था। इस केस के ट्रायल के दौरान उच्च न्यायालय में बीस गवाहों ने अपनी गवाही दी थी जिसके बाद उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। राजवल्लभ यादव को इससे पहले 6 अगस्त 2023 में भी 15 दिनों का पेरोल मिला था। उस समय भी जेल प्रशासन ने उन्हें मां के इलाज कराने के लिए पैरोल पर छोड़ा गया था।

महागठबंधन में भाकपा माले ने ठोंका बिहार की 45 सीटों पर दावा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चल रही तैयारियों के बीच महागठबंधन में सीटों के बंटवारे का मामला गर्माता जा रहा है। 12 जून को पटना में होने वाली महागठबंधन की को-ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक से पहले भाकपा-माले ने लालू यादव और तेजस्वी यादव की टेंशन बढ़ा दी है। सीट शेयरिंग से पहले महागठबंधन में शामिल भाकपा-माले ने बिहार की 45 सीटों पर अपना दावा ठोक दिया है। भाकपा माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने बताया कि उनकी पार्टी 11 से 14 जून तक बिहार के बाराचट्टी, वारसलीगंज, राजगीर और बिहारशरीफ में सभाएं आयोजित करेगी। इसके साथ ही 12 से 27 जून तक बदलो सरकार, बदलो बिहार के नाम से चार यात्राएं निकाली जाएगी।

कानून-व्यवस्था को लेकर लालू यादव के बयान पर गरमायी सियासत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के लेकर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बयान पर सूबे की सियासत गरमा गई है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष व सांसद संजय झा ने लालू यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके शासन काल में किस तरह अपहरण होते थे और कैसे उद्योगपति तथा डॉक्टर बिहार से पलायन कर गए थे, ये लोग भूले नहीं हैं, लेकिन नीतीश कुमार ने कानून का राज स्थापित किया। बीते 20 वर्षों में कोई यह नहीं कह सकता कि बिहार में कानून-व्यवस्था नहीं रही।

वहीं, जदयू के मुख्य प्रवक्ता एवं विधान पार्षद नीरज कुमार ने कहा कि लालू यादव आप अनुसंधान के विषय बन गए हैं। किडनी ट्रांसप्लांट हुआ, ऑपरेशन हुआ, लेकिन पुत्र मोह में ट्वीट पर ट्वीट कर रहे हैं जबकि जनता 24 नवंबर 2005 को ही आपको क्विट कर चुकी है। उन्होंने कहा कि बिहार के आम अवाम को मालूम है लालू जी कि आपके शासनकाल में क्या होता था। आप नरसंहार को पोषित करने वाले व्यक्ति हैं, आपके द्वारा किए गए कार्य जो बिहार को बर्बाद किया है, लोगों को याद है। आप जीवन के अंतिम पड़ाव पर हैं और ट्वीट ट्वीट का खेल खत्म कीजिए, तेजस्वी का चैप्टर क्लोज हो चुका है जबकि भाजपा के प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में कानून का राज है, अपराधी पकड़े जा रहे हैं। ऐसे लोगों की जगह जेल में है। जरा अपने शासन काल को लालू यादव याद करें, जब अपराधी आपके बगल में शरण लेते थे और पुलिस चाह कर भी कुछ नहीं करती थी। राज्य सरकार हत्या की राजनीति करने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए तत्पर है। आपके राज्य में क्या होता था जनता को सब मालूम है। विधि व्यवस्था पर आपको बोलने का कोई अधिकार नहीं है। दरअसल, लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और लिखा था कि नीतीश बतावें कि शाम पांच बजे से पहले घर में घुसकर ही कितनी हत्याएं हो रही है? क्या नीतीश जानते, पहचानते व समझते है कि उनके शासनकाल में आधिकारिक आंकड़ों में 65,000 हत्याएं हुई है? 65,000 लोगों की हत्याएं हुई है 65,000! नीतीश-भाजपा ने विधि व्यवस्था का दम ही नहीं निकाला बल्कि उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया है। बिहार में इतनी भ्रष्ट, लापरवाह और कामचोर पुलिस कभी भी, कभी भी नहीं रही।

मौलाना मजहरुल हक अरबी फारसी विश्वविद्यालय में पीजी कोर्स के लिए नामांकन शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मौलाना मजहरुल हक अरबी फारसी विश्वविद्यालय के सभी आठ पीजी विभागों में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। ये विभाग हैं - पत्रकारिता व जनसंचार, एम बी ए, अरबी, फ़ारसी, उर्दू, इस्लामिक स्टडी, एजुकेशन तथा अंग्रेज़ी । विश्वविद्यालय के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) कार्यक्रम को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली से औपचारिक मान्यता भी प्राप्त है। कुलसचिव कर्नल कामेश कुमार ने बताया कि सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए स्नातक में 50 प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग के छात्रों के लिए 45 प्रतिशत अंक दाखिले के लिए

अनिवार्य होंगे। स्नातक तृतीय वर्ष की परीक्षा दे रहे छात्र भी पीजी कोर्स में नामांकन के लिए आवेदन दे सकते हैं। नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी। नामांकन लेने की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2025 रखी गई है।

पक्का मकान उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजीएस) के 1308 परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने पटना में मीडिया से बातचीत में कहा कि यह योजना डबल इंजन सरकार की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जिसके अंतर्गत कमजोर समुदायों को सामाजिक-आर्थिक न्याय दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 29 अप्रैल 2025 को जारी पत्र के माध्यम से

बिहार राज्य को इस योजना में शामिल किया गया है।

सम्राट चौधरी ने बताया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग ने राज्य के 10 जिलों बांका, कैमूर, भागलपुर, गया, कटिहार, किशनगंज, मधेपुरा, नवादा, पूर्णिया और सुपौल में असुर, बिरहोर, बिरजिया, हिलखरिया, कोरवा, मालपहाड़िया, परहइया, सौरियापहाड़िया एवं सावर जनजाति के परिवारों को चिन्हित किया है, जो इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जहां अब तक लाभुकों को 1.20 लाख रुपये की सहायता राशि तीन किस्तों में मिलती थी, वहीं पीएम-जनमन योजना के अंतर्गत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए यह राशि बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दी गई है। सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की सहायता राशि का भुगतान चार बराबर किस्तों में किया जाएगा। प्रथम किस्त 50,000 रुपये की होगी जो आवास की स्वीकृति के बाद दी जाएगी। द्वितीय किस्त 50,000 रुपये की होगी जो भूतल सतह तक निर्माण कार्य पूरा होने पर दिया जाएगा। तृतीय किस्त 50,000 रुपये की होगी जो लिंटर तक कार्य पूरा होने पर दी जाएगी और अंतिम चौथी किस्त 50,000 रुपये की होगी जो छत स्तर से ऊपर फिनिशिंग कार्य पूरा होने के बाद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त प्रत्येक लाभुक को मनरेगा के अंतर्गत लगभग 27,000 रुपये की मजदूरी तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12,000 रुपये की राशि शौचालय निर्माण के लिए दी जाएगी। इस प्रकार प्रत्येक परिवार को कुल 2.39 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। सम्राट चौधरी ने स्पष्ट किया कि इस योजना का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलेगा जिनके पास पहले से पक्का मकान नहीं है और जिनके परिवार का कोई सदस्य सरकारी सेवा में नहीं है।

सीबीसी-पीआईबी द्वारा योग पूर्वाभ्यास सत्र एवं योग संकल्प का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 समारोह के तहत केन्द्रीय संचार ब्यूरो एवं प्रेस इंफोर्मेशन ब्यूरो पटना द्वारा योग पूर्वाभ्यास सत्र एवं योग संकल्प का आयोजन सीबीसी पटना के सभागार में किया गया। योग पूर्वाभ्यास सत्र के पूर्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में 'स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए योग संकल्प' लिया।

इस अवसर पर अवधेश झा योगाचार्य ने सभी को योग के विभिन्न आयाम का अभ्यास कराया। उन्होंने मौके पर योग के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन का परम उद्देश्य केवल भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति नहीं, अपितु आत्मा की उन्नति और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीना भी है।

विनय कुमार ने पुनः एनएसएस बिहार-झारखंड के क्षेत्रीय निदेशक का संभाला कार्यभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ एवं अनुभवी अधिकारी विनय कुमार ने एक बार फिर एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय, बिहार-झारखंड के क्षेत्रीय निदेशक पद पर अपना कार्यभार ग्रहण किया है। इससे पूर्व वे कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में पदस्थापित थे और उससे पहले भी वे बिहार-झारखंड क्षेत्र के निदेशक पद पर कार्य कर चुके हैं। उनके पूर्ववर्ती कार्यकाल में युवाओं में सामाजिक जागरूकता, राष्ट्र सेवा तथा नेतृत्व विकास के क्षेत्र में कई प्रभावशाली कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए गए थे। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) भारत सरकार का एक प्रमुख युवा कार्यक्रम है जिसकी

स्थापना 1969 में महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी के अवसर पर की गई थी। इसका उद्देश्य छात्रों में समाज सेवा की भावना, राष्ट्र निर्माण में भागीदारी, नेतृत्व क्षमता का विकास, और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना है। एनएसएस के स्वयंसेवक ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, मतदान जागरूकता, आपदा प्रबंधन एवं स्वच्छता अभियान जैसे अनेक क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी करते हैं। इसका मूल मंत्र है-''मैं नहीं, तू'' जो सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को दर्शाता है। विनय कुमार जैसे अनुभवी अधिकारी की पुनर्नियुक्ति से यह अपेक्षा की जा रही है कि एनएसएस की गतिविधियां क्षेत्र में और भी अधिक प्रभावी, नवाचारी और युवा केंद्रित होंगी। हम विनय कुमार को इस नई जिम्मेदारी हेतु हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हैं।

रेलकर्मियों ने अपर महाप्रबंधक से मुलाकात कर समस्याओं से कराया अवगत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। मुख्यालय, हाजीपुर में 6 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। अपर महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं।

एंजल्स अराउंड ट्रस्ट ने किया सहज शक्ति सर्व कल्याण संस्था में कूलर का वितरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एंजल्स अराउंड ट्रस्ट की संस्थापिका एवं सचिव पवनप्रीत कौर के नेतृत्व में ट्रस्ट के लोगों ने राजधानी पटना के चीना कोठी हरिजन बस्ती में स्थित सहज शक्ति सर्व कल्याण संस्था के बच्चों के लिये कूलर का वितरण किया। इस मौके पर पवनप्रीत कौर जी के साथ उनकी टीम की श्यामली जी, कनू जी, वर्षा जी और अर्चना जी मौजूद रही। पवनप्रीत कौर ने बताया कि इस भीषण गर्मी में बच्चों को कोई परेशानी नहीं हो, इसे ध्यान में रखते हुए कूलर दिया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था एक स्वैच्छिक संगठन है जो वंचितों की सेवा करती है। उन्होंने कहा कि हम आशा और समर्थन की किरण हैं और पूरी ईमानदारी से समाज की सेवा करने में विश्वास करते हैं। हम वास्तव में वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत का पालन करते हैं जिसका मतलब सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है। हम कुत्तों को खाना खिलाकर, चिकित्सा सहायता और आश्रय प्रदान करके पूरे जोश के साथ जानवरों के लिए भी काम करते हैं। पवनप्रीत कौर ने कहा कि हमें सहजशक्ति सवकल्याण संस्था में आने का अवसर मिला और झुग्गी-झोपड़ियों के बच्चों को राहत प्रदान करने के लिए कूलर दान किया। उनके चेहरों पर मुस्कान देखकर वाकई हमारा दिन बन गया।

संपादकीय

रेपो रेट में कटौती से बढ़ेगी रफ्तार या बनी रहेगी सुस्ती?

पिछले दिनों अर्थव्यवस्था के लिहाज से सकारात्मक खबरों के बीच अब भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआइ की ओर से नीतिगत दरों में कमी से यही संकेत उभरता है कि महंगाई अब नियंत्रण में है और आर्थिक मोर्चे पर खड़ी चुनौतियों से पार पाने में देश आगे की राह पर है। आरबीआइ ने शुक्रवार को प्रमुख नीतिगत दर यानी रेपो दर में 0.5 फीसद की कमी करके उसे 5.5 फीसद कर दिया। इसे उम्मीद से ज्यादा की कमी माना जा रहा है। इसके अलावा, एक चौंकाने वाले फैसले के तहत आरबीआइ ने बैंकों के लिए भी नकद आरक्षित अनुपात यानी सीआरआर में भी एक फीसद की कटौती की घोषणा की। यह लगातार तीसरी बार है, जब केंद्रीय बैंक ने रेपो दर में कटौती की है। इससे पहले आरबीआइ ने इसी वर्ष फरवरी और अप्रैल में पच्चीस आधार अंकों की कटौती की थी। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार-चढ़ाव से निपटने की कोशिश है, बल्कि फिलहाल दुनिया भर में जैसी चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उसमें इन उपायों से अर्थव्यवस्था को संभालने में भी मदद मिलेगी। दरअसल, रेपो दरों में कमी को मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता रहा है। कर्ज सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर टिका होता है और इसका सीधा और पहला असर उन उपभोक्ताओं पर पड़ता है, जिन्होंने घर, वाहन, अन्य सामान या फिर शिक्षा जैसी जरूरतों के लिए बैंकों से ऋण लिया होता है या फिर वे लोग, जो इस बात का इंतजार करते हैं कि रिजर्व बैंक की ओर से कब नीतिगत दरों में कमी की जाए और कर्ज सस्ता होने के बाद वे कुछ खरीदने या निवेश करने की योजना बनाएं।

गौरतलब है कि रिजर्व बैंक की नीतिगत दरों के अनुरूप ही व्यावसायिक बैंक उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले ऋण और अन्य सावधि जमा के मद में ब्याज की दरें निर्धारित करते हैं। इसलिए उम्मीद है कि रेपो दरों में कमी के बाद व्यावसायिक बैंक भी कर्ज की दरें घटाएंगे। इसके बाद स्वाभाविक रूप से कर्ज सस्ता होगा और मासिक किस्तों में कमी की वजह से बैंकों से ऋण लेने वाले उपभोक्ताओं की मांग बढ़ सकती है। साथ ही, पिछले कुछ समय से वाहन बाजार और खासतौर पर जमीन-जायदाद के कारोबार में जिस तरह की मंदी की आशंका जताई जा रही थी, नीतिगत दरों में कटौती के बाद उसमें सुधार आने की उम्मीद की जा सकती है। इस लिहाज से देखें तो रिजर्व बैंक की ओर से नीतिगत दरों में बड़ी कमी की जो घोषणा की है, वह एक तरह से अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने की दिशा में एक अहम कदम है। मगर जरूरत इस बात की है कि इस तरह के फैसले सिर्फ घोषणाओं और अर्थव्यवस्था के जटिल गणित तक ही न सिमटे रहें।

वैसे भी देखा जाए तो जिस वक्त नरेन्द्र मोदी ने गुजरात से आकर के 26 मई 2014 को दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, उस वक्त देश व दुनिया के बहुत सारे लोगों के मन में एक सवाल बार-बार कोंध रहा था कि आखिरकार लोकसभा के चुनाव प्रचार के दौरान नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से भारत को सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित नव भारत के निर्माण करने का सपना आम जनमानस को दिखाया है, क्या यह सपना कभी पूरा हो पायेगा। लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी इस सपने को धरातल पर उतारने के लिए अपने प्रथम कार्यकाल 26 मई 2014 से ही निरंतर कार्य कर रहे हैं, जिसके चलते ही देश के आम जनमानस ने मोदी के नेतृत्व में दूसरी व तीसरी बार सरकार बनाने का अवसर दिया था और मोदी ने 30 मई 2019 को दूसरी बार व 9 जून 2024 को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत निर्माण के लिए कार्य करते पीएम मोदी

(दीपक कुमार त्यागी)

हाल ही में नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपनी 11 वर्ष की विकास गाथा को 176 पेज की एक पुस्तिका में लिखकर जारी करने का कार्य किया है। जिसमें मोदी सरकार ने देश की दशा व दिशा बदलने की प्रमुख योजनाओं का जिक्र किया है।

हमारे प्यारे देश भारत के आम जनमानस के साथ-साथ दुनिया भर के लोगों के बीच मे नरेन्द्र मोदी की छवि एक ऐसे सख्त प्रशासक, कुशल राजनेता की बन गई है, जिसके लिए देशहित सर्वोपरि है, इस छवि के दम पर ही नरेन्द्र मोदी देश में तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए हैं और मोदी के नेतृत्व में चल रही केन्द्र सरकार को 9 जून 2025 को 11 वर्ष पूर्ण हो गये है। अपने इस 11 वर्ष के कार्यकाल के दौरान नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने बहुत सारे ऐसे कार्य कर के दिखाएं है, जिन्होंने इतिहास रचने का कार्य कर दिया है। नरेन्द्र मोदी ने बिना किसी के जोर दवाब में आये ऐतिहासिक कार्यो को अमलीजामा पहनाने का कार्य बखूबी करके दिखाया है। जिसके चलते ही देश-दुनिया में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की गिनती कुछ करके दिखाने वाली सरकार के रूप में होती है।

वैसे भी देखा जाए तो जिस वक्त नरेन्द्र मोदी ने गुजरात से आकर के 26 मई 2014 को दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, उस वक्त देश व दुनिया के बहुत सारे लोगों के मन में एक सवाल बार-बार कोंध रहा था कि आखिरकार लोकसभा के चुनाव प्रचार के दौरान नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से भारत को सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित नव भारत के निर्माण करने का सपना आम जनमानस को दिखाया है, क्या यह सपना कभी पूरा हो पायेगा। लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी इस सपने को धरातल पर उतारने के लिए अपने प्रथम कार्यकाल 26 मई 2014 से ही निरंतर कार्य कर रहे हैं, जिसके चलते ही देश के आम जनमानस ने मोदी के नेतृत्व में दूसरी व तीसरी बार सरकार बनाने का अवसर दिया था और मोदी ने 30 मई 2019 को दूसरी बार व 9 जून 2024 को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। आम जनता की अदालत में 11 वर्ष बीतने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता देश के अन्य सभी राजनेताओं पर भारी है। आम व खास दोनों वर्गों के लोग नरेन्द्र मोदी के विज़न व नीति से अभी भी प्रभावित नज़र आते हैं।

हाल ही में नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपनी 11 वर्ष की विकास गाथा को 176 पेज की एक पुस्तिका में लिखकर जारी करने का कार्य किया है। जिसमें मोदी सरकार ने देश की दशा व दिशा बदलने की प्रमुख योजनाओं का जिक्र किया है। इसमें नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल को सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के 11 वर्ष बताते हुए कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर के, सामाजिक न्याय की योजनाएं,

वंचितों की सेवाएं की योजनाएं, महिलाओं को सशक्त बनाने की योजनाएं, किसानों को उनका हक दिलाने की योजनाएं, देश के भविष्य युवाओं को अवसर देने की योजनाएं, देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को अमलीजामा पहनाया गया, जिनका ब्यौरा इस पुस्तिका में दिया गया है।

वैसे मोदी सरकार के कुछ कार्यों को देखें तो देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए मोदी सरकार ने बहुत काम किया है, मोदी सरकार ने देश के कुछ हिस्सों में दशकों से बेखौफ होकर के अपना राज चला रहे नक्सलियों की कमर तोड़ने का कार्य किया, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर लगाम लगाने का कार्य किया है। आतंकियों के ख़िलाफ़ सीमा पार पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक व आपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है। अनुच्छेद 370 को समाप्त करके जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को उनका हक दिया है। देश में जातिगत जनगणना कराने के निर्णय, दशकों से लंबित महिला आरक्षण बिल आदि को मोदी सरकार के ऐतिहासिक निर्णय बताया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार मुख्य रूप से 14 बिंदुओं पर कार्य कर रही है, इसमें देश में गरीबों की सेवा वंचितों का सम्मान, किसानों का कल्याण सुनिश्चित करना, नारी शक्ति को मिला नया बल, भारत की अमृत पीढ़ी हो रही सशक्त, मध्यवर्ग का जीवन हुआ आसान, सभी के लिए सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य सेवा, राष्ट्र प्रथम विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा, भारत को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाना, इज ऑफ डूइंग बिजनेस से कारोबार को लगे पंख, इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से हो रहा बेहतर, टेक्नोलॉजी से भारत को नई शक्ति, नॉर्थ ईस्ट बन रहा विकास का नया इंजन, विरासत व विकास, पर्यावरण एवं सतत विकास हैं। मोदी सरकार का लक्ष्य भारत को दुनिया की एक ताकतवर आर्थिक महाशक्ति बनाने का है, जिसके लिए वह निरंतर कार्य कर रही और उन कार्यों के दम से ही भारत आज विश्व में चौथे पायदान पर आ चुका है। मोदी सरकार का लक्ष्य है देश से ग़रीबी को खत्म करना, हाल ही में प्रकाशित विश्वबैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में अत्यधिक ग़रीबी में कमी आयी है, मोदी सरकार के प्रयासों से ग़रीबी रेखा से 27 करोड़ लोग पिछले 11 वर्ष में बाहर हुए हैं। मोदी सरकार सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर व विकसित भारत का निर्माण करने के लिए देश में सर्वांगीण विकास पर जोर दे रही है। किसानों, महिला, युवाओं व सामाजिक क्षेत्र, आर्थिक क्षेत्र व इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

मोदी सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजन, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना आदि ने देश में धरातल पर बड़ा सकारात्मक बदलाव करने का कार्य किया है। मोदी सरकार के स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, डिजिटल क्रांति, मेक इन इंडिया, जन औषधि केन्द्र, फसल के एमएसपी के द्वारा किसानों की आय की गारंटी, मखाना बोर्ड, जनजातियों का सशक्तिकरण- ग्राम समृद्धि, दालों में आत्मनिर्भरता के लिए मिशन चलाना, पीएम धन-धान्य कृषि योजना, ग्रामीण विद्युत आपूर्ति, किफायती यूरिया, भारत को पंख (उड़ान 2.0 की उड़ान और तेज हुई), विमानन क्षेत्र में नया युग, कश्मीर घाटी में बंदे भारत जम्मू-श्रीनगर रेल लाइन, चिनाब नदी पर विश्व का अजूबा रेलवे ब्रिज, विमानन क्षेत्र में एक नया युग, साइबर सुरक्षित भारत और आधार आईटी, प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री ई ड्राइव आदि ने देशवासियों को जीवन बेहतर करने का कार्य किया है। मोदी सरकार के मिशन चंद्रयान ने दुनिया में भारत का अंतरिक्ष के क्षेत्र में डंका बजाने का कार्य किया है।

मोदी सरकार ने देश में सर्वांगीण विकास को तरजीह देते हुए विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर भारी-भरकम रकम खर्च की है। देश में हाईवे व एक्सप्रेसवे का विश्वस्तरीय जाल बना देना मोदी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। देश में बहुत सारे छोटे व बड़े एयरपोर्टों का निर्माण करके मोदी सरकार ने पूरे देश को चंद घंटों में जोड़ने का कार्य कर दिया है। रेलवे स्टेशन से लेकर के रेलवे नेटवर्क के विकास व आधुनिकीकरण का कार्य बड़े पैमाने पर कार्य चल रहा है, जो अच्छा संकेत है। देश में धार्मिक पर्यटन को नये आयाम देते हुए मोदी सरकार ने बहुत कार्य किये हैं, भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी-विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर इसकी एक कहानी है। वहीं स्टैचू ऑफ यूनिटी, नया संसद भवन, भारत मंडपम, वार मेमोरियल का निर्माण मोदी सरकार उपलब्धि है।

राष्ट्रवाद की आड़ में ट्रंप का परिवारवाद

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

देश में दलगत नेताओं के परिजनों, संबंधीजनों तथा स्वजनों को राजनैतिक दबाव के चलते लाभ देने के अनेक उदाहरण आज भी पैदा हो रहे हैं। अचानक पूंजीपति बनने वाले की संख्या में तेजी से बढोत्तरी हो रही है। सरकारी औपचारिकताओं को हाशिये पर रखकर सुविधायें पहुंचाने के अनेक मामले स्वाधीनता के बाद से ही सामने आते रहे हैं। यूं तो घोटालों की लम्बी फेरिस्त है परन्तु बानगी के तौर पर सन् 1948 का जीप खरीद घोटाला जिसमें वीके मेनन, सन् 1951 का साइकिल

आयात घोटाला जिसमें एसए वेंकटरमण, सन् 1956 का बीएचयू फण्ड घोटाला, सन् 1958 का हरिदास मूंदडा मामला जिसमें टीटी कृष्णामचारी, सन् 1960 का तेजा लोन स्कैम, सन् 1963 का प्रताप सिंह कैरों स्कैम, सन् 1965 का पटनायक 'कलिंग ट्यूब्स' मामला जिसमें बीजू पटनायक, सन् 1975 का मारुति घोटाला जिसमें इंदिरा गांधी, सन् 1976 का कुओ आयल डील, सन् 1981 का अंतुले ट्रस्ट मामला जिसमें एआर अंतुले, सन् 1987 का एचडीडब्ल्यू दलाली मामला, सन् 1987 का बोफोर्स घोटाला जिसमें राजीव गांधी, सन् 1989 का सेंट किट्स मामला जिसमें वीपी सिंह, सन् 1990 का चारा घोटाला जिसमें लालू प्रसाद यादव,सन् 1991 का हवाला घोटाला जिसमें एसके जैन, सन् 1992 का हर्षद मेहता काण्ड, सन् 1992 का इंडियन बैंक मामला, सन् 1992 का बाम्बे स्टाक एक्सचेन्ज घोटाला जिसमें हर्षद मेहता, सन् 1992 का सिक्यूरिटी स्कैम, आईपीएल घोटाला जिसमें ललित मोदी, सत्यम घोटाला, स्टाम्प घोटाला, सन् 1993 का झारखण्ड मुक्ति मोर्चा मामला जिसमें शिबू सोरेन, सन् 1994 का चीनी घोटाला जिसमें कल्पनाथ राय, सन् 1995 का जूता घोटाला जिसमें सोहिन दया, तहलका काण्ड जिसमें जार्ज फर्नाडीज, लक्खू भाई पाठक मामला जिसमें नरसिंहराव,सन् 1999 का हसन अली टैक्स मामला, कामनवेल्थ गेम्स घोटाला जिसमें मनमोहन सिंह, विजय माल्या प्रकरण, पीएनबी घोटाला जिसमें नीरव मोदी तथा मेहुल चौकसी, रोटोमैक घोटाला, सन् 2000 का मैच फिक्सिंग मामला, बराक मिसाइल सौदा मामला, यूटीआई घोटाला, तेल के बदले अनाज मामला जिसमें नटवर सिंह, ताज कैरीडोर मामला जिसमें मायावती, कोडा मनीलांडरिंग मामला जिसमें मधु कोडा, ताबूत घोटाला, सन् 2002 का टेलीकाम स्कैम जिसमें सुखराम शर्मा, यूरिया घोटाला जिसमें सीएस रामकृष्णन, सन् 2007 का 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला जिसमें ए. राजा, सन् 2010 का आदर्श हाउसिंग घोटाला जिसमें अशोक चव्हाण,सन् 2012 का वीवीआईपी हेलिकाप्टर घोटाला जिसमें एसपी त्यागी, सन् 2012 का नेशनल हेराल्ड मामला जिसमें सोनिया गांधीसन् 2013 का डीएलएफ भूमि हडप मामला जिसमें राबर्ड वाड्रा,सन् 2013 का केरल सौर पैनल घोटाला जिसमें सीएम चांडी, सन् 2015 का वोट के लिए नोट मामला जिसमें एल्विस स्टीफेंसन,सन् 2020 का केरल गोल्ड तस्करी मामला जिसमें पिनाराई विजयन, सन् 2022 का शराब घोटाला जिसमें अरविन्द केजरीवाल पर भी गम्भीर आरोप लगाये गये थे। सत्ताधिकार के सामने मुंह खोलने वालों की हमेशा ही दुर्गति होती रही है। निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए पद के दुरुपयोग का फैशन सा चल निकला है। अब तो भारत के घोटालों को आदर्श मानकर विदेशों में भी यह रीतियां तेजी से विकसित हो रहीं है। आपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका का पाकिस्तान के साथ सहयोगात्मक रवैया यूं ही नहीं रहा है।

गर्मियों में बच्चों को डायरिया और डिहाइड्रेशन का होता है अधिक खतरा

जून का महीना आ चुका है और हर बीतते दिन तापमान में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। भीषण गर्मी और लू के कारण छोटे बच्चों में डायरिया, डिहाइड्रेशन, उल्टी, दस्त और बुखार जैसी स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से होने लगती हैं। वहीं हॉस्पिटल में इन समस्याओं से पीड़ित बच्चों की संख्या में बढ़ोत्तरी होने लगती है। खासकर कमजोर और कुपोषित बच्चों के लिए यह स्थिति जानलेना साबित हो सकती है। वहीं अगर डायरिया या डिहाइड्रेशन के लक्षणों को नजरअंदाज किया जाए, तो यह गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए आवश्यक है कि गर्मियों के मौसम में बच्चों की सेहत पर खास ध्यान दिया जाए और किसी भी तरह के लक्षणों को नजरअंदाज न किया जाए।

(अनन्या मिश्रा)

अगर डायरिया या डिहाइड्रेशन के लक्षणों को नजरअंदाज किया जाए, तो यह गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए आवश्यक है कि गर्मियों के मौसम में बच्चों की सेहत पर खास ध्यान दिया जाए और किसी भी तरह के लक्षणों को नजरअंदाज न किया जाए।जून का महीना आ चुका है और हर बीतते दिन तापमान में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। भीषण गर्मी और लू के कारण छोटे बच्चों में डायरिया, डिहाइड्रेशन, उल्टी, दस्त और बुखार जैसी स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से होने लगती हैं। वहीं हॉस्पिटल में इन समस्याओं से पीड़ित बच्चों की संख्या में बढ़ोत्तरी होने लगती है। खासकर कमजोर और कुपोषित बच्चों के लिए यह स्थिति जानलेना साबित हो सकती है। वहीं अगर डायरिया या डिहाइड्रेशन के लक्षणों को नजरअंदाज किया जाए, तो यह गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए आवश्यक है कि गर्मियों के मौसम में बच्चों की सेहत पर खास ध्यान दिया जाए और किसी भी तरह के लक्षणों को नजरअंदाज न किया जाए।

डायरिया क्या है- बता दें कि डायरिया एक पेट की ऐसी बीमारी है, जिनमें बार-बार पतला या पानी जैसा दस्त आने लगता है। यह स्थिति तब तक रहती है, जब तक कि पेट सही से खाना नहीं पचा पाता है या फिर किसी तरह का इंफेक्शन हो जाता है। इस बीमारी का सबसे ज्यादा बच्चों को खतरा होता है। डायरिया होने पर बॉडी से पानी और नमक तेजी से निकल जाता है, जिसके कारण बच्चा सुस्त या डिहाइड्रेट हो सकता है।

डायरिया से होने वाली मौत- विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल 5 वर्ष से कम उम्र के करीब 4.43 लाख और 5-9 वर्ष की उम्र के लगभग 50 हजार से अधिक बच्चों की डायरिया के कारण मौत होती है। ऐसे में डायरिया के लक्षणों को नजरअंदाज करने की गलती नहीं करनी चाहिए।

बच्चों में डायरिया के लक्षण

पेट में मरोड़ या दर्द होना
बार-बार पतला दस्त आना
उल्टी आना
तेज बुखार होना
सुस्ती या चिड़चिड़ापन होना
पेशाब कम होना या फिर रंग गहरा होना
अधिक प्यास लगना या फिर होंठ का सूखना
बच्चों में अधिक होता है डायरिया का खतरा

दरअसल, बच्चे का शरीर पूरी तरह से विकसित नहीं होता है, जिस कारण उनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। वहीं कई बार बच्चे बिना हाथ धोए खाना खा लेते हैं, या फिर खिलौने या अन्य गंदा सामान मुंह में डाल लेते हैं। जिससे बैक्टीरिया बच्चों के मुंह से होते हुए पेट में चले जाते हैं। इससे उनको डायरिया हो सकता है। वहीं गर्मियों में इंफेक्शन फैलने का खतरा अधिक होता है। इसलिए यह समस्या आम हो जाती है।

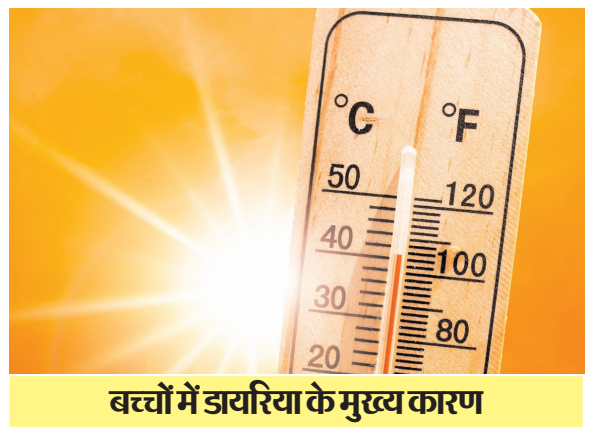

बच्चों में डायरिया के मुख्य कारण

गंदे हाथों से खाना खाना
कमजोर इम्यून सिस्टम
साफ-सफाई की कमी
गंदा पानी पीना
टीकाकरण की कमी
कुपोषण
गंदगी में खेलना

इन बातों का रखें खास ख्याल

नवजात बच्चे का शरीर बहुत नाजुक होता है, ऐसे में तापमान में हल्का सा दबाव भी उनके स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए उनकी देखभाल में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। इसलिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। बच्चे को 6 महीने तक सिर्फ मां का दूध ही पिलाना चाहिए। क्योंकि 6 महीने तक मां दूध ही बच्चे का खाना, पानी और दवा है। जन्म से करीब 6 महीने तक बच्चे को सीधी धूप, भीड़भाड़ वाली जगह या फिर गर्म कमरे में नहीं ले जाता चाहिए। वहीं बच्चो को कूलर या एसी की सीधी हवा नहीं लगने दें। लेकिन कमरा ठंडा रखें। नवजात बच्चे को हल्के रंग के कॉटन के ढीले कपड़े पहनाना चाहिए। वहीं अगर बच्चे के कपड़े बार-बार गीले हो रहे हैं, तो उनको फौरन बदल दें। गर्मियों में रैशेज का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए समय-समय पर डायपर चेंज करते रहें और स्किन को सूखा रखें। वहीं बच्चे को रोजाना हल्के गुनगुने या फिर सामान्य पानी से नहलाएं। नहलाने के फौरन बाद बच्चे के शरीर को सुखाकर कपड़े पहनाएं। नवजात बच्चे को गोल में लेने से पहले हाथों को जरूर धोना चाहिए। वहीं बच्चे के आसपास भी साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखना चाहिए। बच्चे को बुखार आने, सुस्त रहने या फिर अधिक रोने पर डॉक्टर को जरूर दिखाएं। यदि नवजात बच्चे को पसीना ज्यादा आ रहा है और वह दूध नहीं पी रहा है। वहीं बच्चा सुस्त है या लगातार रो रहा है, तो यह इंफेक्शन या डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे को फौरन डॉक्टर को दिखाएं।

खान-पान और हाइड्रेशन को लेकर बरतें ये सावधानियां- गर्मियों में बच्चे बहुत जल्दी थक जाते हैं और उनको पसीना भी ज्यादा आता है। ऐसे में शरीर से पानी जल्दी कम हो सकता है। इसलिए उनके खानपान की आदतों पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है।

बच्चे को गर्मियों में ऐसा खाना देना चाहिए, जो आसानी से पच जाए। आप उनको खिचड़ी, सब्जी रोटी, या फिर दाल चावल खाने को लें। वहीं बाहर का खाना बच्चों को बिलकुल भी न खाने दें।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने सुनी आम जनों की शिकायत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने आज जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्या सुनी। जनता दरबार में बिना बंटवारे के पैतृक संपत्ति पर कब्जा करने, सरकारी जमीन में अवैध कब्जा करने, परियोजना के लिए अधिग्रहित की गई जमीन का मुआवजा दिलाने, बीपीएल कोटा में पुत्री का नामांकन कराने, पंजी 2 में सुधार कराने, वासेपुर के उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय में मध्यान भोजन की जांच कराने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।उपायुक्त ने समस्या का समाधान करने के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया।

ऋणी किसानों का सत्यापन के बाद दें ऋण माफी योजना का लाभ : उपायुक्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने आज झारखंड कृषि ऋण माफी योजना की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 32, बैंक ऑफ इंडिया में 62 तथा झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक में 60 सहित जिले के 154 ऋणी किसानों में 112 ऋणी किसानों का सत्यापन पूरा कर लिया गया है। उपायुक्त ने जिन ऋणी किसानों का सत्यापन पूरा हो गया है उन्हें झारखंड कृषि ऋण माफी योजना का लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया। साथ ही शेष ऋणी किसान जिनकी अलग-अलग त्रुटियां मिली है, उसका सत्यापन शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा, अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

यूनियन बैंक डीजीएमएस शाखा के नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। यूनियन बैंक डीजीएमएस शाखा के नव निर्मित परिसर का उद्घाटन डीजीएमएस के उप महानिदेशक वीर प्रताप एवं यूनियन बैंक के अंचल प्रमुख, पटना अंचल, गुना नन्द गामी,यूनियन बैंक के क्षेत्र प्रमुख,क्षेत्रीय कार्यालय दीपमाला लकड़ा, डीजीएमएस शाखा प्रबंधक अरविंद सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर, दीप प्रज्वलित एवं शिलापट्ट का अनावरण कर किया गया। मुख्य अतिथि समेत सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम के अतिथियों ने बैंक शाखा में कार्यकारी लाऊंज का भी फीता काटकर उद्घाटन किया । इस अवसर पर समाजसेवी उदय प्रताप सिंह एवं उपस्थित बैंक के ग्राहकों को पौधा का गमला देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर यूनियन बैंक के सैकड़ो ग्राहक समारोह में उपस्थित थे।

अंचित कुमार बनें पंडवा थाना प्रभारी, लिया प्रभार

24 घंटे थाना क्षेत्र वासियों की सेवा में रहेंगे तत्पर : अंचित कुमार

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पंडवा थाना में मंगलवार को पंडवा थाना प्रभारी के रूप में अंचित कुमार ने प्रभार ले लिया। उन्होंने निवर्तमान थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव से प्रभार लिया। मौके पर न्यू वर्तमान थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने अंकित कुमार को गुलदस्ता भेंट कर थाना प्रभारी के रूप में बधाई के साथ शुभकामनाएं दी। प्रभार लेने के बाद थाना प्रभारी अंचित कुमार ने कहा कि पुलिस पदाधिकारियों व क्षेत्र के जनप्रतिनिधि समेत क्षेत्र के लोगों के साथ मिलजुल कर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। आप लोगों के लिए थाना का दरवाजा सदा खुला रहेगा। वह 24 घंटे थाना क्षेत्र वासियों की सेवा में तत्पर रहेंगे। पीड़ित व्यक्ति थाना आने से कदापि नहीं घबराएं। पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए पूरी कोशिश करेंगे। साथ ही दोषियों पर कड़ा एक्शन लेंगे।

दस दिन पूर्व बरात में आए 11 वर्षीय गौतम का अर्धनिर्मित कुंआ से मिला शव

सुआ का गौतम मानआहर गांव में एक जून को अपने पिता के साथ आया था बारात

मेदिनीनगर(पलामू)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पिछले दस दिनों से लापता बच्चे का शव पंड़वा थाना क्षेत्र के मानआहर गांव के एक अर्धनिर्मित कुंआ से बरामद किया गया। कुंआ सड़मा मध्य विद्यालय के बगल में स्थित है। कुंआ का उपरी हिस्सा पूरी तरह से समतल है। जानकारी के अनुसार एक जून को रामगढ़ थाना क्षेत्र के बेड़मा गांव से बरात पंड़वा थाना क्षेत्र के मानआहर के अनिल साव के घर आया था। उसी बारात में गौतम अपने पिता कुलदीप प्रसाद गुप्ता के साथ आया था। सुबह बारात वापस हो गई तब तक बच्चे की किसी ने कोई खोजबीन नहीं की। बारात जब बेड़मा वापस लौट गया तो कुलदीप प्रसाद गुप्ता अपने घर सदर थाना के सुआ गांव वापस आ गए। वहां अपने पुत्र गौतम को नहीं देखा तब खोजबीन करते हुए पुनः मानआहर गांव आया। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। इस मामले में गौतम के पिता कुलदीप प्रसाद गुप्ता ने पंड़वा थाना पुलिस को जानकारी दिया। मंगलवार को सुबह करीब साढ़े सात बजे एक महिला कुंआ के बगल से गुजर रही थी। तभी उसकी नजर कुंआ में तैर रहे शव पर पड़ी। महिला ने तत्काल इसकी सूचना गांव वालों को दी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पंड़वा पुलिस को दिया। जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कुएं से निकलवाया। बताया जाता है कि कुंआ से कुछ दूरी पर ही अनिल प्रसाद गुप्ता का घर है। वहीं रात्रि में बरात रूकी थी। आशंका व्यक्त की जा रही है कि रात होने के कारण बच्चा कुंआ में गिर गया होगा। क्योंकि कुंआ जमीन के बराबर है। कुंआ में पानी भी भरा हुआ था। पंडवा प्रभारी थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने बताया कि बच्चों की मौत कुएं में गिरने के कारण हुई है। मौके पर पाटन इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद ही स्पष्ट पता चल पाएगा कि बच्चे की मौत कुआं में गिरने से हुई है या अन्य किसी कारण से। सभी बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है । पंडवा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर भेजा। लेकिन 100 पूरी तरह सब जान के कारण यहां अंत्यपरीक्षण नहीं हो पाया। शव को रांची रिम्स में भेजने के लिए तैयारी की जा रही है।

राष्ट्रीय सर्जन सप्ताह के तहत सर्जरी विभाग में एंडोस्कोपी कैंप आयोजित

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज सह सदर अस्पताल के सर्जरी विभाग में मंगलवार को एंडोस्कोपी कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का विधिवत उद्घाटन अस्पताल अधीक्षक अजय कुमार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर पलामू सदर अस्पताल के सर्जरी विभाग के प्रमुख व पलामू के प्रसिद्ध सर्जन डॉ सुशील पांडेय, डॉ संजय कुमार, डॉ अमित प्रसाद वरीय रेजिडेंटस रेजिडेंस व इंटर्न छात्र -छात्राएं उपस्थित थे। बताते चलें कि पूरे देश में बीते 8 जून से राष्ट्रीय सर्जन सप्ताह मनाया जा रहा है। यह आगामी 15 जून को समाप्त होगा। इसी क्रम में पलामू जिला में भी राष्ट्रीय सर्जन सप्ताह मनाया जा रहा है। इस सप्ताह के दौरान ब्लड डोनेशन कैंप, कॉन्फ्रेंस एवं शैक्षणिक प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय सर्जन सप्ताह के तहत एंडोस्कोपी की ट्रेनिंग दी गई। इसका लाभ मेडिकल छात्र- छात्राओं को मिला। मेडिकल के छात्रों में काफी उत्सुकता देखी गई।

मौके पर अस्पताल अधीक्षक अजय कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय सर्जन सप्ताह का उद्देश्य है कि सर्जरी विभाग से जुड़े सभी डॉक्टर मेडिकल कर्मियों को यह एहसास कराना कि उनका बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। समाज में उनकी काफी उपयोगिता है। इसका एहसास भी लोगों को होना चाहिए। इससे लोगों को प्रेरणा मिले। पलामू जिला में सर्जरी विभाग के हेड डॉक्टर सुशील पांडेय ने कहा कि राष्ट्रीय सर्जन सप्ताह पलामू जिला में बहुत ही बेहतर तरीके से आयोजन किया जा रहा है। इसमें ब्लड डोनेशन कैंप, कॉन्फ्रेंस व शैक्षणिक प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है। इसका लाभ लोगों को मिल रहा है। 8 जून से 15 जून तक राष्ट्रीय सर्जन सप्ताह पूरे देश की तरह पलामू में भी मनाया जा रहा है।

14 जून को त्रिस्तरीय पंचायत जनप्रतिनिधियों के लिए विधिक जागरुकता शिविर का होगा आयोजन

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर उपायुक्त आर. रॉनिटा ने संबंधित अधिकारियों संग बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला के त्रिस्तरीय पंचायत जनप्रतिनिधियों के लिए एक दिवसीय विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन आगामी 14 जून 2025 को बिरसा कॉलेज, खूंटी के ऑडिटोरियम में किया जाएगा। इस अवसर पर झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय जज का आगमन प्रस्तावित है। उक्त कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर उपायुक्त श्रीमती आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने हेतु स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से पंचायत जनप्रतिनिधियों तथा आम लाभुकों को सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। इस बैठक में उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, परियोजना निदेशक आईटीडीए, जिला पचायती राज पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं अन्य सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजा रघुवंशी मर्डर केस : 5 घंटे तक फुलवारी शरीफ थाना में रही सोनम, पुलिस ने कड़ी सुरक्षा में भेजा एयरपोर्ट

पटना एयरपोर्ट से कोलकाता और फिर वहां से गुवाहाटी ले जाया जाएगा

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को मेघालय पुलिस ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंगलवार की सुबह करीब 6:30 बजे फुलवारी शरीफ थाना लाया था. राजधानी पटना लाने से पहले उसे बक्सर में भी रखा गया था वहां से पटना के फुलवारी शरीफ थाना लाकर रखा गया. पुलिस सूत्रों के मुताबिक पटना एयरपोर्ट से कोलकाता और फिर गुवाहाटी भेजा जाना है इसी सिलसिले में सोनम को फुलवारी थाना में रखा गया था. यहां उसे करीब पांच घंटे तक फुलवारी शरीफ थाना के अनुसंधान कक्षा में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रखा गया और कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई. इस दौरान मीडिया कर्मियों की भारी भीड़ फुलवारी शरीफ थाना में उसकी एक झलक कैद करने के लिए जमा हो गयी. करीब 5 घंटे तक फुलवारी शिव थाना परिसर में सोनम को रखा गया इस दौरान उसे यहां नाश्ता और चाय भेजा गया लेकिन कई घंटे तक उसने नाश्ता और चाय को छुआ तक नहीं हालांकि बाद में उसने नाश्ता भी किया और चाय भी पी. इस दौरान फुलवर्षिक थाना में एसपी सुशील कुमार सिंह और थाना अध्यक्ष के साथ मीडिया कर्मियों की काफी तु तु मैं में होने लगी. दरअसल पुलिस मीडिया कर्मियों की भारी भीड़ से पुलिस परेशान हो गई और सभी मिडिया वालों को थाना परिसर के बाहर जाने के लिए कहा इसके बाद मीडिया कर्मियों से विवाद होने लगा. मंगलवार को सुबह-सुबह ही राजा रघुवंशी हत्याकांड में पकड़ी गई उसकी पत्नी सोनम को फुलवारी थाना लाये जाने की खबरें मिलने के बाद ही पूरा फुलवारी शरीफ थाना सुर्खियों में आ गया.इस दौरान फुलवारी शरीफ थाना परिसर में भारी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों और सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई थी. करीब 11:30 बजे सोनम को पुलिस टीम कड़ी सुरक्षा के बीच पटना एयरपोर्ट के लिए लेकर रवाना हो गई. सबसे आगे आगे एक सफेद स्कॉर्पियो में एस डी पी ओ सुशील कुमार सिंह फिर दूसरे स्कोरपियो मे हत्यारोपी सोनम को पुलिस ने बिठाया और पीछे से पुलिस की टीम कई गाड़ियों में सवार होकर एस्कॉर्ट करते हुए एयरपोर्ट के लिए रवाना हुई. बताया जा रहा है कि सोनम रघुवंशी को हवाई मार्ग से मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग ले जाया जा रहा है, जहां इस चर्चित मर्डर केस की मुख्य विवेचना चल रही है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोनम के साथ उसके कथित प्रेमी राज कुशवाहा समेत इस मामले के अन्य आरोपियों को भी जल्द ही शिलॉन्ग कोर्ट में पेश किया जाएगा. राजा रघुवंशी की हत्या के बाद यह मामला लगातार चर्चाओं में है और पुलिस हर पहलू को खंगालने में जुटी है. फुलवारी शरीफ में सोनम की उपस्थिति को लेकर पूरे इलाके में पुलिस की सतर्कता बढ़ा दी गई थी.

महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रेखा सिंह ने हृदयानंद मिश्र से लिया आशीर्वाद

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पलामू जिला की नवनियुक्त महिला कांग्रेस अध्यक्ष रेखा सिंह झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व झारखंड सरकार हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य हृदयानंद मिश्र के घर जाकर आशीर्वाद लिया। साथ ही पथ प्रदर्शन व सांगठनिक गतिशीलता के गुर सिखा । मिश्र ने गांधी दर्शन व कांग्रेस के इतिहास की जानकारी सरल ढंग से दिया। मिश्र ने रेखा सिंह के सहजता, सरलता व सांगठनिक क्षमता की तारीफ किया। मिश्रा ने कहा कि वे आशान्वित हैं कि रेखा सिंह के नेतृत्व में पलामू जिला महिला कांग्रेस एक सशक्त संगठन के रूप में उभरेगा।

डॉ. राम मनोहर लोहिया खेल क्लब भवन निर्माण शुभारंभ वादा नहीं, विकास का प्रमाण है : श्याम रजक

फुलवारीशरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। फुलवारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत फुलवारीशरीफ प्रखंड के कोरियावां पंचायत के ग्राम नगवां में मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के तहत डॉ. राम मनोहर लोहिया खेल क्लब भवन का कार्य विधान पार्षद श्री रविन्द्र प्रसाद सिंह जी के पार्षद योजना निधि से शुभारंभ हुआ. कार्यक्रम में भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर मोमबत्ती जलाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए. कार्यक्रम की अध्यक्षता अम्बिका प्रसाद ने की और संचालन कोरियावां पंचायत अध्यक्ष कमलदेव प्रसाद ने किया. इस दौरान गणेश बाबू ने माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र, मोमेंटम देकर सम्मानित किया. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में खेल कूद को बढ़ावा देने के लिए खेल क्लब भवनों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे बिहार के छात्र-छात्राओं, युवाओं और ग्रामीण खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा. खेल भावना को मुख्यधारा में रखते हुए यह कार्य स्वस्थ बिहार की ओर अग्रसर कर रहा है. इस दौरान गांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है. एक वृक्ष लगाना केवल प्रकृति की सेवा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित करना है. इस अवसर पर विधान पार्षद रविन्द्र प्रसाद सिंह, विधान पार्षद नीरज कुमार, प्रखंड अध्यक्ष जदयू रामप्रवेश सिंह, जदयू पटना महानगर अध्यक्ष आसिफ कमाल, फुलवारी विधानसभा जदयू प्रभारी प्रिय रंजन पटेल, जदयू नेता रत्नेश पटेल, फुलवारीशरीफ बीस सूत्री सदस्य संजय कुमार दिवाकर, राजू रजक, जदयू नेता रामप्रवेश बाबू, सुनील कुमार, जदयू किसान प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष कर्मवीर आजाद, दीलीप कुमार, लाल बाबू चन्द्रवंशी, जदयू प्रदेश प्रवक्ता अमित माधव सहित गणमान्य नेतागण, जदयू कार्यकताओं और स्थानीय ग्रामीणों की मौजूदगी रही.

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने को हेमंत सरकार गंभीर: वित्त मंत्री

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सूबे के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने मंगलवार को जिले के सुदूरवर्ती प्रखंड गोमिया अंतर्गत झुमरा पहाड़ गांव पहुंचे। सबसे पहले वे राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय पहुंचे। बच्चों और शिक्षकों से सुविधाओं और पठन- पाठन के बाबत जानकारी ली। ग्रामीणों से मिले और समस्याओं से अवगत हुए। जिसके बाद वे पुलिस कैंप पहुंचे और झुमरा एक्शन प्लान की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा और वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य के पहाड़ी और पठार क्षेत्रों यानि सुदूरवर्ती क्षेत्र स्थित गांवों और निवास कर रहे गरीब, वंचित के विकास के साथ साथ सामाजिक व आर्थिक उत्थान को लेकर सजग हैं और इसी उद्देश्य की पूर्ति को लेकर वे यहां आए हैं। जिन बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था नहीं हो पाई है, उसे अविलंब स्थापित करें और लोगों को इसका अधिक से अधिक लाभ और सहूलियत मिल सके, इसके लिए अधिकारी भी सजग रहे और इस दिशा में काम करते रहें। उन्होंने समीक्षा बैठक के दौरान झुमरा पहाड़ में गेस्ट हाउस और कोल्ड स्टोर के निर्माण की बात कहीं। मौके पर पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, एसडीपीओ बीएन सिंह, जिला योजना पदाधिकारी राज कुमार शर्मा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खलको, बीडीओ गोमिया महादेव कुमार महतो, सीओ आफताब आलम सहित जिले के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जब शिक्षक बन गए वित्त मंत्री, प्रश्नों का जवाब पाकर हुए खुश

राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय, झुमरा पहाड़ के निरीक्षण के दौरान माननीय वित्त वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर शिक्षक की भूमिका में भी दिखें। बच्चों से उन्होंने बात की, नाम पूछा और ब्लैक बोर्ड पर हिंदी और अंग्रेजी के अक्षर लिख बच्चों से पहचानकर जवाब देने को कहा। बच्चों ने निराश नहीं किया और सभी का सही जवाब दिया। जिस पर माननीय मंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की और बच्चों की पीठ थप-थपाई। वे कक्षा नौ भी गए, छात्रों से हाथ मिलाया, नाम पूछा। छात्र राकेश कुमार किस्कू से उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री का नाम और राज्य की राजधानी पूछी। छात्र ने तुरंत उत्तर दिया। जिसे माननीय मंत्री सुनकर काफी खुश हुए। लेकिन पीछे से उनके साथ आए व्यक्ति ने झारखंड के वित्त मंत्री कौन हैं, यह पूछ लिया। छात्रों ने माननीय मंत्री से कहा कि सर, आप ही हैं। जिसके बाद उन्होंने छात्र से हाथ मिलाते हुए कहा कि आपने सही कहा। उन्होंने काफी समय बच्चों के साथ व्यतीत किया।

शिक्षा सचिव व सिविल सर्जन से बात कर कमियों को दूर करने दिया निर्देश

विद्यालय परिसर में ग्रामीणों द्वारा स्कूल की चहारदीवारी नहीं होने से बच्चों को परेशानी होने, शिक्षकों की कमी, वर्षों से बनकर तैयार और अब तक स्वास्थ्य उपकेंद्र के चालू नहीं होने आदि समस्याओं से माननीय मंत्री को अवगत कराया। इस पर माननीय मंत्री ने त्वरित संज्ञान लेते हुए शिक्षा विभाग के सचिव को फोन किया और शिक्षकों की कमी दूर करने का निर्देश दिया। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि अविलंब यहां शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति हो जाएगी।

शैक्षणिक भ्रमण : कुमुदिनी शिशु विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने किया संजय गाँधी जैविक उद्यान का अवलोकन

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कुमुदिनी एजुकेशनल कम चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में संचालित कुमुदिनी शिशु विद्या मंदिर के 11 विद्यार्थियों को संजय गाँधी जैविक उद्यान (पटना चिड़ियाघर) का निःशुल्क शैक्षणिक भ्रमण कराया गया. इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति, वन्यजीवन और जैव विविधता के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करना था. यह भ्रमण विद्यालय की प्राचार्या अंकिता कुमारी के नेतृत्व व देखरेख में सम्पन्न हुआ. बच्चों ने विभिन्न प्रजातियों के पशु-पक्षियों को देखा और उनके जीवन, व्यवहार एवं संरक्षण की जानकारी प्राप्त की. उन्होंने बाघ, शेर, हाथी, जिराफ, दरियाई घोड़ा, मगरमच्छ और विभिन्न प्रकार के पक्षियों को नजदीक से देखा. प्राचार्या अंकिता कुमारी ने बच्चों को प्रत्येक प्रजाति की विशेषताओं के बारे में जानकारी दी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया. विद्यालय की ओर से बताया गया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के समग्र विकास में सहायक होते हैं. ये भ्रमण न केवल पाठ्यपुस्तक आधारित ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ते हैं, बल्कि विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता भी विकसित करते हैं. ट्रस्ट ने बच्चों के भ्रमण, प्रवेश शुल्क, परिवहन और अल्पाहार की समुचित व्यवस्था की. ट्रस्ट की अध्यक्षा उषा कुमारी ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक व सामाजिक गतिविधियों के आयोजन लगातार किए जाएंगे ताकि बच्चों का बौद्धिक, भावनात्मक और नैतिक विकास सुनिश्चित किया जा सके. विद्यालय परिवार ने इस सफल आयोजन हेतु ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया.

फुलवारीशरीफ जदयू बूथ कार्यकर्ता सम्मान सह संवाद सम्मेलन

फुलवारीशरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। फुलवारी विधानसभा क्षेत्र फुलवारीशरीफ जदयू कार्यालय में फुलवारीशरीफ प्रखंड एवं पुनपुन प्रखंड के जदयू पदाधिकारियों की आयोजित बैठक में सम्मिलित हुए. बैठक में बूथ कार्यकर्ता सम्मान सह संवाद कार्यक्रम करने तथा बूथ कमिटी के अध्यक्ष एवं बीएलओ 2 बनाने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत रूप से विचार-विमर्श हुआ. बैठक में यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 22 जून को फुलवारी स्तरीय बूथ कार्यकर्ता संवाद सह सम्मान कार्यक्रम का आयोजन होगा तथा 29 जून को पुनपुन स्तरीय बूथ कार्यकर्ता संवाद सह सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. इस बैठक में पटना जिला प्रभारी जदयू मनोरंजन गिरि, पटना ग्रामीण जिलाध्यक्ष अशोक सिंह, जदयू पटना महानगर मो० आसीफ कमाल, फुलवारी विधानसभा जदयू प्रभारी प्रिय रंजन पटेल, पुनपुन प्रखंड अध्यक्ष अनिल सहनी, फुलवारीशरीफ प्रखंड अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह, फुलवारीशरीफ नगर परिषद अध्यक्ष मो. मिनहाज, रामकृष्ण नगर सेक्टर अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रसाद, फुलवारीशरीफ अतिपिछड़ा जदयू प्रखंड लाल बाबू पंडित, ओम सिंह, अंजनी सिंह, फुलवारीशरीफ प्रखंड बीस सूत्री सदस्य राजू रजक, श्रीकांत रजक, सुनील कुमार, संजय दिवाकर, सहित गणमान्य नेतागण व कार्यकर्तागण मौजूद रहे.

चोरों का आतंक, बंद फ्लैट से लाखों के गहने और नगद लेकर हुए फरार

जांच में जुटी पुलिस, 26 लाख के जेवरात समेत नगद चोरी कर हुए फरार

बिहटा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहटा थानाक्षेत्र के जी जे कॉलेज रोड में अज्ञात चोरों ने एक बंद फ्लैट को अपना निशाना बनाते हुए तकरीबन 25 से 26 लाख के गहने और नगद रुपए लेकर फरार हो गए। जब इसकी जानकारी फ्लैट के मालिक को स्थानीय लोगों के द्वारा और 112 डायल के द्वारा पता चला तो फ्लैट के अंदर पहुंचे तो देखा की फ्लैट के अंदर सभी कमरों में सामान बिखरा पड़ा हुआ है।जबकि कीमती गहने और नगद रुपए गायब है।जिसके बाद स्थानीय पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पीड़ित मनीष कुमार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ बिहटा थाना में मामला दर्ज कराया है। मनीष कुमार ने बताया कि मकान में हम लोगों का दो फ्लैट 103 और 108 लेकिन इन दिनों काफी गर्मी होने के कारण 108 फ्लैट के कमरों में एसी लगा हुआ है। जिसके कारण हम सभी लोग रात में सोने के लिए 108 में चले जाते हैं ।कल रात्रि को भी हम लोग 108 में सोने के लिए चले गए और सुबह अचानक सूचना मिला कि 103 के फ्लैट में चोरी हो गई है।चोर पीछे के रास्ते सीढ़ी लगाकर घर के खिड़की को तोड़कर घुसे थे। घर में रखे 25 से 26 लाख के गहने नगद लेकर फरार हो गए ।थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा ने बताया की एक मकान से चोरी होने की सूचना प्राप्त हुई है ।सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गई है।इस संबंध में फ्लैट के मालिक मनीष कुमार के द्वारा अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। जिसमें बताया गया है कि घर लगभग 25 से 26 लाख के गहने और नगद रुपए और अन्य सामानों की चोरी हुई है।

एनारॉक की रिपोर्ट

सुविधाओं के नाम पर कारपेट एरिया घटा रहे बिल्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रमुख शहरों की आवासीय परियोजनाओं में साझा सुविधाएं मुहैया कराने के नाम पर बिल्डरों ने कारपेट एरिया घटाकर औसत लोडिंग को 40 फीसदी तक पहुंचा दिया है ।इससे पिछले कुछवर्षों से फ्लैट मालिकों को रहने लायक जगह कम मिल पा रही है ।एनारॉक की रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में औसत लोडिंग अनुपात 31 फीसदी था, जो मार्च, 2025 तिमाही में बढ़कर 40 फीसदी पहुंच गया। किसी आवासीय परियोजना में साझा सुविधाओं के लिए इस्तेमाल जमीन को भी जोड़कर फ्लैट की बिक्री की जाती है। इस पूरे क्षेत्रफल को सुपर बिल्टअप

एरिया कहा जाता है, जबकि फ्लैट के भीतर की जगह कारपेट एरिया कही जाती है। इन दोनों के बीच अंतर को लोडिंग अनुपात कहा जाता है।

60 फीसदी हिस्सा ही रहने लायक– शीर्ष सात शहरों में फ्लैट की कुल जगह का 60 फीसदी हिस्सा ही रहने लायक है ।बाकी 40 फीसदी क्षेत्र लिफ्ट, लॉबी, क्लब हाउस जैसी साझा सुविधाओं में चला जाता है।

मुंबई महानगर क्षेत्र में औसत लोडिंग सबसे – धिक 43 फीसदी पहुंच गईहै, जो 2019 में 33 फीसदी थी ।चेन्नई में सबसे कम 36 फीसदी है। दिल्ली–एनसीआर में औसत लोडिंग 31 फीसदी से बढ़कर 41 फीसदी पहुंची ।बंगलूरू में यह 41 फीसदी, पुणे में 40 फीसदी, हैदराबाद में 38 फीसदी और कोलकाता में 39 फीसदी हो गई।

कारपेट एरिया का उल्लेख जरूरी– एनारॉक ग्रुप के क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रमुख (शोध–परामर्श) प्रशांत ठाकुर ने कहा, नियामक रेरा के तहत अब डेवलपरों के लिए फ्लैट खरीदने वालों को दिए जाने वाले कुल कारपेट एरिया का उल्लेख करना जरूरी है। लेकिन, फिलहाल किसी भी कानून में परियोजनाओं के लोडिंग फैक्टर को सीमित नहीं किया गया है।

पीयूष गोयल ने कहा

चार यूरोपीय देशों के समूह के साथ मुक्त व्यापार समझौता सितंबर तक लागू होने की संभावना

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस साल सितंबर से लागू होने की संभावना है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य देशों में आइसलैंड, लिश्टेंसटाइन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

15 वर्षों में 100 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता– दोनों पक्षों ने पिछले साल 10 मार्च को व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते पर

हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत भारत को इस समूह से 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता मिली है जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे एवं पॉलिश किए गए हीरे जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति होगी।

चार देशों की संसदों से मंजूरी मिली– गोयल ने ईएफटीए के साथ व्यापार समझौते पर कहा कि यह सितंबर तक लागू हो जाएगा। इस समझौते को सभी चार देशों की संसदों से मंजूरी मिल गई है। हालांकि स्विट्जरलैंड में इस पर 10 जुलाई तक आपत्ति की जा सकती है। जुलाई और अगस्त के महीनों में यहां छुट्टियां रहती हैं।

मशीनरी विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में रुचि– गोयल भारत और स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए आधिकारिक यात्रा पर आए हैं।

होम लोन के साथ जीवन बीमा जरूरी

घर और परिवार से परेशानियां बनाए रहेंगी दूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। आजकल घर खरीदने का सबसे आम तरीका है होम लोन लेना, लेकिन रियल एस्टेट की बढ़ती कीमतों के कारण यह बड़ा वित्तीय बोझ बन जाता है। ऐसे में होम लोन के लिए लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी लेना समझदारी है। यह न केवल आपको बिना टेंशन लोन चुकाने में मदद करता है, बल्कि परिवार को वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करता है। अगर अनहोनी हो, तो लोन की जिम्मेदारी परिवार पर नहीं पड़ेगी। आइए वित्तीय सलाहकार बलवंत जैन से समझते हैं होम लोन के साथ लाइफ इंश्योरेंस लेना क्यों जरूरी है और इसे कैसे लेना चाहिए।

होम लोन के लिए लाइफ इंश्योरेंस क्यों जरूरी– होम लोन की ईएमआई अक्सर परिवार की मासिक आमदनी का बड़ा हिस्सा होती है। अगर कमाने वाले व्यक्ति के साथ कुछ अनहोनी हो जाए, तो परिवार के लिए घर चलाना मुश्किल हो सकता है, लोन चुकाना तो दूर की बात। फाइनेंशियल प्लानिंग कहती है कि सभी वित्तीय जिम्मेदारियों को कवर करने के लिए लाइफ इंश्योरेंस जरूरी है। होम लोन एक नई जिम्मेदारी है। लोन के बराबर बीमा पॉलिसी लेने से यह सुनिश्चित होता है कि आपके जाने के बाद वारिसों को घर मिले, लेकिन लोन का बोझ नहीं। इससे परिवार के ऊपर दोहरी मुसीबत - कमाने वाले की वित्तीय हानि और घर खोने का खतरा- आने से बच जाती है।

अन्य बीमा जरूरतों से अलग है यह बीमा– यहां बात हो रही लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी आपकी मौजूदा बीमा पॉलिसी से अलग है। यह खास तौर पर होम लोन को कवर करने के लिए होती है। यह आपके परिवार को लोन की जिम्मेदारी से बचाती है और घर को सुरक्षित रखती है। इस तरह, यह पॉलिसी एक खास उद्देश्य के लिए डिजाइन की जाती है, जो आपकी अन्य बीमा जरूरतों से अलग होती है।

कैसे लेना चाहिए इंश्योरेंस– बीमा हमेशा टर्म प्लान के जरिए लेना चाहिए, न कि अन्य पॉलिसी के रूप में। ऑनलाइन टर्म प्लान सस्ते और सुविधाजनक होते हैं। बीमा की अवधि होम लोन की अवधि जितनी होनी चाहिए। लोन देने वाली कंपनियां अक्सर एकमुश्त प्रीमियम वाली पॉलिसी सुझाती हैं, जिसे लोन में जोड़कर ईएमआई से वसूला जाता है। लेकिन यह ठीक नहीं।

सालाना प्रीमियम बेहतर

सालाना प्रीमियम वाला टर्म प्लान चुनें। अगर बीमा कंपनी इसे होम लोन के हिसाब से कस्टमाइज करे, तो हर साल के अंत में बीमा राशि को बचे हुए लोन के अनुसार घटाने को कहें। इससे बीमा सस्ता और सुविधाजनक होगा। यह तरीका आपके लिए लागत को नियंत्रित करने और जरूरत के हिसाब से कवरेज को समायोजित करने में मदद करता है।

लोन देने वाले से बीमा लेना अनिवार्य– कोई बैंकिंग नियम या कानून नहीं कहता कि होम लोन लेने के बाद उसी से बीमा लेना जरूरी है। बैंक और फाइनेंस कंपनियां ऐसा दबाव बनाती हैं ताकि लोन न चुकाने की स्थिति में उन्हें प्रॉपर्टी कब्जे और नीलामी की परेशानी न उठानी पड़े। वे अक्सर अपनी संबद्ध बीमा कंपनियों से पॉलिसी बेचने की कोशिश करते हैं।

प्रोटीन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज को मिला 100 करोड़ रुपये का काम

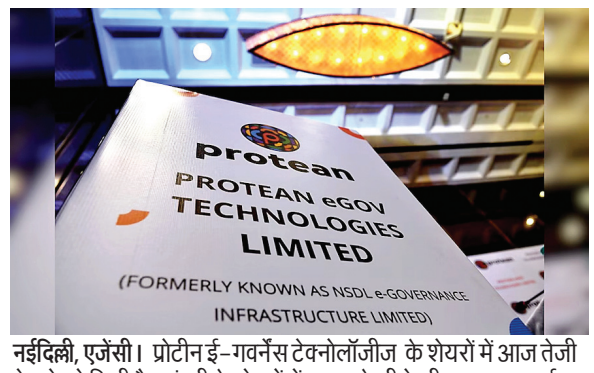

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रोटीन ई–गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज के शेयरों में आज तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में उछाल के पीछे की वजह नया वर्क ऑर्डर को माना जा रहा है। सोमवार को बाजार के बंद होने के बाद कंपनी ने इस वर्क ऑर्डर की जानकारी शेयर बाजारों के साथ साझा किया है।

1000 रुपये के पार पहुंच गया शेयर– बीएसई में प्रोटीन ई–गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज के शेयरों का भाव 990.05 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयरों का भाव 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 1009 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। हालांकि, इसके बाद भी कंपनी के शेयरों की कीमतों में नरमी देखने को मिली है।

बीमा सुगम से मिला है कंपनी को काम– 9 जून 2025 को बाजार के बंद होने के बाद प्रोटीन ई–गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज ने बताया कि बीमा सुगम इंडिया फेडरेशन से काम मिला है। त्र्रक्रप्रक्रिया के तहत मिले इस काम की वैल्यू 100 करोड़ रुपये के करीब है।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा है– यह स्टॉक शेयर बाजार में कंपनी संघर्ष कर रही है। बीते एक हफ्ते में यह स्टॉक 3.62 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। लेकिन एक महीने में यह स्टॉक 22 प्रतिशत टूटा है। वहीं, 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 49 प्रतिशत गिरा है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 12 प्रतिशत टूटा है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 2225 रुपये है। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 944 रुपये है।

डोनाल्ड ट्रंप का एक बयान और एलन मस्क की लग गई लॉटरी!

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क के बीच आजकल संबंध बिगड़े हुए हैं। इस बीच ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह टेस्ला या स्टारलिंक से पीछा छुड़ाने नहीं जा रहे हैं। इससे इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में 5 फीसदी तेजी

आई। इससे कंपनी के सीईओ एलन मस्क की नेटवर्थ में 13.9 अरब डॉलर की उछाल आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 356 अरब पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 76.2 अरब डॉलर की गिरावट आई है। टेस्ला 993.92 अरब डॉलर मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। दुनिया की टॉप वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में यह 11वें नंबर पर है। माइक्रोसॉफ्ट 3.513 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। उसके बाद एनवीडिया (3.478 ट्रिलियन), ऐपल (3.045 ट्रिलियन), ऐमजॉन (2.303 ट्रिलियन) और गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट (2.114 ट्रिलियन) का नंबर है। मेटा प्लेटफॉर्म, सऊदी अरामको, ब्रॉडकॉम, टीएसएमसी और बर्कशायर हैथवे टॉप 10 में शामिल हैं।

चांदी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 2025 में बनाई नई ऊंचाई

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में चांदी ने 2025 में सभी कमोडिटीज को पीछे छोड़ दिया है। पिछले हफ्ते एमसीएक्स पर इसकी कीमत 1,06,138 प्रति किलो के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। आज सर्राफा बाजारों में चांदी बिना जीएसटी 105560 रुपये प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। निवेशकों और एक्सपर्ट्स की नजर अब इसी पर टिकी है। आइए समझें क्यों उड़ रही है चांदी जानें 3 बड़े कारण...

1. **सेफ-हेवन डिमांड:** रूस-यूक्रेन जंग और ग्लोबल तनाव के बीच लोगों ने चांदी को सुरक्षित निवेश माना।
2. **इंडस्ट्री का भूखा पेट:** सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए चांदी की मांग आसमान छू रही है।

3. **सप्लाई किल्लत:** रूस (दुनिया के टॉप-10 सिल्वर प्रोड्यूसर्स में से एक) से सप्लाई रुकने का डर। पहले से ही दुनिया में पिछले 5 साल से चांदी की कमी चल रही थी।

सोने को भी पीछे छोड़ा

आनंद राठी के नवीन माथुर का अनुमान है, 2025 में एमसीएक्स सिल्वर 1,15,000 से 1,23,000/केजी तक पहुंच सकता है। यानी अभी के भाव से 20 प्रतिशत तक का फायदा। रिच डैड पुअर डैड लेखक रॉबर्ट कियोसाकी का अनुमान है कि चांदी आज भी सबसे सस्ता निवेश है! इस साल 70/औंस (अंतरराष्ट्रीय बाजार) तक पहुंचने की उम्मीद है।

गरीबों के गोल्ड यानी चांदी का कमाल

2011 के पीक के बाद चांदी 10 साल तक लुढ़कती रही। 2020 से जादू चला और कोविड के बाद से लगातार तेजी जारी है। सोने की बढ़त से शुरुआत, फिर खुद के दम पर उड़ान। इसे डबल रोल यानी गहने बनाने प्लस इंडस्ट्री में काम आने वाली एकमात्र धातु होने का भी लाभ मिल रहा है।

कुछ अलग करने की थी चाहत...

सिर्फ 5,000 रुपये से शुरू किया काम, अब 70 करोड़ का टर्नओवर

नईदिल्ली, एजेंसी। जोधपुर के श्रवण डागा ने सिर्फ 5,000 रुपये से शुरुआत करके 70 करोड़ रुपये का आयुर्वेदिक जूस ब्रांड खड़ा किया है। उन्होंने 2007 में कृष्णा हर्बल एंड आयुर्वेद की शुरुआत की थी। उनका लक्ष्य था आयुर्वेदिक उत्पादों को हर घर में पहुंचाना। आज उनकी कंपनी 170 उत्पादों के साथ 70 करोड़ रुपये का कारोबार कर रही है। श्रवण ने यह सब तब शुरू किया जब परिवार के व्यवसाय को आगे बढ़ाना एक आम बात थी। हालांकि उन्होंने अपना अलग रास्ता बनाया। आइए, यहां श्रवण डागा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

परिवार के व्यवसाय से नहीं जुड़े – श्रवण डागा का परिवार जोधपुर में लोहे और स्टील के कारोबार में था। उनसे उम्मीद थी कि वह भी यही काम करेंगे। लेकिन, श्रवण ने कुछ और करने की सोची। वह बचपन में बहुत शरारती थे। पढ़ाई में भी बहुत अच्छे नहीं थे। इस वजह से उन्हें माउंट आबू के एक स्कूल में भेजा गया। वहां उन्होंने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की। बाद में वह दिल्ली पब्लिक स्कूल, जोधपुर में पढ़े। 2007 में उन्होंने ओंकारमल सोमानी कॉलेज ऑफ कॉमर्स, जोधपुर से बीकॉम किया। उसी साल उन्होंने कृष्णा हर्बल एंड आयुर्वेद की भी शुरुआत की।

सिर्फ 5,000 रुपये से शुरू किया काम – 2007 में 23 साल की उम्र में श्रवण ने सिर्फ 5,000 रुपये के निवेश से अपना कारोबार शुरू किया।

थर्ड-पार्टी मैन्युफैक्चरर के तौर पर भी काम किया

श्रवण ने सिर्फ एक उत्पाद से शुरुआत की थी। लेकिन, बाद में उन्होंने 170 उत्पादों का पोर्टफोलियो बना लिया। जब उनका एलोवेरा जूस लोकप्रिय हो गया तो लोग उनसे दूसरे जूस, हर्बल पाउडर, हर्बल टैबलेट और यहां तक कि कॉस्मेटिक्स भी मांगने लगे। श्रवण ने कई व्यापार प्रदर्शनियों में भाग लिया। इससे उन्हें नए बिजनेस आइडिया मिले। हालांकि, लोगों को पहले एक नए आयुर्वेदिक उत्पाद के बारे में समझाना आसान नहीं था। अपना ब्रांड बनाने के साथ उन्होंने दो कंपनियों के लिए थर्ड–पार्टी मैन्युफैक्चरर के तौर पर भी काम किया। वह उनके लिए एलोवेरा जूस बनाते थे। यह उनका सबसे ज्यादा बिकने वाला उत्पाद बन गया। तभी श्रवण को एहसास हुआ कि उनके पास एक सफल उत्पाद है।

2 टुकड़ों में बंटने वाला है डिफेंस कंपनी का शेयर

डिविडेंड भी देगी कंपनी, शेयर खरीदने की लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस इंजीनियरिंग कंपनी पारस डिफेंस स्टॉक के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 2 प्रतिशत तक चढ़कर 1638 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने कहा है कि उसे इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन या स्टॉक विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। पारस डिफेंस द्वारा यह पहला स्टॉक विभाजन है।

कंपनी का कारोबार– मार्च तिमाही में पारस डिफेंस ने नेट प्रॉफिट में 97 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 10 करोड़ रुपये की तुलना में 19.7 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी का रेवेन्यू भी पिछले वर्ष की तिमाही के 79.7 करोड़ रुपये से 35.8 प्रतिशत बढ़कर 108.2 करोड़ रुपये हो गया। पारस डिफेंस की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय बढ़कर 28.3 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल के 3.4 करोड़ रुपये से उल्लेखनीय वृद्धि है, जबकि मार्जिन एक साल पहले के 15.6 प्रतिशत से लगभग 10 प्रतिशत अंक बढ़कर 26.2 प्रतिशत हो गया।

क्या है डिटेल

पारस डिफेंस ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा, आपको सूचित किया जाता है कि पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (कंपनी) के शेयरधारकों ने 07 जून, 2025 को पोस्टल बैलट के माध्यम से साधारण संकल्प के माध्यम से इक्विटी शेयरों के उप–विभाजन/विभाजन और कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) के कैपिटल क्लॉज में बदलाव को मंजूरी दे दी है। 9 जून की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, 7 जून, 2025 को आयोजित एजीएम में 99.995 प्रतिशत शेयरधारकों ने प्रस्ताव को मंजूरी दी। बता दें कि पारस डिफेंस ने 30 अप्रैल को अपनी त्त4 स्त्रद्व25 आय के दौरान 1:2 स्टॉक स्प्लिट और 0.50 रुपये प्रति शेयर का अपना पहला डिविडेंड घोषित किया है।

30,000 करोड़ के मिसाइल सिस्टम खरीदने की तैयारी में भारत

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस सेक्टर के शेयरों में आज मंगलवार को तगड़ी तेजी देखी गई है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल), बीईएमएल, भारत डायनेमिक्स (बीडीएल), डेटा पैटर्न, पारस डिफेंस और अन्य डिफेंस शेयरों में 5 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई है। इन शेयरों में तेजी के पीछे एक खबर है। दरअसल, खबर है भारतीय सेना 30,000 करोड़ रुपये की स्वदेशी क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम) सिस्टम खरीदने जा रही है।

किन शेयरों में कितनी तेजी– डिफेंस शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त डेटा पैटर्न के शेयरों में हुई, जो 4.83 प्रतिशत बढ़कर 3,097.65 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया, इसके बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का स्थान रहा, जो 2.6 प्रतिशत बढ़कर 5,138 रुपये पर पहुंच गया। डेटा पैटर्न और बीडीएल ने बढ़त हासिल की, जबकि बीईएल ने रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल की।

क्या है क्यूआरएसएएम सिस्टम

क्यूआरएसएएम सिस्टम को हाई गतिशीलता और तेजी से तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है। चलते समय या छोटे ठहराव के दौरान लक्ष्यों की खोज, ट्रैकिंग और फायरिंग करने में सक्षम, मिसाइल सिस्टम सेना की वायु रक्षा संरचनाओं को एक स्ट्रैटेजिक एडवांटेज प्रदान करता है। लगभग 30 किमी की परिचालन सीमा के साथ, क्यूआरएसएएम आकाश और मिड टूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्लेटफॉर्म जैसी मौजूदा सिस्टम का पूरक होगा। आर्मी एयर डिफेंस एक साथ नए रडार सिस्टम, बहुत कम दूरी की एयर डिफेंस सिस्टम और जैमर और लेजर–आधारित सिस्टम सहित ड्रोन काउंटरमेशर्स को शामिल कर रहा है। ये उभरते हवाई खतरों, विशेष रूप

रिपोर्ट में दावा: दो साल में 3 करोड़ को रोजगार, 4 करोड़ बढ़ी कामकाजी आबादी

महिलाओं की भागीदारी में भी उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। कोविड काल 2020-21 में 2.28 करोड़ नौकरियां जाने के बाद देश में पिछले दो वित्त वर्षों 2023-24 और 2024-25 के दौरान 3.06 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। इस दौरान कामकाजी आबादी के मुकाबले रोजगार में दोगुनी से अधिक वृद्धि रही। रोजगार में महिलाओं की स्थिति में भी तेजी से सुधार हुआहै। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) ने रिपोर्ट में दावा किया है कि 2023-24 और 2024-25 में हर साल 1.50 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला।यह सामान्य वर्ष में बड़ी वृद्धि है।कोविड काल के बाद सुधार वाले वित्त वर्ष 2021-22 में भी सिर्फ 1.25 करोड़ रोजगार का ही सृजन हुआ था। दो वित्त वर्षों में मिले कुल 3.06 करोड़ रोजगार में महिलाओं की हिस्सेदारी 1.28 करोड़ या 42 फीसदी रही।इनमें 2023-24 में सृजित 1.52 करोड़ रोजगार में महिलाओं की संख्या 78 लाख थी।2024-25 में जिन 1.54 करोड़ लोगों को रोजगार मिला, उनमें 50 लाख महिलाएं थीं।दो वित्त वर्षों में कामकाजी आबादी 4.14

करोड़ बढ़ी है।

कृषि क्षेत्र से पलायन जारी गैर-कृषि रोजगार में उछाल– कम वेतन के कारणकृषि क्षेत्र से पलायन जारी है।2022-23 में कृषि क्षेत्र में 1.1 करोड़ रोजगार खत्म हुए। 2023-24 में 10 लाख से भी कम रोजगार सृजित हुए, लेकिन 2024-25 में फिर 23 लाख लोग कृषि क्षेत्र से बाहर निकल गए। इसके विपरीत, गैर-कृषि रोजगार में 2022-23 में 1.28 करोड़, 2023-24 में 1.44 करोड़ और 2024-25 में 1.77 करोड़ की वृद्धि हुई। इस प्रकार, गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार की संख्या 2021-22 के 23.8 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 28.3 करोड़ पहुंच गई।

वृद्धि में शहरी क्षेत्र का अहम योगदान– रोजगार वृद्धि में शहरी क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।इसकी प्रमुख वजह ग्रामीण इलाकों के मुकाबले शहरों में बेहतर भुगतान मिलना है।रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 में सृजित कुल रोजगार में शहरी इलाकों की हिस्सेदारी 48 फीसदी रही।2024-25 में यह और बढ़कर 65 फीसदी पहुंच गई।शहरी भारत में 36 फीसदी कामकाजी आबादी रहती है।

केबल ऑपरेटरों ने खत्म किए 1.95 लाख रोजगार

ऑल इंडिया डिजिटल केबल फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) एवं ईवाई इंडिया की एक संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक, भुगतान आधारित केबल टीवी कनेक्शन वाले घरों की संख्या 2018 के मुकाबले चार करोड़ घटकर 2024 में 11.1 करोड़ रह गई। ऐसी स्थिति में स्थानीय केबल ऑपरेटरों ने अनुमानित तौर पर 1.14 लाख से 1.95 लाख तक रोजगार में कटौती कर दी। रोजगार में 2018 से 2024 के दौरान 31 फीसदी की कमी दर्ज की गई ।रिपोर्ट के मुताबिक, 2018 में इन कनेक्शनों की संख्या 15.1 करोड़ थी, जो घटकर 2024 में 11.1 करोड़ रह गई।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 10-06-2025 21:44 Page 1

सीता सोरेन के निजी सहायक पर मुकदमा

फर्जी हस्ताक्षर कर रुपये घपला करने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। पूर्व विधायक सीता सोरेन ने अपने निजी सहायक रह चुके देवाशीष मनोरंजन घोष के विरुद्ध चेकबुक में फर्जी हस्ताक्षर कर लाखों रुपये निकासी करने का आरोप लगाते हुए सोमवार शाम नगर थाना में मामला दर्ज कराया है।

सीता 2024 के विधानसभा चुनाव में जामताड़ा क्षेत्र से भाजपा की उम्मीदवार थीं। सीता सोरेन ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि उन्होंने 2024 में जामताड़ा से विधानसभा चुनाव लड़ने के वक्त रांची के जगन्नाथपुर के रहने वाले देवाशीष मनोरंजन घोष को व्यक्तिगत सहायक के रूप में रखा था।

चुनाव के वक्त घोष उनका सारा कामकाज देखता था। चुनाव के बाद जब मार्च 2025 में उससे हिसाब मांगा तो उसने कहा कि सारा हिसाब आपको बाद में दे देंगे, लेकिन काफी दिनों तक उसने हिसाब नहीं दिया। अपने स्तर पर जांच की तो पता चला कि चुनाव में जो रकम पार्टी से मिली थी, उसमें काफी घपला हुआ है। जब मैंने देवाशीष से अपनी चेकबुक मांगी तो उसने शुरू में आनाकानी की। बाद में जब चेकबुक दी तो उसमें कई पन्नों पर मेरे जाली हस्ताक्षर किए हुए मिले।

सीता सोरेन ने कहा है कि चुनाव से पहले पीए देवाशीष के खाते में मामूली रकम थी, पर चुनाव के दौरान उसके खाते में काफी रुपये की लेनदेन हुई है। उसने बंगाल से एक बड़ी गाड़ी भी खरीदी है।

साथ ही काफी मात्रा में सोने के जेवरात खरीदे हैं। सीता सोरेन ने बताया कि चुनाव में उन्हें पार्टी की ओर से जो पैसे दिए गए थे, उसमें भी घपला किया गया है।

पांच स्पेशल ट्रेनें होंगी रद्द

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। कोडरमा होकर चलने वाली पांच स्पेशल ट्रेनें अलग-अलग दिनों में रद्द करने की घोषणा कर दी गई है। साथ ही जुलाई के दूसरे पखवाड़े में दुरंतो समेत कई दूसरी ट्रेनों के मार्ग बदले जाएंगे। ये ट्रेनें दिल्ली से राजस्थान के बीच परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएंगी।

रेलवे के अनुसार, सिकंदराबाद रेल मंडल में यार्ड रिमॉडलिंग के कारण धनबाद, कोडरमा, गोमो व बोकारो होकर चलने वाली स्पेशल ट्रेनें अस्थायी रूप से रद्द रहेंगी। वहीं, उत्तर रेलवे के सराय रोहिल्ला स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग के कारण ट्रेनें मार्ग बदल कर चलेंगी। वहीं, 23 एवं 27 जुलाई को 12259 सियालदह-बीकानेर दुरंतो एक्सप्रेस नई दिल्ली, दिल्ली किशनगंज, दयाबस्ती व पटेलनगर होकर चलेगी।

साहित्य की समृद्धि में महिला साहित्यकारों का योगदान अहम

रचनाकार स्मिता की पुस्तक ये आँखें पढ़ न ले कोई का लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड की साहित्यिक धरती पर महिलाओं की सृजनशीलता ने सदैव अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए चर्चित साहित्यकार और साहित्यिक पत्रिका अनन्ता की प्रधान संपादक स्मिता के नवीनतम काव्य संग्रह ये आँखें पढ़ न ले कोई का लोकार्पण रविवार की संध्या प्रेस क्लब सभागार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक हिंदी साहित्य में महिला साहित्यकारों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है और स्मिता की लेखनी इस दिशा में एक सशक्त हस्ताक्षर है।

गौ सेवा आयोग, झारखंड के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने स्मिता की रचनात्मक यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में स्त्री-विमर्श की प्रभावशाली अभिव्यक्ति मिलती है, जो आज के समय में बेहद प्रासंगिक और प्रेरणादायक है। झारखंड ग्रामीण बैंक के चेयरमैन मदन मोहन बरियार और बी.एड. कॉलेज के डीन उपेन्द्र उपाध्याय ने लेखिका को बधाई देते हुए उनकी पुस्तक को साहित्यिक दुनिया के लिए एक प्रेरणा स्रोत बताया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राजश्री जयन्ती और डॉ. नीतेश मिश्र ने पुस्तक की विस्तृत साहित्यिक समीक्षा करते हुए कहा कि यह संग्रह गीत, गजल, मुक्तछंद जैसी विविध विधाओं को समेटता है और पाठकों को संवेदनाओं, जीवन-संघर्षों, प्रकृति के सौंदर्य तथा रिश्तों की गहराइयों से जोड़ता है। उन्होंने इसे समकालीन हिंदी कविता का एक अमूल्य योगदान बताया।

कार्यक्रम की शुरूआत गजल गायिका शालिनी अखौरी की सरस्वती वंदना से हुई। संचालन वरिष्ठ संगीतकार पराग भूषण ने किया जबकि वरिष्ठ साहित्यकार राजीव वर्मा थेपड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ हास्य कवि नरेश बांका, वरिष्ठ पत्रकार रजत नाथ, साहित्यकार संध्या रानी, राजेश श्रीवास्तव, , सुबोध कृष्ण प्रसाद, भूपेश अखौरी, मधु वर्मा और श्वेता सिन्हा सहित कई गणमान्य साहित्यप्रेमियों ने पुस्तक पर अपने विचार रखे और स्मिता की रचनाओं का पाठ भी किया। अंत में, स्मिता ने अपनी रचनाधर्मिता, वैचारिक पृष्ठभूमि और रचना-प्रक्रिया को साझा करते हुए श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस ने निकाली संविधान बचाओ रैली

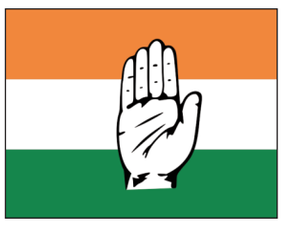

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ने कहा कि कांग्रेस में भी स्लीपर सेल हैं। ये संगठन में रहकर दूसरे दलों के लिए काम करते हैं। झारखंड में भी इन्हें चिह्नित किया जा रहा है। ऐसे लोगों को संगठन से बाहर किया जाएगा। वे बोकारो के सेक्टर- दो सी में कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित संविधान बचाओ रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, पूरे देश में दो विचारधारा की लड़ाई है। पहला मनुस्मृति को मानने वाले दूसरा संविधान को मानने वाले। हम संविधान को मानने वाले लोग हैं। 11 साल की मोदी सरकार सभी स्तर पर फेल है। पैसा कुछेक उद्यमियों के पास रह रहा है। प्रति व्यक्ति आय घटी है। देश में बेरोजगारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा गरीब, दलित व शोषित के साथ खड़ी होती रही है। कांग्रेस पार्टी 70 हजार संविधान रक्षक खड़ी करेगी। ये पंचायत स्तर पर लोगों को बताने का काम करेंगे कि संविधान को कहां-कहां खतरा है?

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि देश की संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी हमेशा से संविधान बचाने का काम करती रही है। पूरे देश में एक अलग प्रकार का माहौल बनाया जा रहा है।

रैली को पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर, बोकारो विधायक श्वेता सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी व जिला के पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उमेश गुप्ता ने की।

डिटेंशन सेंटर से दो महिलाओं सहित तीन बांग्लादेशी फरार

- सजा पूरी कर चुके थे तीनों विदेशी नागरिक
- बांग्लादेश भेजने की चल रही थी प्रक्रिया
- इस सेंटर में पूर्व में भी घट चुकी है दो घटनाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग स्थित जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा (जेपी कारा) के डिटेंशन सेंटर से रविवार रात दो महिलाओं सहित तीन बांग्लादेशी नागरिकों के फरार होने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यह डिटेंशन सेंटर से फरारी की अब तक की तीसरी घटना है, जिसने पुलिस और जेल प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया है। फरार होने वालों में 29 वर्षीय रीना खान उर्फ फीना देवी (निवासी-ढाका), 24 वर्षीय अख्तर खुशी (निवासी-चटगांव) और 22 वर्षीय मोहम्मद नजमुल हक (निवासी-सानिधभांगा, मोरलेगंज) शामिल हैं।

तीनों के खिलाफ भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने और बिना वैध पासपोर्ट रहने का मामला दर्ज था। ये विभिन्न जेलों रांची, जामताड़ा और दुमकामें बंद थे, जिन्हें बाद में हजारीबाग के डिटेंशन सेंटर में स्थानांतरित किया गया था।

घटना के समय डिटेंशन सेंटर में आठ सुरक्षाकर्मी तैनात थे और कैदियों को काटेदार बाड़े वाले कक्षों में रखा गया था, इसके बावजूद तीनों का फरार हो जाना चौकाने वाला है। अब तक यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वे निगरानी और सुरक्षा घेरे को चकमा देकर कैसे फरार हुए।

चौंकाने वाली बात यह है कि फरार हुए आरोपितों की तस्वीर तक पुलिस या जेल प्रशासन द्वारा जारी नहीं की गई है। इस मामले में जेपी कारा और पुलिस प्रशासन एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते नजर आ रहे हैं।

इस मामले को लेकर लोहसिंघना थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच शुरू कर दी गई है। घटना की जानकारी मिलते ही उपायुक्त शशि प्रकाश, एसडीपीओ सदर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति की समीक्षा की।

जानकारी के अनुसार, तीनों विदेशी नागरिक अपनी सजा पूरी कर चुके थे और उन्हें बांग्लादेश वापस भेजने की प्रक्रिया चल रही थी। भारत सरकार लगातार बांग्लादेश दूतावास से संपर्क में थी, लेकिन बांग्लादेश की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण उनकी रिहाई में देरी हो रही थी।

इस कारण से उन्हें जेल से हटाकर जेपी कारा परिसर स्थित डिटेंशन सेंटर में रखा गया था। वहीं, इस घटना ने एक बार फिर यहां की सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी उजागर करती है। इससे पहले भी दो बांग्लादेशी और एक रोहिंग्या नागरिक यहां से फरार हो चुके हैं, लेकिन किसी को अब तक दोबारा पकड़ा नहीं जा सका है।

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर चूक की जिम्मेदारी किस पर डालता है और फरार विदेशी नागरिकों की तलाश में कितनी तेजी और सफलता दिखाता है।

नशा मुक्ति अभियान को लेकर कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है और हमलोग उनके इस संकल्प को पूरा करने के लिए दिन रात लगे हुए हैं। इसी के तहत यह नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है, जो 10 जून से शुरू हो चुका है और इसका भव्य समापन 26 जून को मोरहाबादी मैदान में किया जाएगा। इसी के तहत इस कार्यशाला का भी आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सभी जिलों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से जागरूकता प्रचार वाहनों को भी रवाना किया जा रहा है, जो सभी जिलों में जाकर लोगों को नशा के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक करेगा। डॉ अंसारी मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में नशा मुक्ति अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गृह विभाग और सूचना जनसंपर्क विभाग के सहयोग से तैयार मादक पदार्थों के दुरुपयोग से संबंधित पुस्तिका का विमोचन भी किया, साथ ही कार्यशाला में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी सहित उपस्थित पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने नशा मुक्त भारत बनाने हेतु शपथ ली। डॉ अंसारी ने कार्यक्रम के उपरांत प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना भी किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं और लोगों को नशे की लत से बाहर निकालना है। आज से इस अभियान की शुरूआत हो रही है। अभियान के तहत सभी जिलों में प्रचार वाहन जाएंगे, स्कूलों और कॉलजों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। झारखंड के विभिन्न जिलों खासकर रांची,खूंटी में अफीम की खेती की रोकथाम हेतु कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर रोक लगाना बहुत जरूरी है।

झारखंड में अनुसूचित जाति समुदाय के विकास पर कांग्रेस करेगी मंथन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के सामाजिक-आर्थिक उत्थान को लेकर राज्य कांग्रेस एक व्यापक योजना तैयार करने जा रही है। इस दिशा में पहला बड़ा कदम 11 जून को होगा, जब पार्टी की ओर से राज्य स्तरीय बैठक बुलाई गई है।

यह जानकारी सोमवार को झारखंड के वित्त मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधाकृष्ण किशोर ने प्रेस को संबोधित करते हुए दी।

किशोर ने कहा कि झारखंड में अनुसूचित जातियों की आबादी लगभग 50 लाख है, लेकिन आज भी उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। उन्होंने बताया कि भले ही राज्य का प्रति व्यक्ति आय आंकड़ों में 1.05 लाख रुपये प्रतिवर्ष बताया जा रहा है, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि गरीब तबके और एससी समुदाय की औसत आय इससे बहुत कम लगभग 60,000 रुपये सालाना ही है। उन्होंने कहा कि यह समय गंभीर विमर्श का है। अनुसूचित जाति समुदाय को सिर्फ वादों से नहीं, बल्कि ठोस योजनाओं और नीतियों के जरिए सशक्त बनाया जाना चाहिए।

11 जून को होने वाली बैठक में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू, सह-प्रभारी डॉ. बेला प्रसाद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम और झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहित कई वरिष्ठ नेता और एससी समुदाय के कार्यकर्ता शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य राज्य में अनुसूचित जातियों के सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के लिए एक ठोस रोडमैप बनाना है, ताकि दीर्घकालिक सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

किशोर ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने अनुसूचित जाति समुदाय को केवल राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया, लेकिन उनके हित में कोई ठोस काम नहीं किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने तो सलाहकार परिषद और आयोग की स्थापना की थी, लेकिन उसे कभी क्रियाशील नहीं बनाया। वह संस्थाएं केवल कागजों तक सीमित रह गईं।

उन्होंने बताया कि मौजूदा इंडिया गठबंधन सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। इसी बजट में अनुसूचित जाति समुदाय के लिए एक सक्रिय सलाहकार परिषद स्थापित करने की घोषणा की गई है, जो जनजातीय सलाहकार परिषद की तर्ज पर कार्य करेगी। साथ ही एससी आयोग को भी जल्द ही कार्यशील बना दिया जाएगा।

दिल्ली के लिए विशेष विमान सेवा शुरू

देवघर। श्रावणी मेले में पहली बार देवघर से दिल्ली के विमान सेवा शुरू हो रही है। श्रद्धालुओं को सावन में पूरे माह यह सुविधा मिलेगी। इसके लिए इंडिगो ने 222 सीटर विमान चलाने की तैयारी की है। श्रावणी मेला 11 जुलाई से आरंभ होकर 10 अगस्त तक चलेगा।

देवघर से सुल्तानगंज के बीच लगने वाले विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेले में भक्तों की सुविधा के लिए यह कदम उठाया गया है। इंडिगो प्रबंधन के मुताबिक देवघर-दिल्ली विमान का परिचालन सप्ताह में तीन दिन होगा। ये उड़ानें किस-किस दिन रहेंगी, इसकी घोषणा भी जल्द ही की जाएगी। पहले से भी देवघर और दिल्ली के बीच 180 सीटर फ्लाइट उपलब्ध है, यह प्रतिदिन सुबह और शाम में उड़ान भरती है। फ्लाइट की बेहतर व्यवस्था के कारण सावन में इस साल यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी। देवघर एयरपोर्ट पर बेहतर कम्यूनिकेशन सिस्टम हो गया है। कारण इस सावन में कई फ्लाइट हो गई है।

सरकारी अस्पताल में भ्रूण को मृत बताया, निजी अस्पताल में महिला ने लड़के को दिया जन्म

लापरवाही या कुछ और ?

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सरकारी अस्पताल ने प्रसव पीड़ा से गुजर रही महिला के गर्भ में बच्चे की मौत होना बताकर कथित तौर पर भर्ती करने से मना कर दिया था। महिला ने अब एक निजी अस्पताल में लड़के को जन्म दिया है। घटना के बाद हजारीबाग जिला प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। लड़के को जन्म देने वाली महिला का नाम मनीषा देवी है। उनके पति विनोद साओ ने दावा किया है कि वह बुधवार को अपनी पत्नी को चलकुशा ब्लॉक से लगभग 120 किलोमीटर दूर हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां नर्सों ने बताया कि मनीषा का हीमोग्लोबिन कम है। उसके बच्चे की गर्भ में ही मौत हो चुकी है।विनोद ने बताया कि इसके बाद भी उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी, जिसके बाद वह पत्नी को जिले के एक निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पत्नी ने निजी अस्पताल में स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। साओ ने कहा, 'मैं अपने बच्चे के सुरक्षित प्रसव के लिए सेंट कोलंबा मिशन अस्पताल के डॉक्टरों को धन्यवाद देती हूं।'

हजारीबाग के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को शेख भिकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के अधीक्षक को घटना की जांच शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों का उद्देश्य मरीजों को कम कीमत पर बेहतरीन उपचार उपलब्ध कराना है, लेकिन यहां कथित तौर पर इससे इनकार किया गया। मैंने अस्पताल के अधिकारियों को इस संबंध में एक जांच समिति गठित करने का निर्देश दिया है।

निजी अस्पताल के संचालक और श्रीनिवास मंगलम ट्रस्ट के मालिक डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि मनीषा की कई जांच कराई गईं। सभी रिपोर्ट सही मिलने के बाद उसकी डिलीवरी की गई, जिसके बाद उसने बच्चे को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि मां और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं।

आम का लालच देकर मासूम के साथ दुष्कर्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के रांची जिले में एक शादी के रिसेप्शन में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर पांच वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। घटना शुक्रवार शाम को राज्य की राजधानी रांची से लगभग 50 किलोमीटर दूर चान्हो के एक गांव में शादी के रिसेप्शन के दौरान हुई। वारदात की जानकारी लगने बाद नाराज स्थानीय लोगों ने आरोपी की खूब पिटाई की। इसके बाद 25 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अपराध को अंजाम देने के समय वह नशे की हालत में था। चान्हो पुलिस थाने के प्रभारी चंदन कुमार गुप्ता ने बताया कि पीड़िता की कल रात मेडिकल जांच कराई गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे शनिवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी के खिलाफ पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। चंदन कुमार गुप्ता ने पीड़िता के परिवार के बयान का हवाला देते हुए कहा, 'पीड़िता और आरोपी एक ही गांव के रहने वाले हैं। शुक्रवार को आरोपी गांव में एक शादी समारोह में गया था। उसने लड़की को आम का लालच दिया और उसे पास के एक बगीचे में ले गया। आरोपी ने वहां नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया।' घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी की पिटाई की, जिसे बाद में पुलिस ने बचा लिया।

लॉटरी से मिलेगा शहरी क्षेत्र के बेघर लोगों को घर

प्रथम किस्त में जमा करने होंगे 15 हजार रुपये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। शहरी क्षेत्र में वैसे लोग जो 15 साल से किराए के घर में रह रहें हैं और उनके पास कोई जमीन भी नहीं है, ऐसे लोगों के लिए नगर परिषद ने शहरी प्रधानमंत्री आवासीय योजना के तहत दुधानी में 128 फ्लैट का निर्माण कराया है। दो साल पहले ही आवास बनकर तैयार हैं, लेकिन अभी तक केवल 24 लोगों को आवास आवंटित हो चुका है। अब 104 आवास के लिए 110 लोगों ने आवेदन दिया है। जल्द ही नगर परिषद लॉटरी कराकर आवास आवंटित करेगी। इसके लिए सारी तैयारी हो चुकी है। दरअसल पीएम आवास योजना के तहत नगर परिषद ने दो साल पहले करोड़ों की लागत से दुधानी में 128 आवास का निर्माण कराया। तीन जगह फ्लैट का निर्माण किया गया है।

एक आवास की कीमत करीब पांच लाख रुपया है, जिसमें लाभुक को केवल करीब तीन लाख रुपया देना है। बाकी पैसा केंद्र और राज्य सरकार वहन करेगी। इस योजना का मुख्य उददेश्य ऐसे लोगों को छत देना है, जिनके पास अपना मकान नहीं है। ऐसे स्थिति है कि चाहकर भी जमीन खरीदकर आवास नहीं बना सकते हैं। तीन लाख रुपया भी बैंक से लोन लेकर अदा करना है। बस आवास के लिए पहली किस्त के रूप में 15 हजार हजार रुपया जमा करना है। नगर परिषद जल्द लॉटरी निकालकर आवास उनके मालिक को सुपुर्द कर देगी। दरअसल आवास पर दावा करने वाले अधिकांश लाभुक या तो निचली या फिर दूसरी मंजिल पर आवास चाहते हैं। ऐसे में नगर परिषद के लिए इसका चयन करना आसान नहीं है, इसलिए नगर परिषद लॉटरी निकालेगी, जिसे जो मंजिल मिलेगी, उसे उसी में रहना होगा।

जाली सर्टिफिकेट पर नौकरी कर रहे तीन शिक्षक बर्खास्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पिपरवार। फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के आधार पर नौकरी कर रहे सहायक शिक्षकों पर शिकंजा कसता जा रहा है।चतरा जिले में गैर मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों से प्राप्त डिग्रियों के आधार पर नियुक्त हुए शिक्षकों की पहचान कर ली गई है। ऐसे 18 शिक्षकों की सूची तैयार कर शिक्षा परियोजना कार्यालय, चतरा द्वारा राज्य मुख्यालय को भेजी गई है। सूची में पिपरवार थाना क्षेत्र के तीन शिक्षक भी शामिल हैं, जिन्हें विभाग द्वारा बर्खास्त कर दिया गया है। इनमें बचरा उत्तरी पंचायत के मध्य विद्यालय बचरा की शिक्षिका मीरा साव, बहेरा पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय कारो की शिक्षिका सुधा कुमारी एवं बेती पंचायत स्थित उमवि लुकईया की शिक्षिका अनिता कुमारी के नाम शामिल हैं।सूत्रों के अनुसार, इन शिक्षकों ने नियुक्ति के लिए जिन प्रमाण पत्रों का उपयोग किया, वे गैर मान्यता प्राप्त संस्थाओं से प्राप्त थे। जांच में प्रमाण पत्र फर्जी पाए जाने के बाद विभाग ने कार्रवाई करते हुए इन्हें सेवा से मुक्त कर दिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामलों में किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और सभी दोषी शिक्षकों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। मामले की विस्तृत जांच जारी है और जल्द ही अन्य जिलों से भी ऐसे मामलों की सूची तैयार की जा रही है।

जनहित पार्टी की रथ यात्रा की शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। संताल परगना की आदिवासियों बहनों को बहला-फुसला कर उनकी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट में भी संताल परगना की 10 हजार एक-ड़ भूमि पर कब्जा करने की बात कही गई है।

यह बातें जनहित पार्टी के संगठन मंत्री विशाल बिंदल ने कही। उन्होंने कहा कि इतना ही बंग्लादेशी घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं के माध्यम से विभिन्न राजनीतिक पदों पर भी बैठ चुके है। जिसे देखते हुए इस तरह का अभियान चलाने की जरूरत है।

विशाल बिंदल ने कहा कि पार्टी की ओर से इस अभियान की शुरूआत मध्यप्रदेश में की गई। द्वितीय चरण के लिए संताल परगना का चुना गया है। 30 जून हूल दिवस पर यात्रा देवघर पहुंचकर समाप्त होगी। यात्रा के लिए देवघर को इसलिए चुना गया, क्योंकि यह भूमि क्रांतिकारियों, शहीदों व बाबा बैद्यनाथ की नगरी है।

इससे पहले यात्रा का शुभारंभ शहीद स्थल पर क्रांतिकारी नथ मल सिंघानिया व अशफीलाल कसेरा के समाधि स्थल पर जनहित पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष (आरएसएस के पूर्व विभाग प्रचारक) अभय जैन, महामंत्री मनीष काले, पूर्व सैनिक डॉ. जेसी राय व आध्यात्मिक गुरु राकेश ने पुष्प अर्पित कर यात्रा का शुभारंभ किया गया।

झारखंड की धरती पर बंग्लादेशियों की नहीं चलेगी.., घुसपैठिया भगाओ, देश बचाओ, जिहादियों को देश में बसने नहीं देंगे.. के नारे के साथ देश से बंग्लादेशियों को बाहर निकलने के संकल्प को लेकर रविवार को शहीद आश्रम रोड स्थित शहीद स्थल से जनहित पार्टी की ओर से रथ यात्रा का शुभारंभ किया गया।

आठ जून से शुरू हुई रथ यात्रा संताल परगना के सभी जिलों के प्रखंडों से गुजरेगी। इस दौरान लोगों के बीच पंपलेट का वितरण किया जाएगा। जिसके माध्यम से बंग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जाएगा।

पंजाब किंग्स के बल्लेबाज ने की भविष्यवाणी, अगले साल हम फाइनल खेलेंगे और ट्रॉफी भी जीतेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स का पहला इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने का सपना 6 रन से टूट गया क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार 3 जून को फाइनल में जीत दर्ज की। पंजाब के बल्लेबाज शशांक सिंह की आखिरी क्षणों में की गई शानदार पारी की बदौलत टीम आरसीबी के 190 रनों के करीब पहुंच गई, हालांकि टीम जीत नहीं पाई। शशांक ने अब कहा कि अंतिम ओवर में जोश हेजलवुड की फुल टॉस चूकने की बात उन्हें अभी भी परेशान करती है। साथ ही उन्होंने बोल्ड बयान देते हुए कहा कि पंजाब किंग्स अलगे साल बेंगलुरू में फाइनल खेलेंगी और हम ट्रॉफी भी जीतेंगे। शशांक ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, मैंने आखिरी दो ओवरों का हिसाब लगाया था, भुवी को यॉर्कर पसंद है, इसलिए मैंने उनसे कम से कम 16-17 रन लेने की योजना बनाई थी। मेरा हिसाब था कि आखिरी ओवर में हमारा लक्ष्य 6 गेंदों में 24 रन होना चाहिए। हालांकि भुवी के ओवर में मुझे केवल 13 रन मिले, इसलिए अंतिम ओवर में 30 रन चाहिए थे। उन्होंने कहा, मानसिक रूप से, मेरा दिमाग हेजलवुड की पहली गेंद पर यॉर्कर लेने के लिए तैयार था। इसलिए मैंने खुद को तैयार किया, लेकिन मैंने कभी भी फुल टॉस की उम्मीद नहीं की, वह भी मेरे जांघ के पैड पर। अब मुझे लगता है, अगर मैं इसे कनेक्ट कर लेता, भले ही यह बल्ले के हैंडल पर लग जाता, तो मैं अधिकतम रन बना सकता था,

क्योंकि फाइन-लेग पास था। मैं उनसे वाइड की उम्मीद कर रहा था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब मैंने स्कोरबोर्ड देखा, जिसमें बताया गया था कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए, तो मुझे पता था कि सब खत्म हो गया है। अंतिम ओवर की पहली गेंद पर फुल टॉस चूक जाना अभी भी शशांक को परेशान करता है। उन्होंने कहा, मैं एक मजबूत व्यक्ति हूं, लेकिन जब मैंने पांचवीं गेंद पर छक्का मारा और मैंने देखा कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए थे, तो मैं खुद को नियंत्रित नहीं कर सका। मुझे एहसास हुआ कि सब खत्म हो गया है। जब मैं ड्रेसिंग रूम में आया, तो हर कोई आया और पूछा, मैं क्यों रो रहा हूं? मैंने उनसे कहा, मुझे अपने आप आंसू आ रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं जहां भी गया, लोगों ने मेरी बल्लेबाजी की सराहना की, लेकिन सभी मुझे उस एक फुल टॉस मिस की याद दिला रहे हैं। मुझे बहुत बुरा लगा। गेंद मेरे कूल्हे पर थी, स्क्वायर लेग ऊपर था, मुझे बस उसे बल्ले को हिट करना था, जो मैं नहीं कर सका। होटल से लेकर एयरपोर्ट, ग्राउंड से लेकर घर तक, हर किसी का एक ही मतलब था कि भैया वो गेंद मार देते बस। बल्लेबाज ने न केवल बेंगलुरू में आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह बनाने का संकल्प लिया है, बल्कि खिताब भी जीतने को भी बात की। उन्होंने कहा, अगले साल हम निश्चित रूप से बेंगलुरू में फाइनल खेलेंगे और हम ट्रॉफी भी जीतेंगे।

निकोल्स पूरन ने 29 वर्ष की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा

इन खिलाड़ियों ने भी कम उम्र में क्रिकेट से लिया संयास, भारतीय भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के सर्वोच्च रैंकिंग वाले टी20 बल्लेबाज निकोलस पूरन ने अपने 9 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया है। त्रिनिदाद के इस खिलाड़ी ने 29 वर्ष की उम्र में क्रिकेट से विदा लेकर सभी हैरान कर दिया। पूरन ने वेस्टइंडीज के लिए 167 मैच खेले और 99.15 के स्ट्राइक रेट से 39.66 की औसत से 1983 वनडे रन बनाए। कभी टेस्ट मैच नहीं खेलने वाले पूरन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा 106 मैच खेलने वाले वेस्टइंडीज के खिलाड़ी हैं और 2,275 रन के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। केवल पूरन ही नहीं कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 30 या उससे कम की उम्र में ही क्रिकेट को अलविदा कह दिया और इसमें भारतीय क्रिकेटर भी शामिल हैं।

रवि शास्त्री (भारत)

कारण - घुटने की चोट
संन्यास - 30 की उम्र में (1992)
बल्लेबाजी के दौरान शास्त्री ने 80 टेस्ट में 3830 रन बनाए जिसमें 11 शतक और 12 अर्धशतक शामिल थे जबकि वनडे में उन्होंने 150 मैचों में 4 शतकों और 18 अर्धशतकों सहित 3108 रन बनाए थे। गेंदबाजी में उन्होंने टेस्ट में 151 और वनडे में 129 विकेट अपने नाम किए हैं। टेस्ट में शास्त्री का बेस्ट 5/75 और वनडे में 5/15 है।

क्विंटन डी कॉक (दक्षिण अफ्रीका)

संन्यास - 30 की उम्र में (2023)
टेस्ट - 54 मैचों में 38.82 की औसत के साथ 6 शतकों और 22 अर्धशतकों सहित कुल 3300 रन
वनडे - 155 मैचों में 45.74 की औसत के साथ 6770 रन, 21 शतक और 30 अर्धशतक
टी20आई - 92 मैचों में 31.51 की औसत से 2584 रन, जिसमें एक शतक और 16 अर्धशतक भी

तातेंडा ताइबू (जिम्बाब्वे)

कारण - चर्च में सेवा के लिए
संन्यास - 29 की उम्र में (2012)
टेस्ट - 28 मैचों में 30.31 की औसत और 153 के हाईएस्ट के साथ एक शतक और 12 अर्धशतक सहित 1546 रन
वनडे - 150 मैचों में 29.25 की औसत और 107 के सर्वप्रेष्ठ सहित 2 शतक और 22 अर्धशतक के साथ कुल 3393 रन
टी20आई - 17 मैचों में 28.77 की औसत और 45 के सर्वप्रेष्ठ सहित कुल 259 रन

उन्मुक्त चंद (भारत)

कारण - बेहतर विकल्प की तलाश में अमेरिका रवाना
संन्यास - 28 की उम्र में (2021)
लिस्ट ए - 120 मैचों में 41.33 की औसत और 127 के हाईएस्ट के साथ 4505 रन, 7 शतक और 5 अर्धशतक भी
टी20 - 90 मैचों में 21.89 की औसत और 125 के सर्वप्रेष्ठ स्कोर के साथ कुल 1795 रन, 3 शतक और 7 अर्धशतक

सकलैन मुश्ताक (पाकिस्तान)

कारण - घुटनों की समस्या
संन्यास - 27 साल की उम्र में (2004)
उन्होंने टेस्ट में 49 मैचों में 927 रन बनाए हैं जिसमें उनका औसत 25.73 का रहा। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक भी लगाए। सकलैन ने टेस्ट में 2.65 की ईकोनॉमी से 208 विकेट भी लिए हैं।
वनडे में सकलैन ने 169 मैचों में 711 रन बनाए हैं जबकि इस फॉर्मेट में उनके नाम 4.29 ईकोनॉमी के साथ 288 विकेट्स हैं।

जेम्स टेलर (इंग्लैंड)

कारण - दिल की बीमारी
संन्यास - 26 की उम्र में (2016)
टेस्ट - 7 मैचों में 26 की औसत और 76 के हाईएस्ट के साथ 2 अर्धशतक सहित 312 रन
वनडे - 27 मैचों में 42.33 की औसत और 101 के सर्वप्रेष्ठ सहित 7 अर्धशतक के साथ कुल 887 रन

क्रेग कीसवेटर (इंग्लैंड)

कारण - आंख की चोट
संन्यास - 25 की उम्र में (2014)
वनडे - 46 मैचों में 30.11 की औसत से 1054 रन, एक शतक और 5 अर्धशतक के साथ 107 का हाईएस्ट स्कोर
टी20आई - 25 मैचों में 21.91 की औसत और 63 के सर्वप्रेष्ठ स्कोर के साथ कुल 526 रन, 3 अर्धशतक

एमएस धोनी आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल

यह उपलब्धि पाने वाले 11वें भारतीय बने

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार 9 जून को यह घोषणा की। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले 11वें भारतीय हैं। उनसे पहले सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, डायना एडुल्जी, अनिल कुंबले, बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, राहुल द्रविड़, वीनू मांकड़ और नीतू डेविड को शामिल किया जा चुका है। सर्वकालिक सबसे सफल कप्तानों में से एक माने जाने वाले एमएस धोनी ने भारत को 2007 टी20 विश्व कप, 2011 विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दिलाई। इसके अतिरिक्त, उनकी ही कप्तानी में 2009 में आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष पर पहुंची थी। एमएस धोनी के हवाले से आईसीसी ने लिखा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना सम्मान की बात है, जो दुनिया भर के क्रिकेटर्स के योगदान को पहचान देता है। ऐसे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों के साथ अपना नाम जुड़ना एक शानदार अहसास है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।'

आईसीसी ने कहा, 'भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 शिकार (कैच और स्टम्प्स) और विभिन्न फॉर्मेट्स में 538 मैच खेलने वाले धोनी के आंकड़े न केवल उत्कृष्टता, बल्कि असाधारण स्थिरता और फिटनेस को दर्शाते हैं। धोनी उन 7 पूर्व खिलाड़ियों में हैं जिन्हें आईसीसी ने सोमवार 9 जून को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया। अन्य खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी,

दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला, पाकिस्तानी महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सना मीर और इंग्लैंड की सारा टेलर शामिल हैं।

जब धोनी 2004 में राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि 23 वर्षीय धोनी विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका को किस तरह से नए आयाम देंगे। यह स्पष्ट था कि यह प्रतिभा का प्रश्न नहीं था, बल्कि यह था कि वह अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कितने अलग दिखाई दिए। उनके ग्लव्स के काम ने परंपरा को तोड़ दिया। स्टम्प के पीछे धोनी की तकनीक अपरंपरागत थी, फिर भी असाधारण रूप से प्रभावी थी। उन्होंने विकेटकीपिंग को अपने आप में एक कला बना दिया, डिफ्लेक्शन से रन-आउट करना, पलक झपकते ही स्टम्पिंग करना और अपने अंदाज में कैच लपकना।

बल्ले से उन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका में जबरदस्त ताकत और पावर-हिटिंग का इस्तेमाल किया, जो परंपरागत रूप से निचले क्रम के बल्लेबाजों के लिए आरक्षित था। ऐसे समय में जब भारतीय विकेटकीपर्स से सुरक्षित खेलने की अपेक्षा की जा रही थी, धोनी शाब्दिक और लाक्षणिक दोनों ही रूपों में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए उतरे। एमएस धोनी के अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही। दिसंबर 2004 में वह अपने वनडे डेब्यू में शून्य पर आउट हो गया, लेकिन उन्हें अपनी छाप छोड़ने में ज्यादा समय नहीं लगा। अप्रैल 2005 में विशाखापत्तनम में पाकिस्तान के खिलाफ बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आने पर उन्होंने 123 गेंद में 148 रन की तूफानी पारी खेलकर धमाल मचा दिया, एक ऐसी पारी जिसने भारत और दुनिया को उनके आगमन की सूचना दी।

कुछ ही महीनों बाद अक्टूबर में, धोनी ने एक और अविस्मरणीय प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी क्रम में फिर पदोन्नत होने पर इस बार जयपुर में श्रीलंका के खिलाफ, उन्होंने 145 गेंद में 183 रन की नाबाद तूफानी पारी खेली। इसमें उनके 15 चौके और 10 छक्के शामिल थे। यह पारी आज भी पुरुष वनडे मैच में किसी विकेटकीपर का बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। वह उस समय सफल रन चेज में सर्वोच्च स्कोर भी थे। इससे धोनी के फिनिशर बनने की झलक मिलती है। इस प्रकार भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित करियर में से एक की कहानी शुरू हुई। एक ऐसा सफर जो अपरंपरागत प्रतिभा, अदम्य धैर्य और सबसे ज्यादा जरूरी होने पर अच्छा प्रदर्शन करने की अद्भुत क्षमता से चिह्नित है।

10 वर्षीय अतीका मीर रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष-10 में स्थान पाने वाली पहली भारतीय बनीं

त्रिनेक, एजेंसी । 10 वर्षीय भारतीय रेसिंग सनसनी अतीका मीर ने रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष-10 में जगह बनाई है। इस उपलब्धि को हासिल करने वाली वह पहली भारतीय बन गई हैं। रोटैक्स यूरो ट्रॉफी एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग सीरीज है। स्टील रिंग सर्किट में आयोजित रोटैक्स यूरो ट्रॉफी राउंड 2 में अतीका मीर ने नौंवा स्थान हासिल किया है। फॉर्मूला 1 से आर्थिक और तकनीकी सहायता पाने वाली पहली भारतीय अतीका ने क्वालीफाइंग में शानदार प्रदर्शन किया और अपने ग्रुप में सातवें स्थान पर रहीं। दुर्भाग्य से उन्हें दो बंपर पेनाल्टी मिलीं, लेकिन इसके बावजूद वे हीट के बाद 10वें स्थान पर रहीं। रविवार को प्री-फ़ाइनल में, आसमान खुल गया, और इस ट्रैक पर गीले मौसम में ड्राइविंग का कोई पूर्व अनुभव न होने के बावजूद, अतीका ने अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाई और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्राइवरों को कड़ी टक्कर दी। वह फाइनल के लिए क्वालीफाई हुई और ग्रिड पर 10वें स्थान पर रही। फाइनल और भी ज्यादा खतरनाक और गीले मौसम में आयोजित किया गया था लेकिन अतीका यहां भी शीर्ष फॉर्म में थी।

शुरुआत में चार स्थान गिरने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने नौवां स्थान हासिल किया।

अतीका इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च स्थान पर रहने वाली भारतीय और एशियाई रहीं। अतीका ने कहा, वह अद्भुत वीकेंड था, मैंने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्राइवरों के साथ ड्राइविंग करके बहुत कुछ सीखा। सूखे ट्रैक पर मेरी गति बहुत अच्छी थी, और गीले पर प्रगति अच्छी थी। टीम और मेरे मैकेनिक एडम ने इस सप्ताह बहुत अच्छा काम किया और मैं उनकी, अपने माता-पिता और घर के सभी लोगों की आभारी हूं। रोटैक्स यूरो ट्रॉफी उन ड्राइवरों के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग चैम्पियनशिप है, जो रोटैक्स मैक्स इंजन का उपयोग करके दौड़ते हैं, जो विश्व स्तर पर सबसे लोकप्रिय कार्ट इंजनों में से एक है।

सिर्फ भारत ही नहीं, इंग्लैंड की इस टीम के लिए खेल चुके हैं शुभमन गिल, ऐसा रहा था रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सितारे शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद खास होने जा रहा है. इस बार वे न केवल बल्लेबाजी से टीम का नेतृत्व करेंगे, बल्कि पहली बार टेस्ट फॉर्मेट में भारत की कप्तानी की कमान भी संभालेंगे. यह जिम्मेदारी उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है. इससे पहले इंग्लैंड की धरती पर गिल ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभाव छोड़ा है, और अब उनकी नजरें कप्तान के तौर पर भी अपनी छाप छोड़ने पर हैं. खास बात यह है कि गिल इंग्लैंड की एक टीम के लिए भी खेल चुके हैं, जिसके बारे में काफी कम फैंस जानते हैं.

दरअसल, साल 2022 में शुभमन गिल ने इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट टीम ग्लेमोर्गन के लिए खेला था. ये पहला मौका था जब गिल काउंटी चैंपियनशिप में खेलने उतरे थे. इस दौरान उन्होंने 3 फर्स्ट क्लास मैचों में हिस्सा लिया और अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा. गिल ने 61 के शानदार औसत से 244 रन बनाए, जिसमें उनकी तकनीकी मजबूती और अनुकूलन क्षमता साफ दिखी थी. इंग्लैंड की पिचों पर स्विंग और उछाल भरी परिस्थितियों में उनके प्रदर्शन ने यह संकेत दिया कि वे भविष्य में इस चुनौतीपूर्ण मैदान पर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं. यह अनुभव उनके लिए इस बार के टेस्ट दौरे की तैयारी में अहम साबित होगा. हालांकि, इंटरनेशनल क्रिकेट में गिल के आंकड़ें इंग्लैंड में कुछ खास नहीं हैं. वह भारत के लिए 3 टेस्ट मैच खेलते हुए इंग्लैंड में 14.66 की औसत से 88 रन ही बना सके हैं ।

आरसीबी 17 हजार करोड़ में बिक सकती है: दावा- मैकडॉवल्स व्हिस्की बनाने वाली कंपनी टीम बेच रही, आईपीएल जीतने के बाद बढ़ी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की चैंपियन बनी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम बिक सकती है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक मैकडॉवल्स व्हिस्की बनाने वाली कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट लिमिटेड इसे 2 अरब डॉलर यानी करीब 17 हजार करोड़ रुपए में बेचने पर विचार कर रही है। पहले स्रु विजय माल्या की कंपनी थी। माल्या के दिवालिया होने पर इसे ब्रिटिश लिकर कंपनी डियाजियो ने खरीद लिया। डियाजियो ही आरसीबी की मालिक हो गई।

क्यों बिक रही है आरसीबी -

शराब पर फोकस - आरसीबी डियाजियो के मुख्य शराब बिजनेस से अलग है। इसे बेचकर डियाजियो अपने सिर्फ शराब बिजनेस पर फोकस कर सकती है।

हाई वैल्यूएशन- आरसीबी ने हाल ही में 2025 में अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती। इसने आरसीबी की कॉमर्शियल वैल्यू बढ़ा दी है। ये बेचने का सही समय हो सकता है।

सरकार का दबाव- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय आईपीएल जैसे बड़े खेल आयोजनों में शराब और तंबाकू के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विज्ञापनों पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग कर रहा है। ऐसे में डियाजियो खुद को आईपीएल से अलग करना चाहता है।

आईपीएल के इतिहास में सबसे बड़ा सौदा होगा

अगर डियाजियो आरसीबी को बेचने का फैसला करती है, तो ये आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा सौदा होगा। जब आईपीएल में दो नई टीमें (लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स) जोड़ी गई थीं, तब लखनऊ को आरपीएसजी ग्रुप ने 7,090 करोड़ रुपए में और गुजरात को सीवीसीकैपिटल ने 5,625 करोड़ रुपए में खरीदा था। ये अब तक की सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी खरीद डील्स मानी जाती हैं।2 बिलियन डॉलर यानी, करीब 17,000 करोड़ रुपए की की वैल्यूएशन लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स की खरीद से कहीं ज्यादा है।

अंपायर से बहस, ग्लव्स फेंकना, बैट मारना अश्विन को पड़ा भारी; मिली ऐसी सजा सोच नहीं सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु प्रीमियर लीग में एक मैच के दौरान आर अश्विन एलबीडबल्यू आउट दिए जाने के बाद अंपायर से उलझ गए. वह इतना ज्यादा गुस्सा हो गए थे कि जाते-जाते उन्होंने जोर से अपना बैट अपने पैड पर मारा. इसके बाद उन्होंने अपना ग्लव्स उतारा और जोर से बॉउंड्री के पार फेंक दिया. जिसके बाद तय था कि उनके खिलाफ एक्शन जरूर होगा. उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जिसके बाद उन्हें सजा दी गई.

आर अश्विन को मिली ये सजा - कप्तान अश्विन को मैच रेफरी अर्जुन कृपाल सिंह ने 2 मामलों में दोषी पाया, जिसके बाद उन्हें सजा दी गई. अश्विन पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया. उन्हें अंपायर से असमाहित दिखाने और क्रिकेट उपकरणों का दुरुपयोग करने के मामले में सजा दी गई. क्रिकबज ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग के एक अधिकारी के हवाले से बताया की मैच के बाद इसकी सुनवाई हुई.

जिले में निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान का शुभारंभ

उपायुक्त आर. रॉनिटा ने एलईडी युक्त जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आज समाहरणालय परिसर से उपायुक्त आर. रॉनिटा के द्वारा निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर उन्होंने एल०ई०डी युक्त जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह

रथ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को नशा उन्मूलन के प्रति जागरूक करेगा। यह विशेष अभियान 10 जून से 26 जून 2025 तक चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य युवाओं और समाज के अन्य वर्गों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर उपायुक्त संग जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने निषिद्ध मादक पदार्थों के सेवन और तस्करी के विरुद्ध सामूहिक रूप से शपथ लेकर समाज को नशामुक्त बनाने के संकल्प को दोहराया। उपायुक्त ने कहा कि नशीले पदार्थ समाज के विकास में सबसे बड़ी बाधा हैं। इससे न सिर्फ युवा पीढ़ी प्रभावित होती है, बल्कि पारिवारिक, सामाजिक एवं आर्थिक ढांचा भी कमजोर होता है। इस अभियान के माध्यम से हम सभी को मिलकर एक सशक्त, नशामुक्त और जागरूक समाज का निर्माण करना है। वहीं उपायुक्त की अध्यक्षता में सभी संबंधित विभागों संग निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर बैठक किया गया। समाहरणालय के सभागार में आयोजित इस बैठक में समाज कल्याण, शिक्षा, सूचना एवं जन संपर्क, नियोजन समेत अन्य संबंधित विभागों को सक्रिय होकर अभियान के क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया।

महिला प्रतिनिधि और सशक्त होकर काम करें, दूसरों के लिए बनें प्रेरणा श्रोत : उपायुक्त

उपायुक्त ने 22 मामलों पर की सुनवाई, ऑन स्पॉट कई का किया निष्पादन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। महिला प्रमुख/पंचायत प्रतिनिधि क्षेत्र में और सशक्त होकर काम करें। ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि दूसरी महिलाओं/बेटियों के लिए आप सभी प्रेरणा श्रोत बनें। जिला प्रशासन हर संभव सहयोग करेगा। हम सब मिलकर जिले में विकास को गति देंगे। उक्त बातें उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहीं। वह मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में भेंट करने विभिन्न प्रखंडों के प्रमुख/पंचायत प्रतिनिधि पहुंचें थे। उन्होंने कहा कि जिले की बेटियों/ महिलाओं से काफी आशा -उम्मीद है कि वह हर क्षेत्र में अपना परचम लहराएंगी।

शिक्षक विद्यालयों में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें

आयोजित जनता दरबार में झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ एवं झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त से भेंट कर उनका स्वागत किया। इस क्रम में उन्होंने सभी शिक्षकों को अपने झ अपने विद्यालयों में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पठन झ पाठन कराने को कहा। उन्होंने संघ प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि शिक्षकों के प्रमोशन/पेंशन व अन्य लाभ के लिए विभागीय कार्यालय का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा। वह इसे सुनिश्चित करेंगे।

केंद्र में जरूरतमंदों को भर पेट कराएं भोजन

जनता दरबार में मुख्यमंत्री दाल भात केंद्र संचालक के प्रतिनिधियों ने खाद्य आवंटन में बढ़ोतरी को लेकर भेंट किया। जिस पर उपायुक्त ने केंद्र संचालन के पीछे की राज्य सरकार की मंशा से उन्हें अवगत करवाया। कहा कि केंद्र से कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति भोजन करने से वंचित नहीं रहे, यह सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री दाल भात केंद्र पहुंचने वाले सभी लोगों को भरपेट भोजन कराने की बात कहीं। कहा कि,समीक्षा उपरांत केंद्रों को खाद्य आवंटन में बढ़ोतरी की जाएगी। जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) को इस बाबत जरूरी निर्देश दिया गया है।

22 से ज्यादा मामलों पर की सुनवाई, दिया निर्देश

आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर उपायुक्त ने क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 22 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई किया। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया। इसके अलावा कई मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया। जनता दरबार में जिला नियोजनालय, बीएसएल प्रबंधन, नगर निगम चास, आपूर्ति विभाग, भूमि विवाद, राजस्व, गोमिया अंचल, जिला ग्रामीण विकास विभाग, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा विभाग आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। उपायुक्त ने एक सप्ताह के अंदर आवेदनों के निष्पादन का निर्देश दिया।

विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने की मुलाकात

समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा से मंगलवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों/ पंचायत प्रतिनिधियों ने मुलाकात किया। उनके पदस्थापन को लेकर उन्हें बधाई दी। साथ ही, अपनी समस्याओं को भी उपायुक्त के समक्ष रखा। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला जन संपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त के निर्देश पर निगम ने शुरू की गरगा नदी की सफाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर मंगलवार से चास स्थित गरगा नदी की सफाई अभियान शुरू हुई। यह कार्रवाई नगर निगम चास प्रशासन द्वारा की जा रही है। नदी को स्वच्छ बनाने को लेकर नगर निगम प्रशासन द्वारा अलग-अलग टीम गठित कर लगाया गया है। नदी का सफाई कार्य को मानसून पूर्व पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, इसकी प्रगति का स्वयं उपायुक्त एवं अपर नगर आयुक्त निगरानी कर रहे हैं। वहीं, मानसून पर्व तैयारियों के क्रम में चास नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों के बड़े नालों, नालियों, जोरिया आदि की सफाई कार्य का अपर नगर आयुक्त (एएमसी) चास संजीव कुमार ने जायजा लिया। उन्होंने सफाई कर्मियों के सुपरवाइजर को सफाई कार्य में किसी भी तरह की कोई लापरवाही नहीं बरतने की बात कहीं। नालियों की गंदगी को अच्छी तरह से साफ करने का निर्देश दिया, ताकि बारिश के समय जल निकासी की कोई समस्या उत्पन्न नहीं हो। साथ ही, नालियों एवं सड़कों की सफाई में निरंतरता रखने को कहा। एएमसी चास ने शहर के पुराना बाजार में महावीर चौक से चास थाना होते हुए मछली पट्टी तक सफाई कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने शहरवासियों द्वारा जगह - जगह नालियों के ऊपर स्लैब लगा कर नालियों को जाम करने को लेकर, उसे हटाने का निर्देश दिया। कल नालियों के ऊपर जाम स्लैब हटाने के लिए जेसीबी मशीन उपयोग करने को कहा। मौके पर सहायक नगर आयुक, सफाई सुपरवाइजर और अन्य कर्मी उपस्थित थे।

संचालित जलापूर्ति योजनाओं को पूर्ण करने में लाएं तेजी : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त आजय नाथ झा ने जिले में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत संचालित जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा की। मौके पर कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, चास प्रमंडल के राम प्रवेश राम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सहायक अभियंता व अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे। उपायुक्त ने पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल चास के तहत संचालित कार्यों की प्रगति की जानकारी कार्यपालक अभियंता चास राम प्रवेश राम से ली। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन अंतर्गत मल्टी विलेज स्किम (एमवीसी) के तहत कुल 18 जलापूर्ति योजना है, जिसमें 07 जलापूर्ति योजना से जलापूर्ति शुरू है, शेष 11 जलापूर्ति योजना का कार्य प्रगति पर है। जिसमें 02 योजनाओं का संवेदक द्वारा रूचि नहीं लिए जाने के कारण विभाग द्वारा अन्य संवेदक को रिसाइन किया गया है, शेष 09 जलापूर्ति का कार्य प्रगति पर है। इस पर उपायुक्त ने कार्य में तेजी लाने का कार्यपालक अभियंता चास को निर्देश दिया। कहा कि ध्यान रखें, इस जलापूर्ति योजना के शुरू नहीं होने के कारण कितने लोग पेयजल सुविधा से वंचित हैं, यह बड़ा मामला है। इसे गंभीरता से लें, नियमित समीक्षा कर कार्य में प्रगति लाएं। उन्होंने वैसे संवेदक जिन्होंने पहले काम लिया और बाद में काम करने में रूचि नहीं ले रहे हैं। उनसे सख्ती से निपटने की बात कहीं। उन्हें काली सूची में डालने के साथ ही उनके विरूद्ध एफआइआर दर्ज करने का निर्देश दिया। वहीं, सिंगल विलेज स्कीम (एसवीएस) के तहत चास में 134 योजनाएं संचालित हैं, जिसमें से 96 पूर्ण हो गई है। वहां जलापूर्ति हो रही है, शेष का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उपायुक्त ने इसमें भी तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके अलावा हर घर जल योजना की भी प्रगति की जानकारी लेकर जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

राजद के धनबाद जिलाअध्यक्ष बने राघवेन्द्र यादव

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राजद पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा धनबाद जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष का चुनाव किया गया। जिला अध्यक्ष के लिए छह लोगों ने नामांकन दाखिल किया था। चुनाव में हजारों की तादाद में पूरे जिले से कार्यकर्ता पहूंचे। पार्टी के द्वारा चुनाव के पहले

एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें कई समस्याओं को लेकर चर्चा हुई। उसके पश्चात जब चुनाव कराया गया तो सभी प्रत्याशियों ने राघवेन्द्र यादव को अपना समर्थन देकर निर्विरोध जिला अध्यक्ष और मुमताज कुरैशी को महानगर अध्यक्ष चुना। निवर्तमान जिला अध्यक्ष तारकेश्वर यादव ने भी अपना पूर्ण समर्थन राघवेन्द्र यादव को दिया। आपको बताते चले कि राघवेन्द्र यादव पिछले लगभग 15 सालों से पार्टी में हैं । वे तीन बार धनबाद के प्रखण्ड अध्यक्ष रह चुके हैं और आज के चुनाव में राजद पार्टी के सबसे युवा 30 वर्षीय राघवेन्द्र यादव जिला अध्यक्ष बने हैं ।

उपायुक्त व एसएसपी ने नशा मुक्ति जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने आज समाहरणालय परिसर से नशा मुक्ति जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वाहन को रवाना करने के बाद उपायुक्त ने कहा कि झारखंड देश का पहला राज्य है, जहां गुटखा एवं पान मसाला पर प्रतिबंध लगा है। उन्होंने कहा धनबाद के युवाओं को नशा से दूर रखने और उसपर रोक लगाने के लिए जागरूकता रथ को रवाना किया है। रथ अगले दो सप्ताह तक जिले के विभिन्न क्षेत्र में

भ्रमण कर लोगों को हर तरह के नशा से दूर रहने के लिए जागरूक करेगा। उपायुक्त ने कहा कि समाज में बदलाव लाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा वृहद रूप से अभियान चलाया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्थानों सहित अन्य प्रतिबंधित क्षेत्र में इसका कारोबार करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले के सभी थाना को स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्थानों सहित अन्य प्रतिबंधित क्षेत्र के आसपास सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया है। उन्होंने लोगों से पुलिस को गुप्त रूप से इसकी सूचना देने का भी अनुरोध किया।

मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए जागरूकता वैन रवाना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आज से 26 जून तक मादक पदार्थों के दुरूपयोग पर रोक को लेकर राज्यस्तरीय जागरूकता कार्यक्रम के तहत जिले में भी जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के जागरूकता रथ को समाहरणालय परिसर से उपायुक्त

अजय नाथ झा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर जिला जनसंपर्क कार्यालय के कर्मी समेत अन्य उपस्थित थे। मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि राज्य सरकार मादक पदार्थों के रोकथाम को लेकर पूर्णतः संकल्पित है। यह तभी संभव हो सकता है, जब आम जन भी इसे आत्मसात करें। आमजनों के बीच जागरूकता को लेकर राज्य सरकार ने 10 जून से 26 जून तक जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में आज तीन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर जिला स्तर पर रवाना किया गया। यह रथ जिले के सभी प्रखंडों का भ्रमण कर आमजनों को मादक पदार्थों को छोड़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने आम जनों को जिंदगी को दौड़ने दीजिये,नशा मुक्त जीवन हो हमारा...की बात कहीं, सबों को नशा मुक्त जीवन जीने का अपील किया। उन्होंने युवाओं को कहा कि आप सभी का राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान है, आपका व्यक्तित्व इस देश के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इसलिए ड्रग्स के कुचक्र को तोड़ो, जीवन से नाता जोड़ो... का संदेश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि जन जागरूकता को लेकर समाज कल्याण, शिक्षा, जिला पंचायती राज, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा समन्वय के माध्यम से प्रतिदिन जिले के सभी प्रखंडों में जागरूकता कार्यक्रम किया जाएगा, ताकि जिले के लोग नशा के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक हो। इस दौरान ग्राम स्तर पर चौपाल आयोजित करने, जिला व प्रखंड स्तर पर कार्यशाला, विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम जिसमें बाजार-हाट आदि में नुक्कड़ नाटक, जागरूकता कार्यक्रम सहित विद्यालय स्तर पर क्विज व निबंध लेखन प्रतियोगिता, प्रभात फेरी आदि गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

बच्चों ने निकाली प्रभात फेरी

उधर, शिक्षा विभाग द्वारा जन जागरूकता को लेकर विभिन्न विद्यालयों के छात्र - छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रखंडों में प्रभात फेरी निकाला गया। नशा मुक्त भारत निर्माण को लेकर विभिन्न सलोग्न के माध्यम से जन जागरूकता का संदेश फैलाया गया।

चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाजार के प्रतिनिधिमंडल ने सीनियर डीसीएम को ज्ञापन सौंपा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार को चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाजार प्रतिनिधि मंडल द्वारा दक्षिण छोर स्टेशन भवन एवं पुराना बाजार अप्रोच रोड़ की विकास व मूलभूत सुविधाओं की मांग को ले कर अध्यक्ष सोहराब खान के नेतृत्व में सीनियर डीसीएम (पूर्व मध्य रेल) मोहम्मद इकबाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाजार अध्यक्ष सोहराब खान ने सीनियर डीसीएम से मिल कर पुराना बाजार अप्रोच रोड़ में पार्किंग अलॉट करने पर रेल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया और पार्किंग एरिया को स्पष्ट करने का आग्रह किया ताकि इसका लाभ पुराना बाजार ने व्यवसायियों,ग्राहकों एवं आमजन को मिल सके। सोहराब खान ने बताया कि पार्किंग एवं शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाजार के व्यवसायियों की वर्षों पुरानी मांग थी पार्किंग मिलने से चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाजार के व्यवसायियों में हर्ष है अब यथा शीघ्र रेलवे द्वारा सुलभ शौचालय निर्माण भी करवाया जाए! सोहराब खान ने दक्षिणी छोर स्टेशन भवन जाने वाली सड़क जो अंडर पास से स्टेशन भवन को जोड़ती है उसके जर्जर स्थिति पर सीनियर डीसीएम का ध्यान आकृष्ट करवाते हुए कहा कि सड़क नदारद है जगह जगह गड्ढे बन गए हैं इस सड़क की जल्द मरम्मत कराया जाए। सोहराब ने अंडर पास के इर्द गिर्द बंद पड़े की स्ट्रीट लाइट को चालू करवाने की भी मांग रखी।

चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाजार महासचिव पवन सोनी ने डीएवी स्कूल ग्राउंड पर बनी पुराना बाजार अप्रोच रोड़ के आस पास गंदगी,अतिक्रमण और बारिश के दिनों में होने वाले जल जमाव से होने वाली परेशानियों से निजात दिलाने की बात सीनियर डीसीएम के समक्ष रखी,उन्होंने ने कहा कि जिस मकसद से दक्षिण छोर सड़क की निर्माण की गई थी वो अभी अधूरा है इस का लाभ आम जनमानस को मिल सके रेल प्रबंधक को इस पर ध्यान देना चाहिए। चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाजार के संरक्षक सह जिला चैंबर के पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने धनबाद से दिल्ली एवं बैंगलोर की सीधी ट्रेन की मांग रखी,उन्होंने ने कहा कि मांग बहुत पुरानी है पर आज धनबाद को दिल्ली और बेंगलौर सीधी ट्रेन की जरूरत है। राजेश गुप्ता ने पुराना बाजार साइड से रेल पटरी के उस पार जाने के लिए एक फुट ओवर ब्रिज की मांग भी रखी। वार्ता के बाद सीनियर डीसीएम(पूर्व मध्य रेल) मोहम्मद इकबाल ने बताया कि जगह चिह्नित कर सुलभ शौचालय का निर्माण शीघ्र करवाया जाएगा एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाजार द्वारा बताए गए अन्य समस्याओं का शीघ्र निदान किया जाएगा। सीनियर डीसीएम (पूर्व मध्य रेल) से वार्ता में चैंबर अध्यक्ष सोहराब खान,महासचिव पवन सोनी, संरक्षक सह जिला चैंबर पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता,संजय पांडेय,इमरान अली एवं दीपक सिंह चौहान आदि मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश का मान व स्वाभिमान बढ़ा है : यदुनाथ पाण्डेय

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल में देश का मान और स्वाभिमान बढ़ा है।प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सेना को फ्री हैंड छोड़ा गया है। हम 100 मारते हैं तो एक गिनते हैं। यह बातें पूर्व सांसद यदुनाथ पांडे ने बोकारो परिसदन में पत्रकारों से बात करते हुए कही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते यदुनाथ पांडे ने कहा कि पहले सेना के हाथ को बांध दिया जाता था। लेकिन आज प्रधानमंत्री ने सेना को खुली छूट दे रखी है, जिसका नतीजा ऑपरेशन सिंदूर दुनिया ने देखी। उन्होंने कहा कि अगर डब्बल इंजन की सरकार राज्य में होती है तो इसका लाभ भी मिलता है। इसका उदाहरण छत्तीसगढ़ है। छत्तीसगढ़ से नक्सल समस्या पूरी तरह से खत्म होने को है। यदुनाथ पांडे ने आज एक बार फिर से एक विशेष समुदाय पर हमला बोला। कहा कि एक विशेष समुदाय के लोग हम चार और हमारे 44 का नारा दे रहे हैं। जिस तरह कश्मीर से हिंदुओं को भागने का काम किया गया। वैसी ही पूरे देश में साजिश चल रही है। लेकिन देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रहते इस साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

बीएसएल की टीम ने जीती चेयरमैन ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स 2024-25

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 10 जून को एमटीआई, रांची में आयोजित 21वें चेयरमैन ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स 2024-25 प्रतियोगिता के फाइनल में बीएसएल की टीम ने प्रतिद्वंदी टीमों को पछाड़ते हुए खिताब अपने नाम करने का गौरव प्राप्त किया है. इस प्रतियोगिता में बोकारो स्टील प्लांट की टीम का प्रतिनिधित्व सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) शिप्रा एन हेमरोम, वरीय प्रबंधक (इलेक्ट्रॉनिक्स- दूरसंचार) वाई एस एन रेड्डी और उप प्रबंधक (अग्निशमन सेवा) डी रामटेके ने किया. बोकारो इस्पात संयंत्र की शीर्ष प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर टीम को बधाई दी है. 21वें चेयरमैन ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स 2024-25 प्रतियोगिता में भिलाई स्टील प्लांट की टीम को द्वितीय तथा इस्को बर्नपुर की टीम को तृत्य स्थान प्राप्त हुआ. उल्लेखनीय है कि चेयरमैन ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स सेल के युवा प्रबंधकों के लिए

आयोजित एक प्रतिष्ठित स्पर्धा है जिसमें प्रतिभागी टीमें निर्धारित थीम पर अपनी प्रविष्टियाँ प्रस्तुत करती है. 21वें चेयरमैन ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स 2024-25 के लिए "ट्रांसफॉर्मिंग सेफ्टी कल्चर इन सेल" थीम तय की गई थी.

एक 'नए सफर की शुरूआत' कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो स्टील प्लांट से जून' 2025 में सेवानिवृत होने वाले कुल 27 कार्मिकों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृति के उपरान्त जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबंन्धन की जानकारी देने के उद्देश्य से आज दिनाँक 10 जून को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में मानव संसाधन के अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ के द्वारा "एक नए सफर की शुरूआत" कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के आरम्भ में वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) श्रीमती कल्पना ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा नए मेडिक्लेम योजना की जानकारी के साथ कार्यक्रम के प्रयोजन से सभी को अवगत कराया. डॉ जया लक्ष्मी, मेडिकल ऑफिसर (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) और योग विशेषज्ञ श्री कृष्ण बंधु मिश्रा ने इस्पात कर्मियों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में बताया. उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री अनुपम शी ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन तथा नगर प्रशासन विभाग से श्री दिवाकर सरन, सहायक प्रबंधक ने आवास प्रतिधारण नीति के बारे में विस्तृत जानकारी दी.

मोबाइल टावर से बैटरी चुराने वाला चढ़ा पुलिस के हत्थे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिला में अलग अलग थाना क्षेत्रों से एयरटेल, जियो, एवं बीएसएनएल के टावरों से बैटरी चोरी किए जाने के मामले का चास मुफस्सिल थाना पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में धनबाद से एक आरोपी को गिरफ्तार कर 112 मोबाइल टावर की बैटरी बरामद किया गया है। जिसकी कीमत लगभग 6 लाख 83 हजार रुपए बताई जा रही है। एसपी हरविंदर सिंह ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि दो जून को चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ढानडाबर पर गांव में लगे टावर से बैटरी की चोरी की गई थी। जिसका कांड कल 9 जून को दर्ज किया गया था। इसी मामले में कार्रवाई की गई और धनबाद से कोलाकुसमा के रहने वाले धर्मेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया

गया। उसके निशान देही पर धनबाद के अनश उर्फ जावेद कबाड़ी के दुकान से चोरी किए गए 112 बैटरी को बरामद किया गया है। एसपी ने बताया कि धर्मेंद्र कुमार दो कंपनी में टावर मेंटेनेंस का काम करता था। कंपनी को जानकारी होने के बाद उसे काम से निकाल दिया गया।काम से निकाले जाने के कारण उसने सबक सिखाने के उद्देश्य से इस तरह की घटना को अंजाम देने का काम शुरू किया। एसपी ने बताया कि इसकी गिरफ्तारी से टावर में बैटरी चोरी की घटना पूरी तरह से रुक जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

मोदी सरकार के 11 साल : ग्रामीण भारत का स्वर्णिम युग

विगत 11 वर्षों में (2014-2025) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक स्वर्णिम युग का सूत्रपात किया है। 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' का पवित्र मंत्र ग्रामीण भारत के हृदय में संनादति हुआ, गांवों की माटी को सशक्तिकरण की सुगंध से सराबोर कर गया। यह कालखंड न केवल नीतियों और योजनाओं का इतिहास है, अपितु उन करोड़ों ग्रामीण आत्माओं की आकाक्षांओं का साकार स्वप्न है, जो अब विकास की मुख्यधारा में कदमताल कर रही है। ग्रामीण भारत, जो कभी उपेक्षा का दंश झेलता था, आज आत्मनिर्भरता और समृद्धि की नई गाथा लिख रहा है। मोदी सरकार के 11 वर्ष ग्रामीण भारत के लिए एक स्वर्णिम पुनर्जनन का काल रहे हैं। जल, बिजली, आवास, और स्वच्छता की योजनाओं ने ग्राम्य जीवन को गरिमा और समृद्धि से सजाया। किसान, नारी, और आदिवासी समुदाय इस विकास की गंगा में स्नान कर रहे हैं। यह कालखंड केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की आत्मा में बसी आकांक्षाओं का साहित्यिक महाकाव्य है, जो 'विकसित भारत' की ओर अग्रसर है।

जल जीवन मिशन : जीवन का अमृत

जल जीवन मिशन ने ग्रामीण भारत को जीवन का अमृत प्रदान किया है। जैसे प्राचीन नदियां सभ्यताओं को पोषित करती थीं वैसे ही इस मिशन ने 15.6 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में नल से स्वच्छ जल पहुंचाकर नवजीवन की नींव रखी। आठ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में 'हर घर जल' का स्वप्न साकार हुआ। यह योजना केवल जल की धारा नहीं बल्कि ग्रामीण मातृशक्ति की गरिमा और स्वास्थ्य का संबल है, जिनके कंधों से पानी ढोने का बोझ उतर गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) : आश्रय का स्वप्न

प्रधानमंत्री आवास योजना ने ग्रामीण भारत को पक्के आश्रय का वरदान दिया। जैसे कोई कवि शब्दों से स्वप्न रचता है, वैसे ही इस योजना ने लाखों परिवारों के लिए स्थायी घरों की रचना की। प्रधानमंत्री आवास योजना -शहरी के साथ मिलकर 92.35 लाख घर सौंपे गए, जिनमें 90 लाख से अधिक महिलाओं के नाम पर हैं– यह नारी सशक्तिकरण की जीवंत कविता है। ये घर केवल ईंट और गारे की संरचना नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान और सुरक्षा की अमर गाथा हैं।

स्वच्छ भारत मिशन : स्वच्छता की शंखनाद

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) ने ग्रामीण भारत को स्वच्छता के नवयुग में प्रवेश कराया। 12 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण ने खुले में शौच की प्रथा को समाप्त कर एक स्वच्छ क्रांति का शंखनाद किया। यह मिशन ग्रामीण महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और गरिमा का प्रहरी बना, जो अब स्वच्छता की इस साहित्यिक यात्रा का हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना : रसोई में क्रांति

जैसे कोई प्रभाती राग जीवन में मधुरता घोलता है, वैसे ही उज्ज्वला योजना ने ग्रामीण रसोइयों में स्वच्छ ईंधन की मधुर लय स्थापित की। लाखों परिवारों को रसोई गैस कनेक्शन प्रदान कर इस योजना ने पारंपरिक चूल्हों के धुएं से मुक्ति दिलाई, जिससे स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों पुष्पित-पल्लवित हुए। यह ग्रामीण नारी के सशक्तिकरण की एक प्रेरक कथा है।

पीएम जन-धन योजना : वित्तीय समावेशन का दीप

ग्रामीण भारत को आर्थिक सशक्तिकरण का दीप जलाने वाली पीएम जन धन योजना ने 54 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोलकर वित्तीय समावेशन की नींव रखी। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने सरकारी योजनाओं को पारदर्शी बनाया, और ग्रामीण जन को बचत, बीमा, और ऋण की सुविधा से जोड़ा। यह योजना ग्रामीण भारत के आर्थिक स्वप्नों को पंख देने वाली एक साहित्यिक रचना है।

किसान सम्मान निधि : अन्नदाता का सम्मान

किसान सम्मान निधि ने ग्रामीण भारत के अन्नदाताओं को आर्थिक बल प्रदान किया। 3.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित कर, यह योजना उनकी मेहनत को सम्मान और समृद्धि का मोल देती है। बीज से बाजार तक की आधुनिक व्यवस्था ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उड़ान दी, जो अब विकास की गंगा में स्नान कर रही है।

सौभाग्य योजना : ग्राम्य जीवन में उजाला

सौभाग्य योजना ने 2.86 करोड़ ग्रामीण घरों में विद्युत का उजाला फैलाया। जैसे सूर्य की किरणें अंधेरे को मिटाती हैं वैसे ही इस योजना ने ग्रामीण भारत को शिक्षा, व्यवसाय और आधुनिक जीवन की रोशनी से आलोकित किया। यह ग्रामीण विकास की एक चमकती काव्य पंक्ति है।

सांसद आदर्श ग्राम योजना : ग्राम्य स्वप्नों का साकार

सांसद आदर्श ग्राम योजना ने ग्रामीण विकास को मांग-उन्मुख बनाकर गांवों को स्वप्निल आदर्श ग्रामों में बदला। सांसदों ने स्थानीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता देकर ग्राम्य जीवन को समृद्ध किया। यह योजना ग्रामीण भारत की आत्मा को सशक्त करने की एक साहित्यिक पहल है।

पीएम जनमन महाभियान : आदिवासी उत्थान की गाथा

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान ने 24,104 करोड़ रुपये के बजट के साथ आदिवासी समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और बुनियादी ढांचे का विकास किया। यह मिशन ग्रामीण आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ने की एक प्रेरक कथा है, जो उनकी आकांक्षाओं को पंख देती है।

ग्रामीण बुनियादी ढांचा : विकास की धारा

ग्रामीण सड़कों, डिजिटल कनेक्टिविटी, और बुनियादी ढांचे ने ग्रामीण भारत को अवसरों से जोड़ा। भारत नेत्र और डिजिटल इंडिया ने गांवों को डिजिटल क्रांति से जोड़ा, जबकि सड़कों ने बाजारों तक पहुंच को सरल बनाया। यह ग्रामीण भारत की प्रगति की एक सशक्त कविता है।

नारी सशक्तिकरण : ग्राम्य नारी का नवजागरण

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, और सुरक्षित मातृत्व अभियान ने ग्रामीण नारी को सशक्त बनाया। 6 करोड़ से अधिक निःशुल्क प्रसव पूर्व जांच और 4.2 करोड़ सुकन्या समृद्धि खातों ने नारी के स्वप्नों को उड़ान दी। जन औषधि केंद्रों के 77 करोड़ सैनिटरी पैड ने उनकी गरिमा को नया आलोक दिया।

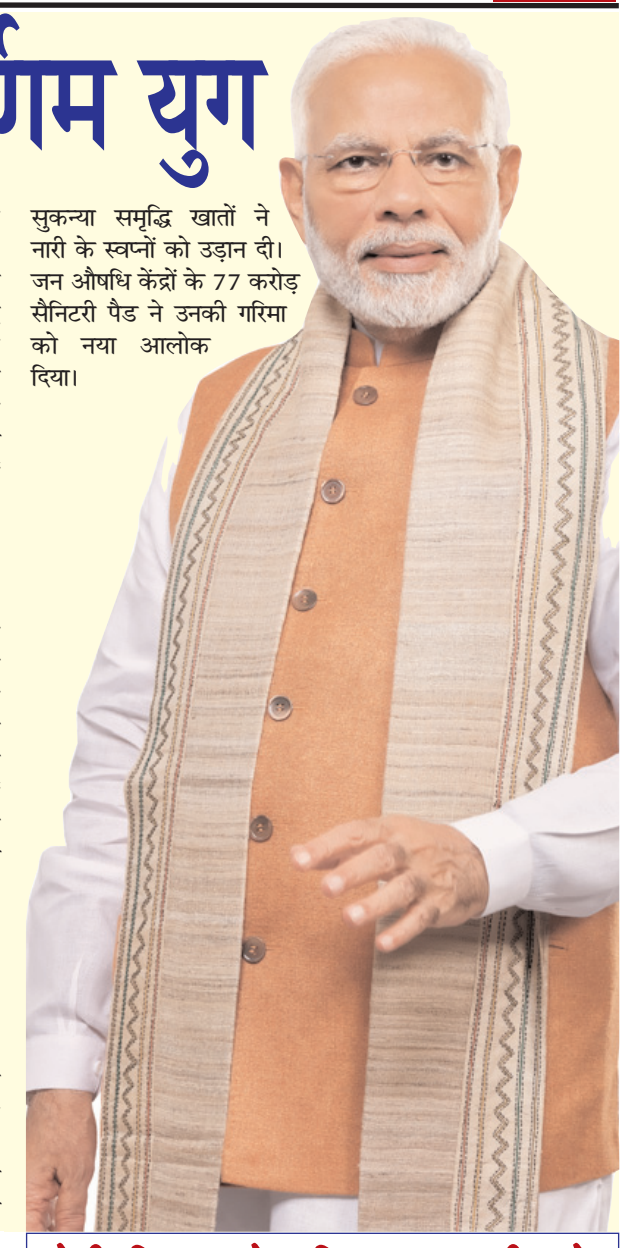

एनडीए सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां 'युगांतकारी परिवर्तन' की गाथा : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल को 'सुशासन और परिवर्तन की प्रेरणादायक यात्रा' करार देते हुए कहा है कि भारत ने 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक भागीदारी और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र से कई क्षेत्रों में युगांतकारी बदलाव देखे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ निर्णय लिए, जिससे आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक हर क्षेत्र में समावेशी और जन-केंद्रित प्रगति सुनिश्चित हुई है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत आज न केवल विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे वैश्विक विषयों पर भी एक सशक्त आवाज के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमें अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है, लेकिन हम विकसित भारत के निर्माण के लिए आशा, विश्वास और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं।' उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि बीते एक दशक से अधिक समय में नागरिकों के जीवन की सुगमता में बड़ा सुधार आया है और शासन व्यवस्था अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-संपन्न बनी है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा कि 140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी के बल पर भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखे हैं। अब समय है आशा, विश्वास और संकल्प के साथ विकसित भारत की ओर अग्रसर होने का. प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी उस समय आई है जब एनडीए सरकार अपने 11 वर्षों के कार्यकाल को विभिन्न माध्यमों से जनसामान्य तक पहुंचा रही है और 'विकसित भारत' के संकल्प की दिशा में एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है।

भारत की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान :

एक नए युग का निर्माण कर रहा प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण

डा. संजय मयूख

अपनी प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक विविधता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध, अब एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। यह युग है सांस्कृतिक पुनर्जनन, ऐतिहासिक गौरव की पुनर्स्थापना और वैश्विक मंच पर भारतीय विरासत को उसका उचित स्थान दिलाने का। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने अपनी खोई हुई सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्जनन करने, ऐतिहासिक स्थलों को पुनर्जनन करने और राष्ट्र-निर्माताओं को सम्मान देने की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। दशकों की उपेक्षा को पीछे छोड़ते हुए सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाएं न केवल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव को समृद्ध कर रही हैं बल्कि पर्यटन को बढ़ावा देकर स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को भी सशक्त बना रही हैं।

ऐतिहासिक स्थलों का कायाकल्प

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के पवित्र तीर्थस्थलों और ऐतिहासिक स्थानों को पुनर्जनन करने की दिशा में कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परियोजना ने वाराणसी की संकरी गलियों, प्राचीन घाटों और मंदिर परिसरों को आधुनिक सुविधाओं के साथ एक नया स्वरूप प्रदान किया है। यह परियोजना न केवल भक्तों के लिए आध्यात्मिक अनुभव को उन्नत करती है, बल्कि वाराणसी को एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में भी स्थापित करती है। इसी तरह, उज्जैन में महाकाल लोक परियोजना ने श्री महाकालेश्वर मंदिर को एक भव्य और आधुनिक स्वरूप प्रदान किया है, जो भक्तों के लिए सुगम और समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करता है। गुवाहाटी में माँ कामाख्या कॉरिडोर परियोजना असम की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को संरक्षित करते हुए पर्यटकों को आकर्षित कर रही है। चारधाम सड़क परियोजना, जो 900 किलोमीटर लंबी है, चार पवित्र धामों– यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ–को बारहमासी सड़क संपर्क प्रदान कर रही है। इस परियोजना के तहत 825 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग विकसित किए गए हैं जिससे तीर्थयात्रियों की सुविधा में क्रांतिकारी बदलाव आया है। केदारनाथ में 207.3 करोड़ रुपये की लागत से चल रही पुनर्विकास परियोजना की प्रगति की प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से निगरानी की है। यहां आदि शंकराचार्य की प्रतिमा का हाल ही में अनावरण किया गया, जो सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक बन गया है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारत के सांस्कृतिक इतिहास में एक मील का पत्थर है। अगस्त 2020 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए गए भूमिपूजन ने इसे एक ऐतिहासिक क्षण बना दिया। यह मंदिर न केवल आस्था का केंद्र है बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर उजागर करने का प्रतीक भी है। सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण पर 3.5 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं जिससे इस प्राचीन तीर्थस्थल का गौरव पुनर्स्थापित हुआ है। करतारपुर साहिब कॉरिडोर के उद्घाटन ने सिख तीर्थयात्रियों के लिए सुगम तीर्थयात्रा को संभव बनाया है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को मजबूत करता है।

औपनिवेशिक मानसिकता का अंत

औपनिवेशिक मानसिकता को समाप्त करने के लिए राजपथ को कर्तव्य पथ के रूप में पुनर्जनन किया गया। यह परिवर्तन केवल नाम का नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वामित्व, सशक्तिकरण और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। इसके साथ ही सरकार ने भारत की खोई हुई सांस्कृतिक धरोहर को वापस लाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। सदियों से चोरी हुई असंख्य अमूल्य कलाकृतियों को विदेशों में तस्करी के माध्यम से ले जाया गया था। मोदी सरकार ने इस दिशा में सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया और 2014 से अब तक 642 कलाकृतियां भारत वापस लाई गई हैं जबकि 2013 तक केवल 13 ही वापस आई थीं। प्रधानमंत्री ने अपनी विदेश यात्राओं के दौरान वैश्विक नेताओं और बहुपक्षीय संगठनों के साथ इस मुद्दे पर गहन चर्चा की है।

राष्ट्र-निर्माताओं को सम्मान

मोदी सरकार ने भारत के राष्ट्र-निर्माताओं और स्वतंत्रता सेनानियों को उनकी विचारधारा या राजनीतिक दृष्टिकोण से परे सम्मान देने का अभूतपूर्व प्रयास किया है। गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, जो दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है, ने न केवल केवड़िया को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित किया, बल्कि भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत को अमर कर दिया।

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता, राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी एवं विधान पार्षद हैं।)

मोदी विजन से हरित भारत की ओर भारतीय रेल : अश्विनी वैष्णव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में भारतीय रेल ने सतत विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं, जो हरित भारत की दिशा में बड़ी उपलब्धि हैं। रेल यात्री अब सिर्फ सफर नहीं, पर्यावरण बचाने में भी योगदान दे रहे हैं। बीते साल 700 करोड़ से ज्यादा यात्रियों ने रेल को प्राथमिकता दी, जिससे प्रदूषण कम हुआ और डीज़ल की खपत घटी। भारतीय रेल 2070 तक नेट ज़ीरो उत्सर्जन के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभा रही है। 2013-14 में 1,055 मिलियन टन माल ढुलाई करने वाली भारतीय रेल ने 2024-25 में यह आंकड़ा 1,617 मिलियन टन तक पहुंचाया। इससे 143 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन रोका गया, जो 121 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। रेल से माल ढुलाई सस्ती और स्वच्छ है। पिछले एक दशक में इससे देश को 3.2 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई और 2,857 करोड़ लीटर डीज़ल की खपत टली, जिससे लगभग 2 लाख करोड़ रुपये बचे। रेलवे का 99% ब्रॉड गेज नेटवर्क अब विद्युतीकृत हो चुका है। 2014 से पहले 60 वर्षों में जहां 21,000 किमी लाइन विद्युतीकृत हुई थी, वहीं पिछले 11 सालों में 47,000 किमी ट्रैक पर बिजली दौड़ चुकी है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जैसे नए मॉडल और हाइड्रोजन ट्रेनों की शुरुआत से भारतीय रेल तेज़, आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल बन रही है। 2030 तक नेट ज़ीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखते हुए भारतीय रेल 2025 तक स्कोप एक उत्सर्जन को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में अग्रसर है। सड़कें और रेल पटरियां किसी भी देश की विकास रेखा मानी जाती हैं। यही आधारभूत ढांचे का सबसे मजबूत पक्ष होती हैं। इसलिए हर देश द्रुतगामी मार्गों और रेल पटरियों के विकास तथा विस्तार पर विशेष ध्यान देता है। जम्मू-कश्मीर की चिनाब नदी पर बने मेहराबदार पुल को इसी अर्थ में देखा जा सकता है। अभी तक देश के रेल संजाल से कटा जम्मू-कश्मीर भी देश की मुख्यधारा रेल यातायात से जुड़ गया है।

पीएम नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियां : आंकड़े कर रहे दावों का समर्थन

कमल किशोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 11 वर्ष का कार्यकाल (2014-2025) भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज है। उनके नेतृत्व में भारत ने आर्थिक समृद्धि, सामाजिक समावेशन, तकनीकी नवाचार, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हासिल की है। उनकी नीतियों ने न केवल भारत के आंतरिक ढांचे को मजबूत किया बल्कि वैश्विक मंच पर भारत को एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 11 वर्ष का कार्यकाल विकसित भारत के संकल्प का प्रतीक है। उनकी नीतियों ने गरीबों को सशक्त किया, महिलाओं को बल दिया, युवाओं को अवसर प्रदान किए और भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दी। चाहे वह स्वच्छ भारत हो, डिजिटल इंडिया हो या आत्मनिर्भर भारत, मोदी का नेतृत्व हर क्षेत्र में परिवर्तनकारी रहा है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, मोदी का योगदान एक मील का पत्थर साबित होगा। उनकी दृष्टि और कार्यशैली ने भारत को न केवल आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त किया, बल्कि इसे वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में भी स्थापित किया। यहां आंकड़े भी सरकार के दावों का समर्थन कर रहे हैं।

आर्थिक सुधार और विकास

मोदी सरकार ने भारत को विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार किया है। 2014 में विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से भारत 2025 तक चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिसका अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.2 ट्रिलियन डॉलर है। मेक इन इंडिया पहल ने विनिर्माण क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जिसके तहत 2014 से 2025 तक 300 अरब डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित हुआ। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने एक जटिल कर प्रणाली को एकीकृत कर सरल बनाया। अप्रैल 2025 में जीएसटी संग्रह 2.37 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, जो जुलाई 2017 में इसके लागू होने के बाद से सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना ने बुनियादी ढांचे के विकास को गति दी। राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण 2014 के 12 किमी/दिन से बढ़कर 2021-22 में 29 किमी/दिन हो गया। 2024 तक भारत में 1.5 लाख किमी राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए गए, जो वैश्विक मानकों के अनुरूप हैं। रेलवे का आधुनिकीकरण भी उल्लेखनीय रहा, जिसमें वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी परियोजनाओं ने यात्रा समय को 30% तक कम किया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3.5 करोड़ परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए जिसने ग्रामीण और शहरी गरीबों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया। डिजिटल अर्थव्यवस्था मेंयूपीआई लेन-देन 2024 में 131 अरब तक पहुंच गया जो वैश्विक डिजिटल भुगतान में अग्रणी है।

सामाजिक कल्याण और समावेशी विकास

मोदी सरकार ने सामाजिक समावेशन को प्राथमिकता दी जिसने समाज के सबसे कमजोर वर्गों को सशक्त किया। प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने 55.22 करोड़ बैंक खाते खोलकर वित्तीय समावेशन को शुरू कर दिया। 2024 तक इन खातों में 2.1 लाख रुपये से अधिक जमा थे जो गरीबों की आर्थिक भागीदारी को दर्शाता है। विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत योजना ने 40 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त चिकित्सा कवर प्रदान किया। इस योजना के तहत 2025 तक 6 करोड़ से अधिक मरीजों का इलाज हुआ जिसने गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने 10.33 करोड़ महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान कर रसोई को धुआंमुक्त बनाया। 2016 में 62% एलपीजी कवरेज 2022 तक 104.1% तक पहुंच गया जिसने ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य और जीवनशैली में सुधार किया। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ ने लिंगानुपात को 918 (2014) से 933 (2024) तक सुधारा जबकि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि ने 11 करोड़ से अधिक किसानों को 6,000 रुपये वार्षिक आय सहायता प्रदान की। स्वच्छ भारत मिशन ने 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण कर ग्रामीण स्वच्छता को बढ़ावा दिया। नीति आयोग की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले, जो सामाजिक कल्याण की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। स्किल इंडिया मिशन ने 1.5 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया, जिसने बेरोजगारी दर को 2014 के 6.1% से 2024 में 4.8% तक कम करने में मदद की। मुद्रा योजना ने 40 करोड़ से अधिक सूक्ष्म उद्यमियों को ऋण प्रदान कर स्वरोजगार को प्रोत्साहित किया, जिसमें 60% से अधिक लाभार्थी महिलाएं थीं।

तकनीकी नवाचार और डिजिटल परिवर्तन

मोदी सरकार ने भारत को डिजिटल क्रांति का नेतृत्वकर्ता बनाया। डिजिटल इंडिया पहल ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट पहुंच को 2014 के 25% से 2024 में 85% तक बढ़ाया। भारत नेट परियोजना ने 2.5 लाख ग्राम पंचायतों को हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड से जोड़ा। आधार ने 1.38 अरब लोगों को डिजिटल पहचान प्रदान की, जिसने सरकारी योजनाओं की डिलीवरी को पारदर्शी बनाया। स्टार्टअप इंडिया ने 1.25 लाख स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया, जिसके परिणामस्वरूप भारत में 100 से अधिक यूनिकॉर्न्स (1 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के स्टार्टअप) उभरे। 2024 में भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम विश्व में तीसरे स्थान पर रहा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भी भारत ने छलांग लगाई। चंद्रयान-3 की सफलता और आदित्य-एल1 मिशन ने भारत को अंतरिक्ष अनुसंधान में अग्रणी बनाया।

राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक कूटनीति

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में, मोदी सरकार ने दृढ़ता और रणनीतिक चतुराई का परिचय दिया। ऑपरेशन सिंदूर (7 मई 2025) ने भारत की सैन्य क्षमता को प्रदर्शित किया, जब तीनों सेनाओं ने समन्वित कार्रवाई में सीमा पार नौ आतंकी शिविरों को नष्ट किया। रक्षा निर्यात 2014 के 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 21,000 करोड़ रुपये हो गया, जिसने भारत को स्वदेशी रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। वैश्विक कूटनीति में भारत की स्थिति अभूतपूर्व रूप से मजबूत हुई। 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और अफ्रीकी संघ को जी20 में स्थायी सदस्यता दिलाने में भारत की भूमिका ने वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूती दी। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (2023) ने 99% भारतीय निर्यात को शुल्क-मुक्त बनाया, जिससे भारत का निर्यात 2024 में 750 अरब डॉलर तक पहुंच गया। मोदी को रूस, यूएई, सऊदी अरब, अफगानिस्तान और ग्रीस जैसे देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुए, जो उनकी वैश्विक स्वीकार्यता को दर्शाते हैं। क्वाड और ब्रिक्स जैसे मंचों पर भारत की सक्रियता ने वैश्विक शांति और सहयोग को बढ़ावा दिया।

चुनौतियां और आलोचनाएं

मोदी का कार्यकाल चुनौतियों और विवादों से भी घिरा रहा। 2002 के गुजरात दंगों में उनकी कथित भूमिका ने उनकी छवि को प्रभावित किया। कुछ आलोचकों ने उनकी नीतियों को हिंदू राष्ट्रवाद से जोड़ा और केंद्रीकृत शक्ति, प्रेस स्वतंत्रता पर सवाल, और पर्यावरण नियमों में बदलाव की आलोचना की। बेरोजगारी और मुद्रास्फीति जैसी आर्थिक चुनौतियां भी सामने आईं, हालांकि सरकार ने इनका सामना करने के लिए कई कदम उठाए। फिर भी, उनकी नीतियों ने भारत को एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है।

मोदी सरकार के 11 साल

सेवा, सुरक्षा व सुशासन का स्वर्णिम काल : अमित शाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्षों का कार्यकाल जनसेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की दृष्टि से एक स्वर्णिम कालखंड रहा है। उन्होंने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में लिखा कि बीते 11 वर्षों में देश ने आर्थिक पुनरुत्थान, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में नया युग देखा है। शाह ने कहा कि 2014 से पहले देश में नेतृत्वहीनता, भ्रष्टाचार और नीतिगत पंगुता हावी थी लेकिन पिछले 11 वर्षों में 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' के सिद्धांत पर चलते हुए शासन प्रणाली में व्यापक सुधार हुए हैं। उन्होंने लिखा कि इस दौर में किसानों, महिलाओं, पिछड़ों, दलितों और वंचित वर्गों को सरकार की नीतियों के केंद्र में लाया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की कार्य संस्कृति ने तुष्टीकरण की राजनीति को पीछे छोड़ते हुए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को व्यवहार में उतारा है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर बोलते हुए अमित शाह ने दावा किया कि नक्सलवाद अब समाप्ति की कगार पर है। जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत में शांति स्थापित हुई है और भारत अब आतंकवादी हमलों का जवाब सीमापार कार्रवाई कर देता है। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' की नीति के तहत एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर भारत को हर क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचाने का लक्ष्य इसी गति से पूरा किया जाएगा।